THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 220 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.1 2080 रविवार, 29 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

जयपुर में 3300 की रेट में कोठी

80% SOLD OUT

आम सूचना

20% UNITS LEFT

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जयपुर में ₹3300 प्रति वर्ग फीट की रेट का यह हमारा आखिरी प्रोजेक्ट है जमीनों और उच्च गुणवत्ता वाली निर्माण सामग्री की आसमान छूती कीमतों की वजह से भविष्य में इस रेट में कोठी बेचना हमारे लिए मुश्किल ही नहीं, असंभव है। अभी भी 20% कोठी शेष हैं अविलंब कोठी बुक करें।

FIXED PRICE

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

NO MIDDLE-MEN

DIRECT TO CUSTOMER

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट	दिवाली बाद की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल
यूनिट टाइप	साइज				POSSESSION DEC. 2025
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	49.50 LACS	54 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 LACS	60 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60.50 LACS	66 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	66 LACS	72 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	77 LACS	84 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	110 LACS	120 LACS	150 LACS	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

मुकेश अंबानी को फिर जान से मारने की धमकी

मेल भेजकर 20 करोड़ मांगे, कहा हमारे पास देश के बेस्ट शूटर्स; एफआईआर दर्ज

बिजनेसमैन मुकेश अंबानी

मुंबई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिजनेसमैन मुकेश अंबानी को फिर जान से मारने से धमकी मिली है। अज्ञात शख्स ने उन्हें एक ईमेल भेजकर 20 करोड़ रुपए की मांग की हैं। कहा कि देश के बेस्ट शूटर्स से उनको मरवा देगा। सूत्रों के मुताबिक, अंबानी को ये धमकी गुरुवार शाम को मिली। ईमेल में लिखा था, 'अगर तुमने हमें 20 करोड़ रुपये नहीं दिए तो हम तुम्हें मार डालेंगे, हमारे पास भारत के सबसे अच्छे निशानेबाज हैं' '। इस ईमेल के मिलने के बाद मुकेश अंबानी के सिक्योरिटी इंचार्ज की शिकायत के आधार पर गामदेवी पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ आईपीसी की धारा 387 और 506 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इससे पहले भी अंबानी और उनके परिवार को कई बार जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं। इसके चलते पिछले साल 29 सितंबर को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उनकी सिक्योरिटी जेड+ कैटेगरी से बढ़ाकर जेड+ कर दी थी। सिक्योरिटी पर आने वाले खर्च का भुगतान मुकेश अंबानी करते हैं। यह खर्च 40 से 45 लाख रुपए महीना होता है।

पहले भी कई बार अंबानी को मिल चुकी है धमकी

10 जनवरी 2023 को मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। मुंबई पुलिस ने बताया था कि स्कूल के लैंडलाइन पर शाम साढ़े चार बजे एक कॉल आई। फोन करने वाले ने स्कूल में टाइम बम लगाने का दावा किया था। इसके बाद फोन डिस्कनेक्ट हो गया था।

5 अक्टूबर 2022 को रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। हॉस्पिटल के लैंडलाइन नंबर पर अनजान शख्स का दो बार कॉल आया, जिसमें कॉलर ने अंबानी परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पहली बार कॉल दोपहर करीब 1 बजे आया और दूसरा कॉल शाम 5 बजे आया। इसके बाद से अस्पताल और एंटीलिया (मुकेश अंबानी का घर) की सुरक्षा बढ़ा दी गई।

15 अगस्त 2022 को भी मुकेश अंबानी के परिवार को जान से मारने की धमकी मिली थी। मुंबई पुलिस के अनुसार, रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल के डिस्प्ले नंबर पर धमकी भरे फोन कॉल किए गए। कॉलर ने धमकी देते हुए कहा कि उनके पूरे परिवार को तीन घंटे में खत्म कर दिया जाएगा। इस मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को अरेस्ट किया था।

फरवरी 2021 में एंटीलिया के पास विस्फोटक भरी कार मिली थी

फरवरी 2021 में एंटीलिया के बाहर से विस्फोटक से लदी एक एसयूवी बरामद की गई थी, जिसमें 20 जिलेटिन की छड़ें और एक चिट्ठी मिली थी। चिट्ठी में मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी को धमकी दी गई थी। इस केस में मुंबई पुलिस के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट सचिन वझे का नाम आया था। अभी एनआईए इस केस की जांच कर रही है।

'प्रदेश में 250 घोटाले करने वाली बीजेपी सरकार की विदाई तय'

एमपी के दमोह में बरसीं प्रियंका गांधी वाड्रा

दमोह, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशियों के प्रचार के लिए पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा दमोह पहुंची। यहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए बीजेपी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा एमपी से बीजेपी सरकार की विदाई तय है। दमोह में प्रियंका ने बीजेपी पर साधा निशाना प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि मध्य प्रदेश बड़े बदलाव के लिए तैयार है। 225 महीने के शासन में 250 घोटाले करने वाली भ्रष्ट भाजपा सरकार जा रही है।

भारी बहुमत से कांग्रेस आ रही है। प्रियंका गांधी ने कहा कि मध्य प्रदेश में रोजगार के मौके बेहद कम हैं, इसलिए यहां पलायन बहुत हो रहा है। पिछले 3 साल में मध्य प्रदेश की बीजेपी सरकार ने सिर्फ 21 नौकरियां दी हैं। दमोह में जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि हम कहते हैं कि जातिगत जनगणना करो। बिहार में जातिगत जनगणना कि गई है, जिसके अनुसार वहां 84 फीसदी जनता एससी, एसटी और एबीसी है। लेकिन अगर आप नौकरियों में बड़े-बड़े पदों को देखेंगे कि इन समुदायों का प्रतिनिधित्व क्या है तो आप पाएंगे कि इतना प्रतिनिधित्व नहीं है।

'संबंध बनाने के लिए 14 वर्षीय लड़की की सहमति कानून की नजर में अमान्य'

आरोपी शिक्षक की जमानत नामंजूर

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। उच्च न्यायालय ने नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी शिक्षक को जमानत देने से इनकार कर दिया। आरोपी ने छात्रा की सहमति से संबंध बनाने का दावा किया था। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि पीड़िता जो उस समय केवल 14 वर्ष की थी की रजामंदी कानून की नजर में कोई सहमति नहीं है और आरोपी उसके शिक्षक होने के कारण प्रभावशाली स्थिति में था। आवेदक के वकील के इस तर्क में कोई दम नहीं है कि दोनों पक्षों के बीच संबंध सहमति से बने थे, क्योंकि वर्ष 2012 में पीड़िता की उम्र केवल 14 वर्ष थी। उन्होंने कहा यह अदालत यह भी नोट करती है कि प्रासंगिक समय में वह एक शिक्षक होने की प्रमुख स्थिति में था क्योंकि वह उस कोचिंग सेंटर में पढ़ती थी जहां वह पढ़ाता था।

नवंबर में सरकार के सामने वायुसेना रखेगी 3 अहम प्रस्ताव

तेजस की खरीद और सुखोई को अपग्रेड करने की परियोजना शामिल

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की अगली बैठक अगले महीने वाली है। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) इस दौरान तीन महत्वपूर्ण परियोजनाएं सरकार के सामने रखने वाली है। इन तीन परियोजनाओं में 97 एलसीए तेजस मार्क1-ए और 66 हेलिकॉप्टर्स की खरीद शामिल है। साथ ही भारतीय वायुसेना फ्रांस से आए 36 राफेल के अलावा 84 सुखोई-30 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने पर विचार कर रही है। सुखोई-30 एमकेआई वायुसेना के पास सबसे आधुनिक युद्धक विमान हैं। तीनों परियोजनाएं कई अरब डॉलर की हैं। बता दें कि भारतीय वायुसेना के पास लड़ाकू विमानों के लगभग 32 स्क्वाड्रन हैं। ये चीन तथा पाकिस्तान की दोहरी चुनौती को देखते हुए पर्याप्त नहीं है। 2025 तक मिग-21 लड़ाकू विमानों की उड़ानों पर पूरी तरह रोक लगाने की भी योजना है। इसे देखते हुए तेजस विमानों के स्क्वाड्रन की सख्त जरूरत है। वायुसेना ने पहले ही 83 एलसीए मार्क 1ए के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। अब 97 अतिरिक्त विमानों के साथ उस अनुबंध को आगे बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। इससे वायुसेना में कुल 180 एलसीए मार्क 1ए हो जाएंगे। 2025 तक मिग-21 के स्कवाड्रन को एलसीए मार्क 1ए से बदल दिया जाएगा। सैन्य रणनीतिकारों का मानना है कि भविष्य में भारत को दोहरे मोर्चे पर सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि वायुसेना को पास आधुनिक तकनीक से लैस लड़ाकू विमानों का बड़ा बेड़ा हो। अगर सब कुछ योजना अनुसार चला तो अगले 15 वर्षों में भारतीय वायुसेना के पास 40 एलसीए, 180 से ज्यादा एलसीए मार्क-1ए और 120 एलसीए मार्क-2 फाइटर प्लेन होंगे। भारतीय वायुसेना के पास लगभग 270 सुखोई हैं। इनमें से एक बड़े हिस्से को वायुसेना अपग्रेड करना चाहती है ताकि इनकी उम्र 20 साल बढ़ सके। वहीं 66 हेलीकॉप्टर स्वदेशी हैं और 156 हेलीकॉप्टरों के पैकेज का हिस्सा हैं। इनमें से 90 भारतीय सेना को मिलने हैं।

क्या पीएम मोदी को भूलने की बीमारी है

शरद पवार पर पीएम मोदी के तंज पर संजय राउत का पलटवार

मुंबई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। शरद पवार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने तीखा हमला करते हुए कहा कि क्या पीएम भूलने की बीमारी से पीड़ित हैं। यूपीए सरकार में कृषि मंत्री रहे शरद पवार पर परोक्ष हमला करते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि जब भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार सक्रिय रूप से किसानों को सशक्त बना रही थी, तो महाराष्ट्र में कुछ व्यक्ति प्रतिनिधित्व की आड़ में राजनीतिक गतिविधियों में लगे हुए थे। शरद पवार ने अपने दम पर मुकाम हासिल किया प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए संजय राउत ने कहा, मोदी जी ने क्या किया? पवार साहब 10 साल तक कृषि मंत्री थे। वह सिर्फ कृषि मंत्री नहीं थे; वह एक विशेषज्ञ थे। वह कृषि क्रांति के लिए जाने जाते हैं। इसकी गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आप कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को विधानसभा चुनाव का सामना करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। शरद पवार ने अपने दम पर यह मुकाम हासिल किया है। पीएम केयर फंड बनाना कोई बड़ा काम नहीं है, शरद पवार ने एचआईएस के जरिए लोगों की मदद की है और यह गैर सरकारी संगठन है। क्या पीएम मोदी को भूलने की बीमारी है? संजय राउत ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब पीएम शरद पवार पर बोल रहे थे तो उन्हें मंच छोड़ देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि, देश के पीएम के रूप में यह आपको शोभा नहीं देता। कल तक आप शरद पवार की तारीफ कर रहे थे, आज आप उनकी कमियां गिना रहे हैं, क्या पीएम मोदी को भूलने की बीमारी है? जब मोदी जी गलत बोल रहे थे तो अजित पवार को मंच से चले जाना चाहिए था। अटल और आडवाणी का सम्मान नहीं किया संजय राउत ने कहा, पवार साहब। आज पीएम मोदी महाराष्ट्र आकर शरद पवार की आलोचना कर रहे हैं। कल वह बालासाहेब ठाकरे का भी अपमान करेंगे। मोदी और बीजेपी केवल लोगों का इस्तेमाल करना जानते हैं। उन्होंने अटल, आडवाणी का सम्मान नहीं किया। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में जब पीएम ने महाराष्ट्र का दौरा किया तो उन्होंने कुछ भी नहीं बोला क्योंकि उनका मकसद महाराष्ट्र आकर राज्य के नेता को बदनाम करना था। इसलिए अजित पवार मंच पर बैठे सुनते रहे राउत ने कहा, मोदी महाराष्ट्र आए लेकिन किसानों की आत्महत्या पर नहीं बोले,

शराबी मां ने अपने शौक के लिए बर्बाद किया बेटे का भविष्य मामला जानकर होगी हैरानी

इंदौर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है यहाँ एक मां ने अपने ही बेटे को चोरी करना सिखाए तथा आज दोनों ही मां बेटे पुलिस हिरासत में है। चौंकाने वाली बात तो यह है कि महिला अपने शराब पीने के शौक को पूरा करने के लिए बेटे से चोरी कराती थी। इंदौर के राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में चोरी की कई घटनाओं का खुलासा करते हुए पुलिस द्वारा एक ऐसी महिला को गिरफ्तार किया है जो कि अपने 15 वर्षीय बेटे को चोरी करने के लिए भेजती थी। मां और बेटे दोनों ही चोरी का सामान बेचने के लिए बाजारों में घूमा करते थे। महिला का बेटा आमतौर पर लोगों के घरों से सोना चुराता था। जिस भी दुकान पर यह सोना बिक जाता था रुपए लेकर मां-बेटे फरार हो जाते थे। अपराधी महिला नगर निगम इंदौर में मस्टर कर्मचारी है तथा शराब पीने की आदि बताई जा रही है। महिला अपराधी के पति का कुछ वक्त पहले अधिक शराब पीने की वजह से मौत हो गई थी। महिला द्वारा परिवार का खर्च चलाने के लिए बेटे को ही चोरी की घटना करने के लिए कहा जाता था। डीसीपी आदित्य मिश्रा ने बताया, राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में निरंतर चोरी की कई घटनाएं हो रही थी।

शेख हसीना को पीएम पद से हटाने के लिए एकजुट हुआ विपक्ष, विरोध प्रदर्शनों में हिंसा भड़कने का डर

ढाका, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे और अगले साल आम चुनावों की देखरेख के लिए एक गैर-पक्षपातपूर्ण कार्यवाहक सरकार को सत्ता सौंपने की मांग की है। विपक्षी पार्टी ने इस मांग को लेकर राजधानी में एक सामूहिक रैली आयोजित करने की योजना बनाई है। दूसरी ओर सत्तारूढ़ अवामी लीग पार्टी ने चेतावनी दी है कि अगर प्रदर्शन के नाम पर हिंसा भड़काने की कोशिशि की गई तो उससे सख्ती से निपटा जाएगा। सत्तारूढ़ पार्टी ने कहा कि वो विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट के मुख्यालय के पास एक शांति रैली आयोजित करेगी, जहां पार्टी के नेता पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के समर्थक इकट्ठा होंगे। विपक्ष का कहना है कि वह हसीना को हटाने के लिए अंतिम प्रयास कर रहा है, क्योंकि चुनाव आयोग जनवरी में होने वाले देश के 12वें राष्ट्रीय चुनाव की घोषणा करने की तैयारी कर रहा है। बांग्लादेश में राजनीतिक विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा का इतिहास रहा है, खासकर चुनावों से पहले। हसीना और जिया के बीच तकरार दशकों से चल रही है और हसीना की सरकार महीनों से दबाव में है, क्योंकि विपक्ष ने बड़े पैमाने पर शांतिपूर्ण सरकार विरोधी प्रदर्शन किए हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि हिंसा कभी भी भड़क सकती है। जिया की पार्टी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा कि वह हसीना के प्रशासन के इस्तीफे और कार्यवाहक सरकार की स्थापना पर जोर देना जारी रखेंगे।

13 घंटे लेट हुई ट्रेन, अहम मीटिंग में भाग नहीं ले सका यात्री रेलवे को देना होगा 60,000 रुपये मुआवजा

एर्नाकुलम, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के एर्नाकुलम जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने दक्षिण रेलवे को ट्रेन लेट होने पर एक यात्री को 60,000 रुपये देने का आदेश दिया है। एलेप्पी एक्सप्रेस के 13 घंटे देरी से चलने के कारण यात्री चेन्नई में होने वाली अपनी कंपनी की मीटिंग में नहीं पहुंच पाया था। इस वजह से उसे काफी निराशा और हानि हुई। उपभोक्ता आयोग ने कहा कि यात्रियों के समय का महत्व निर्विवाद है। ट्रेन लेट होने से उत्पन्न हुई हानि के लिए रेलवे जिम्मेदार है। कार्तिक नाम के एक शख्स ने चैन्नई जाने के लिए 6 मई, 2018 को एलेप्पी एक्सप्रेस में टिकट बुक कराया था। कार्तिक को अपनी कंपनी की एक महत्वपूर्ण मीटिंग में भाग लेना था। निर्धारित समय पर वह रेलवे स्टेशन पर पहुंच गया। परंतु ट्रेन समय पर नहीं आई। एलेप्पी एक्सप्रेस पूरा 13 घंटे लेट थी। ट्रेन लेट होने की वजह से कार्तिक कंपनी की महत्वपूर्ण बैठक में भाग नहीं ले सका। इसका प्रतिकूल प्रभाव उसके करियर पर पड़ा।

रेलवे पर ठोका केस

कार्तिक ने रेलवे से अपने नुकसान की भरपाई के लिए एर्नाकुलम जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में केस दायर कर दिया और रेलवे से नुकसान की भरपाई की मांग की। कार्तिक का कहना था कि रेलवे ने ट्रेन लेट होने की समय पर जानकारी नहीं दी और न ही ट्रेन के देरी से चलने पर वैकल्पिक इंतजाम किए। यह सेवा में लापरवाही का मामला है। रेलवे ने अपने बचाव में तर्क दिया कि यात्री ने रेलवे को अपनी यात्रा के उद्देश्य के बारे में सूचित नहीं किया था। अगर यात्री रेलवे को सूचना दे देता तो वे आवश्यक सावधानी बरतते। उपभोक्ता आयोग ने रेलवे के इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि यात्रियों के समय का महत्व निर्विवाद है। 13 घंटे की देरी और यात्री के साथ समुचित सूचना सांझा न करना 'सेवा में विफलता' है। रेलवे विस्तारित देरी और उसके परिणामों के लिए जिम्मेदार है। इसलिए वह यात्री की हुई हानि की भरपाई करने के लिए उत्तरदायी है।

60,000 रुपये देने के आदेश

उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने रेलवे को यात्री को मुआवजे के रूप में 50,000 रुपये तथा वाद खर्च के रूप में 10,000 रुपये देने का आदेश दिया।

बंगाल में दुखद सड़क हादसा ट्रक और पिकअप की टक्कर में 6 की मौत, कई घायल

कोलकाता, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में एक दुखद सड़क हादसे में, छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए, जब सीमेंट की बोरियां ले जा रहा एक ट्रक फूलों की बोरियां इकट्ठा कर रही एक पिकअप वैन से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन पास के पानी में जा गिरी। पीड़ित फूल उत्पादकों का एक समूह था, जो अपने फूलों को बाजार में ले जाने की प्रक्रिया में थे। यह घटना पश्चिम मिदनापुर के खड़गपुर के बुरामाला इलाके में हुई। पुलिस का कहना है कि तीन फूल उत्पादकों की घटनास्थल पर ही जान चली गई और तीन अन्य ने बाद में दम तोड़ दिया। कई अन्य व्यक्तियों को चोटें आईं, जिनमें से कुछ को खड़गपुर उप-जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य को मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया है।

महाराष्ट्र : ठाणे में महिला का शव बरामद

ठाणे, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के अंबरनाथ तालुक में मलंग किले के नीचे एक महिला का शव बरामद किया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। हिल लाइन पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि महिला की गर्दन पर गला घोंटने का निशान था। शव शाम करीब छह बजे झाड़ियों में एक नाले के पास मिला। उन्होंने कहा, 'कुछ राहगीरों ने शव को देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी। मृतक महिला की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। महिला की उम्र 25 से 30 वर्ष के आसपास है।' अधिकारी ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

पंजाब पुलिस को मिली बड़ी सफलता, आतंकी मॉड्यूल का किया भंडाफोड़, बब्बर खालसा के 4 सदस्य गिरफ्तार

चंडीगढ, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने खालिस्तान समर्थक प्रतिबंधित समूह 'बब्बर खालसा इंटरनेशनल' के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके एक आतंकी मॉड्यूल का भी भंडाफोड़ किया है। बताया जा रहा है कि इन आतंकियों को पंजाब में माहौल बिगाड़ने के लिए भेजा गया था। पुलिस को जानकारी मिली थी कि लॉ एंड ऑर्डर बिगाड़ने के लिए इन्हें कुछ लोगों की टारगेट किलिंग का टास्क दिया गया था। यहीं नहीं इन आतंकियों का कनेक्शन सीधे पाकिस्तान से जुड़ा है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि आतंकी मॉड्यूल के आकाओं ने उसके सदस्यों को लोगों की टारगेट किलिंग करने का काम सौंपा था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गिरफ्तार संदिग्धों के पास से छह पिस्तौल और 275 कारतूस भी बरामद किए हैं। गौरव यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, एक बड़ी सफलता में एसएएस नगर पुलिस ने एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर 'बब्बर खालसा इंटरनेशनल' (बीकेआई) संगठन के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। बीकेआई मॉड्यूल के सदस्यों को टारगेट किलिंग का काम सौंपा गया था। उन्होंने कहा कि मॉड्यूल को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर रिंदा का समर्थन हासिल था, जो उसे देश की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) की मदद से सहायता प्रदान कर रहा था। यादव ने कहा, पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने बताया कि ये आतंकी सीधे तौर पर पाकिस्तान में बैठे आतंकवादी हरविंदर रिंदा के कॉन्टैक्ट में थे और वह इनकी पूरी मदद कर रहा था। हरविंदर रिंदा आईएसआई की मदद से इन्हें हथियार और आर्थिक मदद भेज रहा था। इन्हें पाकिस्तान से ड्रोन की मदद से हथियार और आर्थिक मदद भेजी गई थी।

बब्बर खालसा के सदस्यों के छिपे होने की मिली थी जानकारी

पुलिस को इंटेलीजेंस से इस बात की सूचना मिली थी कि पंजाब में बब्बर खालसा इंटरनेशनल गिरोह के कुछ सदस्य छिपे हैं। पुलिस ने जब जांच की तो पता चला कि यहां पर 4 आतंकी छिपे हुए हैं। पुलिस ने तुरंत धरपकड़ ऑपरेशन चलाया और चारों आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इन आतंकियों से 6 पिस्तौल और 275 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

21 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, कारणों का पता लगाने में जुटी पुलिस

शहडोल, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहडोल के सोहागपुर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां 21 वर्षीय युवक ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिश के अनुसार युवक किसी बात को लेकर मानसिक तनाव में रहता था। जिसकी वजह से अब उसने फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया। जानकारी के अनुसार ऊपर टोला कुदरी रोड थाना सोहागपुर का रहने बाला सुभाष बैगा पिता राम लाल बैगा ने अपने घर में कमरे के अन्दर साड़ी से फांसी लगा ली है। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। मृतक की बहन किसी काम से जब कमरे के अंदर दाखिल हुई थी, तो उसने सुभाष को फंदे पर झूलता हुआ देखा। जिसके बाद उसने शोर मचाना शुरू कर दिया।

केरल की एक रैली में वर्चुअली शामिल हुआ हमास नेता खालिद

लोगों को किया संबोधित; प्रदेश सरकार पर हमलावर हुई भाजपा

तिरुवनंतपुरम, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच संघर्ष शुरू हुए तीन सप्ताह से अधिक हो गए हैं। वहीं, हमास के हमले के जवाब में इजरायल लगातार उसके ठिकानों पर हवाई हमला कर रहा है। इधर, भारत में भी इजरायल के समर्थन और विरोध में लोग खड़े हो गए हैं। हाल ही में केरल के मलप्पुरम से एक विवादित मामला सामने आया है, जिसमें फलस्तीन बचाओ के नाम पर आतंकी संगठन हमास के एक नेता ने वहां के लोगों को वर्चुअल रूप से संबोधित किया। वहीं, भाजपा ने अब इस मामले में कार्रवाई की मांग की है। हमास नेता खालिद मशेल के संबोधन के बाद भाजपा राज्य सरकार पर हमलावर हो गई है। केरल भाजपा के अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने इस मामले को लेकर राज्य की पिनाराई विजयन सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इस मामले को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए सवाल किया कि पिनाराई विजयन की केरल पुलिस कहां है। उन्होंने कहा कि फलस्तीन बचाओ के नाम पर आतंकी संगठन हमास और उसके नेताओं को एक योद्धा के रूप में महिमामंडित किया जा रहा है, जो किसी भी तरह से स्वीकार नहीं है। मलप्पुरम में आयोजित हुए एक कार्यक्रम में हमास नेता खालिद मशेल का वर्चुअली संबोधन चिंताजनक है। कहां है पिनाराई विजयन की केरल पुलिस? फलस्तीन बचाओ की आड़ में वे एक आतंकवादी संगठन हमास और उसके नेताओं को योद्धा के रूप में महिमामंडित कर रहे हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 220 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **कार्तिक कृ.1 2080 रविवार, 29 अक्टूबर-2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ :** 16+32 **मूल्य :** 8 रुपये

पीएम ने रोजगार मेले में 51 हजार जॉइनिंग लेटर बांटे

कहा- नौकरी पाने वाले परिवारों के लिए यह दिवाली से कम नहीं

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 10वें रोजगार मेले के तहत 51 हजार युवाओं को जॉइनिंग लेटर बांटे। ये युवा पिछले कुछ दिनों में केंद्र सरकार के अलग-अलग विभागों में भर्ती हुए हैं। पीएम मोदी दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए।

इस मौके पर पीएम ने कहा, दिवाली में अभी कुछ ही वक्त बाकी है, लेकिन नियुक्ति पत्र पाने वाले 50 हजार युवाओं के परिवार के लिए यह मौका दिवाली से जरा भी कम नहीं है, आपने कड़ी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। इसके लिए आप सभी नौजवान साथी और विशेष कर हमारी बेटियां बधाई की पात्र हैं। आपके परिवार को मेरी तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएं। अलग-अलग राज्यों में सरकारी नौकरी पाने वाले युवा इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

पीएम बोले, भाजपा की केंद्र सरकार ने नए सेक्टर्स में नौकरी के मौके बढ़ाए :

पीएम ने इस मौके पर कहा कि उनकी सरकार और भाजपा शासित प्रदेश पिछले साल अक्टूबर से ही रोजगार मेले का आयोजन कर रहे हैं। इन मेलों में लाखों की संख्या में युवाओं को अपॉइंटमेंट लेटर मिला है। उन्होंने कहा कि रोजगार मेला युवाओं के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है। उनकी सरकार ने पारंपरिक सेक्टर्स के साथ रिनुएबल एनर्जी, डिफेंस इंडस्ट्री और ऑटोमेशन जैसे नए सेक्टर्स में नौकरी पाने के मौके बढ़ाए हैं। पीएम ने कहा कि आज का भारत अपने युवाओं को स्किल और एजुकेशन से लैस कर रहा है ताकि नई मौकों का लाभ उठाया जा सके। भारत के विकास की दिशा और गति की वजह से सभी सेक्टर्स में नौकरियों के नई मौके पैदा हो रहे हैं।

10 महीने में 5 लाख लोगों को जॉइनिंग लेटर मिले :

22 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। तब पीएम ने कहा था, हमारा लक्ष्य देश के युवाओं को 2023 के अंत तक 10 लाख सरकारी नौकरियां देना है। पीएम ने पिछले 11 महीनों में आयोजित 10 रोजगार मेलों में करीब 6 लाख से ज्यादा युवाओं को जॉइनिंग लेटर दिए हैं।

ये रोजगार मेला देश की 37 लोकेशन पर आयोजित किया जाएगा। केंद्र सरकार के अलग-अलग डिपार्टमेंट्स में भर्तियां हो रही हैं। इसके अलावा राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश भी इस अभियान में साथ दे रहे हैं। नए भर्ती हुए कई मंत्रालय और विभाग जॉइन करेंगे। इनमें युवा रेल मंत्रालय, पोस्टल विभाग, गृह मंत्रालय, रेवेन्यू विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग शामिल हैं।

खड़गे बोले, चुनाव के दौरान पहले कभी छापे नहीं पड़े

भाजपा जो कर रही है, वह ठीक नहीं, एक दिन उन्हें भी झेलना पड़ेगा

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार 28 अक्टूबर को विपक्षी पार्टियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

खड़गे ने न्यूज एजेंसी से कहा, हम 50 सालों से राजनीति में हैं। इससे पहले चुनाव के दौरान ईडी के छापे कभी नहीं पड़े। भाजपा कांग्रेस के नेताओं को डराना-झुकाना चाहती है। हम डरेंगे नहीं, बल्कि मुकाबला करेंगे। भाजपा हमेशा ऐसा करती है। वो जो कर रहे हैं, वह ठीक नहीं है। एक दिन भाजपा को भी झेलना पड़ेगा।

पीएम मोदी को मिले तोहफों की नीलामी

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिले तोहफों की नीलामी की जा रही है। पीएम को मिले 912 गिफ्ट्स के ई-ऑक्शन में लोग बढ़चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। ई-ऑक्शन 31 अक्टूबर तक चलेगा, जिसकी शुरूआत 2 अक्टूबर को हुई थी यानी 31 अक्टूबर तक सबसे ज्यादा कीमत की बोली लगाने वालों को यह तोहफे मिल सकेंगे। नीलामी में मिले पैसे नमामि गंगे प्रोजेक्ट में लगाए जाएंगे। यह नीलामी डिजिटल माध्यम से हो रही है, लेकिन दिल्ली के नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट में कुछ तोहफों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है, जिसे देखने के लिए भी लोग पहुंच रहे हैं। इस नीलामी की खास बात यह है कि यहां सस्ते और महंगे दोनों तरह के गिफ्ट शामिल किए गए हैं। सबसे सस्ता तोहफा 100 रुपये का है, जो पश्चिम बंगाल में कालीघाट टेंपल के गर्भ गृह का डिजिटल प्रिंट है।

महुआ मोइत्रा 2 नवंबर को पेश हों

एथिक्स कमेटी का अल्टीमेटम, टीएमसी सांसद ने माना हीरानंदानी को दिया था संसद का लॉगइन-पासवर्ड

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। संसद में सवाल के बदले पैसे (कैश फॉर क्वेरी) मामले में फंसी टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को एथिक्स कमेटी ने पेश होने के लिए तारीख दे दी है। शनिवार 28 अक्टूबर को एथिक्स कमेटी ने महुआ को 2 नवंबर को ही पेश होने को कहा है। कमेटी ने ये भी कहा कि इस तारीख में कोई बदलाव नहीं होगा। महुआ ने शुक्रवार 27 अक्टूबर को एथिक्स कमेटी को लिखा था कि वे 5 नवंबर के बाद ही मौजूद हो पाएंगी। इससे पहले कमेटी ने महुआ को 31 अक्टूबर को पेश होने को कहा था।

इधर, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने स्वीकार किया है कि उन्होंने अपने मित्र और बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी को संसद का अपना लॉगइन पासवर्ड दिया था। हालांकि, उन्होंने इस बात से इनकार किया कि उन्होंने इसके बदले में कैश या महंगे गिफ्ट लिए। तृणमूल कांग्रेस की सांसद ने कहा, उन्होंने बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी से सिर्फ एक स्कार्फ, लिपस्टिक और आईशैडो

लिया था, वो भी एक फ्रेंड के तौर पर। इसके साथ ही अपने बंगले के रेनोवेशन के लिए उन्होंने हीरानंदानी से मदद मांगी थी।

इंटरव्यू में मोइत्रा ने कहा, कोई भी सांसद अपना सवाल खुद टाइप नहीं करता। मैंने दर्शन हीरानंदानी को पासवर्ड और लॉग-इन दिया था ताकि उनके दफ्तर में कोई कर्मचारी सवाल टाइप कर के अपलोड कर दे। महुआ ने कहा, सवाल अपलोड करते समय फोन पर एक ओटीपी आता है। इसके लिए मेरा फोन नंबर दिया गया है। ऐसे में ये सवाल नहीं उठता कि दर्शन या फिर कोई और मेरी जानकारी के बिना सवाल अपलोड कर सकते थे।

सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहाद्राई के आरोपों का जिक्र करते हुए मोइत्रा ने कहा, मेरी देहाद्राई के साथ पालतू डॉग की कस्टडी को लेकर लड़ाई है। सोचिए यह कितना हास्यास्पद है। टीएमसी सांसद ने आगे कहा, मेरे ऊपर आरोप लगा कि मैं महंगे जूते पहनती हूं। आपको पता होना चाहिए, मैं एक बैंकर थी। मेरे पास 35 जोड़ी फेरागामो जूते हैं। मैं फेरागामो तब से पहन रही हूं जब जय देहाद्राई को यह पता नहीं था कि इसकी स्पेलिंग क्या है। उन्होंने देहाद्राई की शिकायत को पूरी तरह से फर्जी बताया और कहा, आपने निजी रिश्ते में नाकाम रहे एक व्यक्ति का इस्तेमाल एक फर्जी शिकायत दर्ज कराने में किया।

संसद में सवाल पूछने के बदले हीरानंदानी से गिफ्ट लेने के आरोपों पर मोइत्रा ने कहा, दर्शन ने बतौर करीबी मित्र के तौर पर चार साल पहले बर्थडे पर मुझे एक स्कार्फ गिफ्ट किया था। इसके अलावा मैंने उनसे बॉबी ब्राउन मेकअप सेट मांगा था लेकिन उन्होंने मुझे एक मैक आईशैडो और लिपस्टिक दिया था।

>14

मोदी ने कहा था, कृषि मंत्री रहते कुछ नहीं किया

शरद पवार बोले, प्रधानमंत्री को कद का ध्यान रखना चाहिए, एमएसपी मेरे कार्यकाल में ही बढ़ी

मुंबई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) सुप्रीमो शरद पवार ने शनिवार को कहा कि पीएम को अपने संवैधानिक कद को ध्यान में रखकर बयान देना चाहिए। शरद ने यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस तंज के बाद मीडिया से कही, जिसमें उन्हें शरद के बतौर कृषि मंत्री, किसानों के लिए किए गए कामों को लेकर सवाल उठाए थे।

दरअसल पिछले दिनों शिर्डी गए पीएम मोदी ने कहा था कि महाराष्ट्र के नेता जो देश के कृषि मंत्री भी थे, उन्होंने किसानों के लिए क्या किया? वे किसानों की वकालत के बहाने राजनीतिक चालबाजी में लगे थे। शरद पवार ने यह भी दावा किया कि आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद सत्ता खोने के डर ने पीएम को ऐसा कमेंट करने के लिए प्रेरित किया होगा। गौरतलब है कि साल 2004 से लेकर 2014 तक, जब केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार थी। तब पवार कृषि मंत्री थे।

शरद पवार ने मीडिया से कही ये बातें...

मुझे नहीं पता कि उन्होंने मुझे क्यों निशाना बनाया। लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने जो भी कहा, वो इसलिए क्योंकि उन्हें सही तरीके से जानकारी नहीं दी गई थी।

उन्होंने जो भी बयान दिया है, मैं उनके पद के महत्व और गरिमा को ध्यान में रखते हुए उस पर जवाब दूंगा। वे साईं बाबा के दर्शन करने गए थे, वहां शरद पवार के

दर्शन करने की क्या जरूरत थी।

देश में कई राज्य हैं जहां भाजपा की सत्ता नहीं। कुछ में वे तोड़फोड़ के बाद सत्ता में आए। और जहां हैं भी, तो कमजोर स्थिति में हैं। सत्ता खोने के डर ने ही उन्हें ऐसे बयान देने के लिए मजबूर किया।

मेरे कार्यकाल के दौरान ही न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) न केवल तेजी से बढ़ा, बल्कि उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण मिशन भी लॉन्च किए, जिसके कारण फसल उत्पादन में वृद्धि हुई।

पुरुषों के लिए धोती-कुर्ता महिलाओं के लिए साड़ी

काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं के लिए 'ड्रेस कोड' पर विचार

वाराणसी, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास यहां स्थित मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक 'ड्रेस कोड' (परिधान) लागू करने पर विचार कर रहा है। इसके लिए मंदिर न्यास की आगामी दिनों में होने वाली बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अध्यक्ष प्रोफेसर नागेंद्र पांडेय ने शनिवार को कहा कि न्यास की आगामी बैठक में मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक परिधान (ड्रेस) निर्धारित करने पर प्रस्ताव रखा जाएगा। हालांकि, उन्होंने बैठक की तारीख नहीं बताई, सिर्फ इतना कहा कि बैठक नवंबर माह में होगी।

पांडेय ने कहा कि फिलहाल विश्वनाथ धाम आने वाले दर्शनार्थी शालीन और मर्यादित वस्त्र धारण करके आयें।

>14

इजरायल-फिलस्तीन मुद्दे पर यूएनजीए में भारत ने अपना रुख साफ किया

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल-फिलस्तीन मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के विशेष अधिवेशन में भारत का रुख उसकी अब तक की नीतियों के अनुरूप ही है। सूत्रों का कहना है कि भारत ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया क्योंकि प्रस्ताव की भाषा भारत की नीति के हिसाब से मेल नहीं खा रही थी। इसमें सात अक्टूबर के आतंकी हमले की निंदा भी नहीं की गई थी।

विदेश मंत्रालय की तरफ से भारत की स्थिति साफ की गई है। इसमें बताया गया है कि सात अक्टूबर के हमले की निंदा भी की गई है और नागरिकों की जान जाने पर चिंता भी जताई गई है। मुख्य प्रस्ताव पर वोट से पहले उसमें निंदा जोड़ने का प्रस्ताव लाया गया जिसके पक्ष में भारत ने वोट किया हालांकि संशोधन प्रस्ताव को दो तिहाई वोट नहीं मिला और वह पास नहीं हो सका। वोटिंग से पहले भारत की तरफ से जो बयान दिया गया उसमें साफ तौर पर कहा गया है कि सात अक्टूबर के आतंकवादी हमले की निंदा होनी चाहिए। बंधकों के लिए भारत चिंतित है और वह बंधकों की तुरंत रिहाई की मांग करता है।

मराठा आरक्षण की मांग, 9 दिन में 11 सुसाइड

महाराष्ट्र सरकार की कमेटी 24 दिसंबर को रिपोर्ट देगी, मराठा नेता बोले- आरक्षण के विरोध में सरकार

मुंबई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर 2 और लोगों ने खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बताया कि बीड़ जिले के शत्रुघ्न काशिद और उस्मानाबाद जिले के बलिराम देवीदास साबले ने आत्महत्या की है। राज्य में पिछले 9 दिनों में अब तक 11 लोग अपनी जाने दे चुके हैं।

मराठा आरक्षण के नेता मनोज जारांगे ने बताया कि राज्य सरकार आरक्षण के विरोध में हैं। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग लंबे समय से की जा रही है। शिंदे सरकार ने 7 सितंबर को मराठा आरक्षण पर एक कमेटी बनाई, जिसे रिटायर्ड जज संदीप शिंदे लीड कर रहे हैं। कमेटी को रिपोर्ट जमा करने की डेडलाइन बढ़ाकर 24 दिसंबर कर दिया है।

सुसाइड से पहले मराठा आरक्षण के समर्थन में नारे लगाए :

बीड़ जिले के अंबाजोगई तहसील के रहने वाले 27 साल के शत्रुघ्न काशिद शुक्रवार को रात करीब साढ़े 11 बजे पानी की टंकी पर चढ़ गए। उन्होंने दो घंटे तक मनोज जारांगे और आरक्षण के समर्थन में नारे लगाए। वो सुसाइड करने जा रहा था। लोगों की सूचना पर जारांगे ने काशिद से बातचीत भी की। पुलिस ने भी उसे मनाने की कोशिश की।

कुछ देर बाद काशिद ने पानी की टंकी से कुदकर अपनी जान दे दी। इसके बाद सुबह लोगों ने काशिद का शव शिवाजी की प्रतिमा के पास रखकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। 5 मराठा गांवों और बारामती मराठा क्रांति मोर्चा ने भूख हड़ताल शुरू की और कहा कि नेता यहां न आएं।

आरक्षण नहीं मिलने से बेहतर है कि हम आत्महत्या कर लें :

खुदकुशी का दूसरा मामला उस्मानाबाद जिले के परांडा तहसील के डोमगांव का है। पेशे से किसान 47 साल के बलिराम देवीदास साबले ने शुक्रवार को अपने खेत में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिवार के मुताबिक, साबले शुक्रवार को सुबह अपने भतीजे के साथ मराठा आरक्षण पर बातचीत कर रहे थे।

सोशल मीडिया पर अश्लील पोस्ट लाइक करना अपराध है या नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने की अहम टिप्पणी

प्रयागराज, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया से जुड़े मामले में अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि सोशल मीडिया पर किसी 'अश्लील' पोस्ट को लाइक करना कोई अपराध नहीं है, लेकिन ऐसी सामग्री को साझा करने या दोबारा पोस्ट करने पर कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। अदालत ने अपने फैसले में बताया कि इस तरह की पोस्ट साझा करना सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 67 के अनुसार 'ट्रांसमिशन' की श्रेणी में आता है और दंड के अधीन होगा। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने ये टिप्पणी तब की जब उन्होंने आगरा के मोहम्मद इमरान काजी के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को खारिज कर दिया, जिस पर गैरकानूनी सभा से संबंधित पोस्ट को लाइक करने के लिए आईटी अधिनियम की धारा 67 और भारतीय दंड संहिता की अन्य धाराओं के तहत आरोप लगाया गया था।

कोर्ट ने और क्या कहा?

उन्होंने कहा, हमें ऐसी कोई सामग्री नहीं मिली जो आवेदक को किसी आपत्तिजनक पोस्ट से जोड़ सके क्योंकि आवेदक के फेसबुक और व्हाट्सएप अकाउंट में कोई आपत्तिजनक पोस्ट उपलब्ध नहीं है। इसलिए, आवेदक के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता है।

धारा 67 आईटी अधिनियम लागू नहीं होगा

न्यायमूर्ति देशवाल ने स्पष्ट किया, "यह आरोप लगाया गया है कि केस डायरी में ऐसी सामग्री है जो दर्शाती है कि आवेदक ने गैरकानूनी सभा के लिए फरहान उस्मान की पोस्ट को लाइक किया है। लेकिन किसी पोस्ट को लाइक करने का मतलब पोस्ट को प्रकाशित या प्रसारित करना नहीं होगा इसलिए, केवल किसी पोस्ट को लाइक करने पर धारा 67 आईटी अधिनियम लागू नहीं होगा।"अदालत ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि आईटी अधिनियम की धारा 67 अश्लील सामग्री से संबंधित है, न कि उत्तेजक सामग्री से। काज़मी को सोशल मीडिया पर उत्तेजक संदेशों को लाइक करने के लिए एक आपराधिक मामले का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप मुस्लिम समुदाय के लगभग 600-700 लोगों ने बिना अनुमति के जुलूस निकाला। आगरा में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) ने आरोप पत्र पर ध्यान दिया और 30 जून को उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

शादी के बाद भी प्रेमी से मिलती थी महिला, रोड़ा बन रहे पति को उतारा मौत के घाट

जमुई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के जमुई जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आ रही है यहाँ ई-रिक्शा चालक की पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति के क़त्ल का षड्यंत्र रचा। तत्पश्चात, डेढ़ लाख रुपये में शूटर हायर गोली मरवा दी। लोगों ने जब ई-रिक्शा चालक को चोटिल अवस्था में देखा तो तत्काल हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने पटना रेफर कर दिया। फिलहाल पुलिस ने ई-रिक्शा चालक की पत्नी के साथ ही उसके प्रेमी तथा अन्य अपराधियों को पकड़ लिया है। मामले की तहकीकात की जा रही है। प्राप्त खबर के मुताबिक, पिछले 24 अक्टूबर को जाजल मोड़ के पास सिकंदरा निवासी ई-रिक्शा चालक राजा कुमार को अपराधियों ने तीन गोलियां मारी थीं। घटना के पश्चात गंभीर अवस्था में चोटिल ई-रिक्शा चालक को जमुई सदर चिकित्सालय पहुंचाया गया था,

सबसे भ्रष्ट' साबित हुई है भाजपा सरकार

शिवपाल सिंह यादव का आरोप

बाराबंकी, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महामंत्री शिवपाल सिंह यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखे आरोप लगाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार खत्म करने का वादा करके राज्य की सत्ता में आई भाजपा सरकार "सबसे भ्रष्ट" साबित हुई है। शाम को त्रिवेदीगंज ब्लॉक के साह मनोधरपुर गांव में एक निजी स्कूल के भूमि पूजन और शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए सपा महासचिव यादव ने कहा "लगभग सात साल पहले भाजपा भ्रष्टाचार खत्म करने का दावा करके सत्ता में आई थी, लेकिन यह सबसे भ्रष्ट सरकार है।" उन्होंने कहा कि "जब हमारी (समाजवादी पार्टी की) सरकार थी तब एक कार्यकर्ता भी काम करा लेता था, लेकिन भाजपा के एमपी-एमएलए से सिफारिश कराओ तो कमीशन मांगते हैं।" यादव ने आरोप लगाया कि "यदि भारतीय जनता पार्टी के एमएलए-एमपी से शिकायत करो, तो उन्हें भी पैसे चाहिए। फिर दरोगा से थाने में या तहसील में सिफारिश की तो वहां बैठा अधिकारी बोलता है कि पहले तो कम में काम हो जाता था, लेकिन आज उत्तर प्रदेश में हालत ये हैं कि विधायक और सांसद को भी उसमें से कमीशन चाहिए।" उन्होंने कहा कि थाने या तहसील में कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यादव ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार किसी भी क्षेत्र में विकास नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, "पूरा देश नौकरशाही के हाथ में है।" अपने बेटे के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में दोषी ठहराकर जेल भेजे गए पार्टी नेता आजम खान पर यादव ने कहा, 'उनके खिलाफ साजिश रची गई है। एक दिन उन्हें न्याय जरूर मिलेगा।' यादव ने कहा कि भाजपा विपक्ष को खत्म करना चाहती है और विपक्षी नेताओं को झूठे मामलों में फंसा रही है और उन्हें जेल भेज रही है और उन्हें परेशान कर रही है। उन्होंने भाजपा नेताओं पर "पिछड़े वर्ग के लोगों और विशेष रूप से मुसलमानों पर अत्याचार करने" का आरोप लगाया। मध्य प्रदेश में सपा और कांग्रेस के बीच विवाद पर उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन भाजपा को सत्ता से हटाने का काम करेगा।

अशरफ की पत्नी को इलाहाबाद एचसी से झटका! कोर्ट ने जैनब की इस याचिका को किया खारिज

प्रयागराज, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने मारे गए गैंगस्टर अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा की उस याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया, जिसमें उसने उमेश पाल हत्याकांड में अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। अशरफ और उसके भाई अतीक अहमद की अप्रैल में तीन लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। न्यायमूर्ति वीके बिरला और न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने फातिमा को कोई राहत देने से इनकार कर दिया, जिसने हत्या के मामले के संबंध में दर्ज प्राथमिकी को चुनौती देते हुए अदालत के समक्ष एक रिट याचिका दायर की थी। मालूम हो कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) विधायक राजू पाल की हत्या के मामले में मुख्य गवाह उमेश पाल और उनके दो पुलिस सुरक्षा गार्ड की 24 फरवरी को प्रयागराज में उनके धूमनगंज आवास के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अपनी याचिका में जैनब फातिमा ने अदालत से मामले में उसकी गिरफ्तारी पर रोक लगाने और प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया था। गौरतलब है कि फातिमा उमेश पाल हत्याकांड में वांछित है क्योंकि उसने शूटर को शहर से भागने में कथित तौर पर मदद की थी।

नाबालिग लड़का रहना चाहता था लिव-इन में

कोर्ट ने कहा- अपनी प्रेमिका का देखभाल कैसे करेगा?

प्रयागराज, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़के को बालिग लड़की के साथ लिव-इन में रहने की इजाजत नहीं दी। कोर्ट ने ये तर्क देते हुए लिव इन रिलेशनशिप की इजाजत देने इंकार कर दिया है कि जो लड़का खुद अपने पिता पर निर्भर है वह कैसे अपनी प्रेमिका की देखभाल कर सकता है। यह आदेश न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी और न्यायमूर्ति एमएएच इदरीसी की खंडपीठ ने आंचल राजभर और उसके नाबालिग प्रेमी की याचिका पर दिया है।

प्रेमिका के पिता ने दर्ज कराया था अपहरण का केस

प्रेमिका के पिता ने गाजीपुर के बहरिया थाने में नाबालिग प्रेमी के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कराया था। इसकी वैधता को यह कहते हुए चुनौती दी गई कि प्रेमिका और नाबालिग प्रेमी दोनों रिलेशनशिप में रहना चाहते हैं, इसलिए प्राथमिकी रद्द की जाए। जिस पर कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 226 की अंतर्निहित शक्तियों का प्रयोग कर प्राथमिकी रद्द करने का प्रश्न ही नहीं उठता। कोर्ट ने मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को लिव इन रिलेशनशिप में रहने की इजाजत देने से भी मना कर दिया है।

कोर्ट से लिव इन में रहने देने की मांग की

याचिकाकर्ताओं की तरफ से दलील दी गई कि दोनों काफी समय से अपनी मर्जी से साथ रह रहे हैं। इसलिए नाबालिग प्रेमी के खिलाफ एफआईआर रद्द की जानी चाहिए। दोनों याची एक-दूसरे के साथ खुश हैं। अपनी जिंदगी साथ जीना चाहते हैं। उन्हें साथ रहने की इजाजत और सुरक्षा भी दी जानी चाहिए। कोर्ट ने याचियों द्वारा दाखिल दस्तावेजों में पाया कि प्रेमिका बालिग है लेकिन प्रेमी नाबालिग है। आश्चर्य जाहिर करते हुए कोर्ट ने कहा कि एक नाबालिग प्रेमी अपनी प्रेमिका की जिम्मेदारी कैसे निभा सकता है जो खुद पिता के सहारे जिंदगी जी रहा है। कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए एफआईआर रद्द करने और याचियों को लिव इन रिलेशनशिप में रहने की इजाजत देने से इनकार कर दिया।

नालंदा में बाइक सवार बदमाशों ने जेडीयू एमएलए की गाड़ी को रोक कर तान दी पिस्टल

पुलिस विभाग में हड़कंप

नालंदा, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमारके गृह जिले के हिलसा विधानसभा क्षेत्र से जेडीयू विधायक कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया की गाड़ी को रोक कर दो बाइक सवार बदमाशों ने पिस्टल तान दी। यह पूरी घटना शुक्रवार की शाम की है। बताया जा रहा है कि विधायक अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान बदमाशों ने ओवरटेक कर जेडीयू विधायक की गाड़ी को रोक दी। छह की संख्या में बदमाश थे। वहीं, बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 31 अक्टूबर को नालंदा दौरे पर हिलसा आएंगे, जहां पटेल कॉलेज में आयोजित कार्यकम में शामिल होंगे। इसको लेकर विधायक कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर वापस लौट रहे थे। जेडीयू विधायक कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया ने बताया कि शुक्रवार की शाम हिलसा के पटेल कॉलेज गए हुए थे। पटेल कॉलेज के वो सेक्रेट्री भी हैं। मुख्यमंत्री 31 तारीख को पटेल कॉलेज आ रहे हैं, इसी कार्यक्रम को लेकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने संध्या में गया था। लौटने के क्रम में पटेल कॉलेज के पास मोड़ पर दो बाइक सवार छह की संख्या में बदमाशों ने गाड़ी को रोका और फिर गली गलौज करने लगे। इसके बाद पिस्टल दिखाया, जब मेरा गार्ड नीचे उतरने की कोशिश की तो बाइक सवार बदमाश भागने लगे। मैंने उसका पीछा किया फिर त्रिलोक बिगहा गांव के पास से एक बदमाश को पकड़ लिया। बदमाश इतने बेखौफ थे कि हथियार लहराते हुए भाग रहे थे। मैंने हिलसा डीएसपी को फोन कर घटना की जानकारी दी फिर पुलिस एक्शन में आई थी। हिलसा डीएसपी सुमित कुमार ने फोन पर बताया कि इस मामले में विधायक के द्वारा एक आवेदन दिया गया है। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। फिलहाल इस मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है। डीएसपी ने बताया कि बदमाश शराब के नशे थे। मामला जो भी हो गहन तरीके से जांच चल रही है। जल्द ही और बदमाशों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

यूट्यूबर 'पुलिस वाले' पर हुआ केस दर्ज, वर्दी पहनकर वीडियो बनाता है अब्दुल्ला पठान

मुरादाबाद, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के थाना कुंदरकी में एक यूट्यूबर अब्दुल्ला पठान का वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अब्दुल्ला पठान इलाके की गली में पुलिस की वर्दी पहनकर रौब दिखाते हुए इंस्पेक्टर बनकर घूमता है। यूट्यूब पर उसने ये वीडियो भी अपलोड कर दी है। जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई और पुलिस के पास पहुंची तो तुरन्त अब्दुल्ला पठान पर कुंदरकी थाना में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दरअसल, मुरादाबाद के कुंदरकी में हकीमी दवाखाना

चलाने वाला अब्दुल्ला पठान एक यूट्यूबर है। आए दिन वह कोई न कोई वीडियो अपलोड करता रहता है। बॉडी बिल्डिंग से लेकर अपनी दवाखाने की वीडियो वह पोस्ट करते हैं। पठान के यूट्यूब पर 1 मिलियन से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं। ऐसे ही उसका एक वीडियो पुलिस की वर्दी में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस वर्दी में होते हुए अबदुल्ला अपनी ताकत दिखा रहा है और नारियल अपने हाथों से तोड़ रहा है। साथ ही साथ बाउंसरों के साथ पुलिस की वर्दी में रौब दिखाते हुए वीडियो बना रहा है। अब्दुल्ला पठान की वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने संज्ञान लिया और थाना कुंदरकी में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया और आगे की कार्रवाई की जा रही है। एसपी देहात संदीप कुमार मीणा ने बताया कि कुंदरकी थाने के व्यक्ति का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह पुलिस की वर्दी में वीडियो बनाते हुए दिखाई दे रहा है।

'आजादी की लड़ाई खत्म करने की हो रही साजिश'

बिना नाम लिए भाजपा पर बरसे नीतीश कुमार

सहरसा, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। सहरसा के पंचगछिया पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि कुछ लोगों द्वारा देश की आजादी की लड़ाई को धीरे-धीरे खत्म करने की साजिश की जा रही है। हम देश की आजादी के इतिहास को भूलने नहीं देंगे। मुख्यमंत्री यहां कोसी के गांधी स्व। रामबहादुर सिंह और स्वतंत्रता सेनानी पद्मानंद सिंह ब्रह्मचारी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान श्रद्धांजलि सह आभार सभा में उन्होंने करीब 20 वर्ष बाद पूर्व सांसद आनंद मोहन के साथ मंच साझा किया।

आनंद मोहन से पहले मेरी अच्छी दोस्ती थी: नीतीश कुमार

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे आनंद मोहन के कहने पर यहां आए हैं। पहले इनसे (आनंद मोहन) मेरा रिश्ता था, अच्छी दोस्ती थी। उन्होंने स्व। रामबहादुर सिंह के कृतित्व का बखान करते हुए कहा कि वे 1919 में स्वामी सहजानंद सरस्वती के संपर्क में आए और रॉलेट एक्ट का विरोध किया तो जेल जाना पड़ा। बाद में कोसी सेवक दल का गठन किया। खादी ग्रामोद्योग की स्थापना की। देश की आजादी में महात्मा गांधी के साथ इनलोगों ने काफी बड़ी भूमिका निभाई थी। 49 वर्ष की आयु में मृत्यु के बाद पुत्र पद्मानंद सिंह ने देश की आजादी में अपना योगदान दिया।

आनंद मोहन और हम 1995 तक साथ थे: नीतीश कुमार

मुख्यमंत्री ने आनंद मोहन और लवली आनंद की चर्चा करते हुए कहा कि हमलोग 1995 तक साथ थे। बाद में अलग हुए। आनंद मोहन को जो राजनीति करनी है करें, जो मन करे करिए। समस्या आएगी तो सहयोग करते रहेंगे। सभा को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, पूर्व सांसद आनंद मोहन, पूर्व सांसद लवली आनंद, विधायक चेतन आनंद आदि ने संबोधित किया। सहरसा में प्रतिमा अनावरण के दौरान मौजूद सीएम नीतीश कुमार, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह, पूर्व सांसद आनंद मोहन और लवली आनंद।

बाल संप्रेक्षण गृह में मोबाइल फोन चलाते मिले अपचारी निरीक्षण लापरवाही उजागर

गोरखपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाल संप्रेक्षण गृह में 25 मोबाइल फोन की बरामदगी ने यहां सतर्कता और निगरानी की पोल खोल कर रख दी। जिला जज तेज प्रताप तिवारी सहित पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों के आगे लापरवाही उजागर होने पर बाल संप्रेक्षण गृह के अधीक्षक बगलें झांकने लगे। जिला जज ने व्यवस्था के प्रति असंतोष व्यक्त करते हुए जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। दोपहर लगभग तीन बजे जिला जज तेज प्रताप तिवारी, सीजेएम त्वीशी श्रीवास्तव, एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई व एडीएम सिटी विनीत सिंह के साथ सूर्यकुंड स्थित बाल संप्रेक्षण गृह पहुंचे।

पशु तस्करों की पुलिस से मुठभेड़, फायरिंग में एक सिपाही और बदमाश घायल

बरेली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाफिजगंज में बाइक सवार पशु तस्करों ने चेकिंग कर रही पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक बदमाश के पैर में गोली मारकर दोनों बदमाशों को दबोच लिया। इस दौरान गोली लगने से एक सिपाही भी घायल हो गया। नवाबगंज सीएचसी से दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। एसपी ग्रामीण मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि हाफिजगंज पुलिस शनिवार तड़के चार बजे ग्रेम गांव के पास लाडपुर गौटिया मार्ग पर चेकिंग कर रही थी। पीलीभीत बाईपास के पास एक बाइक को चेकिंग के लिए रोका तो बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी फायरिंग की। मुठभेड़ में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी,

'समाजवादी पार्टी में आजम खां एंड फैमिली का चैप्टर क्लोज'

अखिलेश यादव पर एआईएमआईएम का कटाक्ष

प्रयागराज, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीतापुर जेल में बंद सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खां से अब तक सपा मुखिया अखिलेश यादव की मुलाकात नहीं करने पर असदद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम लगातार हमलावर है। एआईएमआईएम के प्रदेश प्रवक्ता मोहम्मद फरहान ने कहा कि आजम खान परिवार को जेल गए कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन सपा मुखिया अखिलेश यादव के अलावा समाजवादी पार्टी का कोई कद्दावर नेता भी मोहम्मद आजम खां से मिलने सीतापुर जेल अब तक नहीं गया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि लोगों के मन में भी यह सवाल उठ रहा है कि आखिर सपा मुखिया अखिलेश यादव अब तक आजम खां से क्यों नहीं मिले? एआईएमआईएम प्रवक्ता मोहम्मद फरहान ने आरोप लगाया है कि इसके पीछे वजह यह है कि समाजवादी पार्टी को मुसलमानों से कोई लेना-देना नहीं है, और न ही मुस्लिम वोट बैंक की समाजवादी पार्टी को कोई चिंता है। मोहम्मद फरहान ने आरोप लगाया है कि समाजवादी पार्टी पूरी तरह से बीजेपी की गोद में बैठकर खेलने का काम कर रही है। उन्होंने सपा नेताओं पर हमला करते हुए कहा है कि सपा नेता आज अगर खुली हवा में सांस ले रहे हैं तो यह बीजेपी की ही देन है। इसीलिए समाजवादी पार्टी की निष्ठा और समर्पण भाजपा के प्रति बना हुआ है। यही वजह है कि सपा मुखिया अखिलेश यादव समेत पार्टी के दूसरे नेताओं ने आजम खां से दूरी बना रखी है। मोहम्मद फरहान ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने आजम खां का चैप्टर पूरी तरह से क्लोज कर दिया है, इसलिए आजम खां की फैमिली को अखिलेश यादव से अब कोई उम्मीद नहीं पालनी चाहिए। बता दें कि आजम खान अपने बेटे अब्दुला आजम के दो जन्म प्रमाणपत्र मामले में सात साल जेल की सजा काट रहे हैं। उनकी पत्नी तंजीन फातिमा रामपुर जेल में तो अब्दुल्ला हरदोई जेल में बंद है। यानी परिवार के सभी सदस्य अलग-अलग जेलों में बंद हैं।

सतीश चंद्र मिश्रा के नाती को टीचर ने बुरी तरह से पीटा प्रिंसिपल ने कहा- आपके बच्चे को आगे भी पढ़ना है

लखनऊ, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के स्कूलों में छात्रों की पिटाई के मामले रुक नहीं रहे हैं। ताजा मामला लखनऊ से सामने आया है। स्कूल में टीचर ने सतीश चंद्र मिश्रा के नाती की बर्बरता पूर्वक पिटाई कर दी। शिकायत करने के बाद भी प्रिंसिपल ने टीचर पर कोई कार्रवाई नहीं की है। सतीश मिश्रा के दामाद एवं हाई कोर्ट के अधिवक्ता परेश मिश्रा ने गौतमपल्ली थाने में महिला शिक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

शिकायत के अनुसार, लामार्टिनियर बॉयज के कक्षा-5 में पढ़ने वाले उनके बेटे को पीटी टीचर संगीता सहाय ने बुरी तरह से पीटा है। पुलिस से की गई शिकायत में परेश मिश्रा ने बताया कि मेरा बेटा लामार्टिनियर बॉयज स्कूल हजरतगंज में कक्षा-5 में पढ़ता है। टिफिन खाने को लेकर उसको पीटी टीचर संगीता सहाय ने बुरी तरह से पीटा है। स्कूल प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। मैं हाई कोर्ट में अधिवक्ता हूं।

मौलाना मदनी बोले- राम मंदिर के उद्घाटन में शिरकत

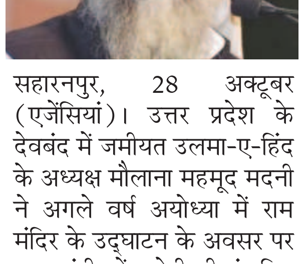

सहारनपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के देवबंद में जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने अगले वर्ष अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित भागीदारी और कुछ मुस्लिम नेताओं द्वारा प्रस्तावित मस्जिद की नींव रखने के लिए प्रधानमंत्री से अपील करने पर तीखी आलोचना की है। जारी बयान में मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि हमने पहले ही यह स्पष्ट कर दिया था कि अयोध्या विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्णय किया था, हम उसको सही नहीं मानते हैं। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने कोर्ट के फैसले के तुरंत बाद अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी थी कि यह फैसला गलत माहौल में गलत सिद्धांतों और आधारों पर दिया गया है। जो कानूनी और ऐतिहासिक तथ्यों के भी विरुद्ध है। मौलाना मदनी ने कहा कि ऐसे में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसी भी पूजा स्थल के उद्घाटन के लिए बिल्कुल नहीं जाना चाहिए। बल्कि उचित यह है कि धार्मिक अनुष्ठान राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त हों और धार्मिक लोगों द्वारा ही किए जाने चाहिए।

जमीयत का रुख साफ बयान देने से बचें पदाधिकारी

मौलाना महमूद मदनी ने जमीयत उलमा-ए-हिंद के सभी स्तर के पदाधिकारियों को खबरदार किया कि वह संगठन के रुख के खिलाफ किसी भी गैर जिम्मेदाराना बयान से बचें। उन्होंने कहा कि एक अंग्रेजी अखबार में जमीयत के किसी स्थानीय पदाधिकारी के हवाले से प्रधानमंत्री से मस्जिद के उद्घाटन में शामिल होने की अपील पर आधारित एक बयान प्रकाशित किया है, जो जमीयत के रुख के विरुद्ध है। इसलिए सभी पदाधिकारी किसी भी प्रकार की बयानबाजी से बचें।

मनौरी के कारखाना में तेज धमाके के साथ फटा सिलेंडर ढही दीवारें, कई लोग झुलसे

कौशांबी, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिपरी इलाके के मनौरी बाजार में शुक्रवार देर रात मिठाई के कारखाना में गैस सिलेंडर फटने से आग लग गई।धमाके में बगल के गोदाम और आसपास के मकानों की दीवार ढह गई। कई लोगों के मलबे में दबने और आग में झुलसने की खबर फैली तो पुलिस फोर्स के साथ अधिकारी पहुंचे। हालांकि तीन लोगों के घायल होने की बात सामने आई है। दमकल की तीन गाड़ियों के साथ पहुंचे अग्निशमन कर्मचारियों ने आग पर काबू पाया। अग्निकांड में कई लाख के नुकसान की आशंका है।

मनौरी बाजार में नई बस्ती में मदन केसरवानी का प्लाईवुड का गोदाम है। बगल में जयप्रकाश सिंह उर्फ भोलू का मकान है। वहीं एक कारखाना में मिठाई बनाने का काम होता है। शुक्रवार रात भी कारखाना में काम चल रहा था तभी सिलेंडर फट गया। जोरदार विस्फोट हुआ। कारखाना के साथ ही गोदाम की दीवार ढह गई।

सुविचार
यदि आप एक बार गिरकर हार मान लेते हैं, तो आप अपने जीवन में कभी सफलता हासिल नहीं कर सकते!

समस्याग्रस्त मतदान केंद्रों की पहचान की जाए : रोनाल्ड रोज

एमसीसी के तहत संवेदनशील स्थानों और चुनाव खर्च की समीक्षा की गई

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव अधिकारी व जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार जिले में समस्याग्रस्त मतदान केंद्रों की पहचान की जानी चाहिए। शनिवार की सुबह जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने अपने कक्ष में एमसीसी के तहत संवेदनशील स्थानों और चुनाव खर्च की समीक्षा की। इस मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी रोनाल्ड रोज ने कहा कि जिले में गठित एफएसटी टीमों एवं पुलिस विभाग द्वारा जब्त किये गये पूरे जिले को जिला परिवाद समिति के माध्यम से मुक्त कराने के लिए कदम उठाया जाये। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने निर्धारित लक्ष्य से अधिक नकदी को आयकर विभाग को जारी करने तथा जिला शिकायत समिति के माध्यम से जारी करने के लिए एसओपी जारी की है। एमसीसी ने नोडल अधिकारी से विभिन्न सतर्कता टीमों द्वारा जब्त किए गए सभी निर्वाचन क्षेत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। जिला शिकायत समिति द्वारा जारी जब्त राशि का ब्योरा जमा करने का आदेश दिया गया। वे पिछले विधानसभा चुनाव में चिह्नित संवेदनशील (समस्याग्रस्त) मतदान स्थलों की संख्या पर पुनर्विचार करना चाहते हैं और चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार एक बार फिर संवेदनशील स्थानों की पहचान करना चाहते हैं। हैदराबाद पुलिस आयुक्त को पुलिस कर्मियों की नियुक्ति करने के लिए कहा गया है क्योंकि निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर पुलिस बल की उपस्थिति के कारण नामांकन प्रक्रिया 3 नवंबर से शुरू होने वाली है। पुलिस विभाग में चुनाव ड्यूटी करने वालों के लिए डाक मतपत्रों के वितरण की व्यवस्था करने का भी अनुरोध किया गया। इसके अलावा वे स्थापित वितरण एवं स्वागत केंद्र में पुलिस की मौजूदगी की व्यवस्था करना चाहते हैं। बैठक में हैदराबाद सीपी संदीप सांडिल्य, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था विक्रम सिंह मान, ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी, अतिरिक्त आयुक्त शंकरैया और अन्य ने भाग लिया। इसके बाद जिला निर्वाचन अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त हैदराबाद सीपी संदीप सांडिल्य ने कानून एवं व्यवस्था के अतिरिक्त आयुक्त विक्रम सिंह मान के साथ जीएचएमसी मुख्यालय में उड़न दस्ते, वितरण और स्वागत केंद्र चेक पोस्ट पर स्थापित सीसी कैमरा कमांड कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण किया। इसी प्रकार सुविधा सेंटर एवं ईवीडी कार्यालय में स्थापित एमसीसी एवं एमसीएमसी कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया गया।

पूर्व सांसद पोंगुलेटी ने सीएम केसीआर की आलोचना की

खम्मम, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस अभियान समिति के सह-संयोजक और पूर्व सांसद पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आज सीएम केसीआर की आलोचना की। चुनाव अभियान के तहत शनिवार को खम्मम के संजीव रेड्डी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए पोंगुलेटी ने कहा, "यह आश्चर्य की बात है कि मुख्यमंत्री लोकतंत्र के बारे में बात कर रहे थे। उन्होंने सीएम केसीआर को चुनौती दी और अपने दावों को साबित करने के लिए किसी भी मंदिर में आने को कहा कि उन्होंने उनके लिए अनुबंध हासिल किया है और कहा कि वह भी उसी मंदिर में गीले कपड़ों के साथ आएंगे। उन्होंने कहा कि सीएम पलेरू में दलित बंधु योजना के बारे में बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोग योजना की घोषणा के बाद हुजूराबाद विधानसभा क्षेत्र में हुए विकास से अवगत हैं। सीएम के उस बयान का जिक्र करते हुए कि अगर राज्य के लोगों ने उनकी पार्टी को हरा दिया तो वह आराम करेंगे, उन्होंने आश्चर्य जताया कि केसीआर अब क्या कर रहे हैं।

टीपीसीसी अल्पसंख्यक सेल प्रमुख ने पार्टी से दिया इस्तीफा

सोहेल ने रेवंत रेड्डी पर गंभीर आरोप लगाए

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वंतत्र वार्ता)। टीपीसीसी अल्पसंख्यक सेल के नेता शेख अब्दुल्ला सोहेल ने टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी की आरएसएस समर्थक गतिविधियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में सोहेल ने रेवंत रेड्डी पर गंभीर आरोप लगाए। अपने त्यागपत्र में सोहेल ने कहा कि पीसीसी अध्यक्ष पार्टी में जीवन के सभी क्षेत्रों में मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदायों को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 34 वर्षों से कांग्रेस पार्टी के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं। कांग्रेस के साथ मेरा जुड़ाव कोई सामान्य नहीं था, मैंने पार्टी को अपना जीवन और अपना परिवार माना। मैं पार्टी में तब शामिल हुआ जब मैं एक युवा व्यक्ति था। धर्मनिरपेक्ष भावनाएं और लोगों की सेवा करने की प्रतिबद्धता। लेकिन आज, जब मैं आपको यह पत्र लिख रहा हूं, मेरा दिल बहुत दर्द और दुःख से भारी है। कांग्रेस पार्टी में, मैंने सार्वजनिक सेवा में बहुत रुचि के साथ काम किया। कभी-कभी पार्टी के लिए , मैंने अपने परिवार को किनारे रख दिया और काम करने के लिए समय निकाला। हमने 15 साल तक कांग्रेस पार्टी में सत्ता देखी है। और हम 19 साल तक विपक्ष में भी रहे। हालांकि, मैं हमेशा पार्टी के प्रति वफादार था। क्योंकि मैं दृढ़ता से विश्वास करता हूं सोहेल ने पत्र में कहा, सत्ता और कार्यालय स्थायी नहीं हैं, लोगों और राष्ट्र की सेवा करना महत्वपूर्ण है।

ऑखों में आंसू के साथ वेंगला राव ने कांग्रेस को अलविदा कहा

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वंतत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी के कुकटपल्ली के वरिष्ठ नेता गोट्टीमुक्काला वेंगला राव ने पार्टी से इस्तीफे की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कुकटपल्ली से टिकट नहीं मिलने से वह परेशान हैं। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को 45 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की। इसमें पार्टी ने सेरिलिंगमपल्ली के बंडी रमेश को कुकटपल्ली का विधायक टिकट आवंटित किया। इसके साथ ही उसी सीट से टिकट की उम्मीद कर रहे गोट्टीमुक्काला ने आंखों में आंसू के साथ पार्टी को अलविदा कह दिया।

आदिवासियों के आदर्श हैं कुमरमभीम : कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कुमरम भीम आदिवासियों के आदर्श हैं। शनिवार को कुमरम भीम की 83वीं पुण्य तिथि के अवसर पर उटनूर एकीकृत आदिवासी विकास निगम के परियोजना अधिकारी चाहत बाजपाई, एसपी सुरेश कुमार और जिला अपर कलेक्टर दीपक तिवारी जिले के केरामेरी मंडल के जोड़ेघाट गांव में आयोजित समारोह में शामिल हुए और आदिवासी समुदाय के लोग शामिल हुए। पारंपरिक नृत्य और गुसाड़ी से उनका स्वागत किया। सबसे पहले, उन्होंने आदिवासी परंपराओं के बीच झंडे की पूजा की और कोमुराम भीम और कुमरम सुरू की मूर्तियों पर माला चढ़ाई और फिर कब्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में, कुमरम सोनेराव के पोते कोमराम भीम के उत्तराधिकारियों ने जोड़े को नए कपड़े दिए। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने कहा कि कोमुराम भीम, जिन्होंने आदिवासियों के अधिकारों के लिए वीरतापूर्वक लड़ाई लड़ी और अपने प्राण न्यौछावर कर दिए, 'जल-जंगल-जमीन' के नारे के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि निज़ाम ने आसिफाबाद और जोड़ेघाट टीले के आसपास के इलाकों में नवाब के खिलाफ गुरिल्ला संघर्ष जारी रखा और 27 अक्टूबर, 1940 को निज़ाम की सेना ने जोड़ेघाट जंगलों में कोमुरम भीम के अड्डे की घेराबंदी की और भीम को मार डाला। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वायत्तता और अस्तित्व के लिए अपना संघर्ष जारी रखा। उन्होंने कहा कि सरकार आदिवासियों और आदिवासियों के कल्याण के लिए कई कल्याणकारी और विकास योजनाएं शुरू करेगी और लागू करेगी। उन्होंने कहा कि पोडू की खेती करने वाले पात्र आदिवासी किसानों को पोडू ट्रैक उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि कोमाराम भीम की पुण्य तिथि के अवसर पर समारोह में शामिल होने वाले लोगों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए पूरे उपाय किये गये हैं।

दासोजू श्रवण ने अमित शाह के बीसी सीएम नारे का मजाक उड़ाया

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता दासोजू श्रवण ने कहा है कि इस तथ्य के बावजूद कि तेलंगाना में भाजपा लगभग मर चुकी है, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीसी मुख्यमंत्री के नकली नारे को पुनर्जीवित करने का एक निरर्थक प्रयास किया। श्रवण ने कहा कि तेलंगाना के लोग अमित शाह के पाखंड और मतदाताओं को बरगलाने की साजिश को समझने के लिए काफी समझदार हैं। इससे पहले कि आप किसी बीसी नेता को सीएम उम्मीदवार बनाएं, निम्नलिखित आम आदमी के सवालों का जवाब दें। सबसे पहले, यदि आप ओबीसी के प्रति इतने ही सहानुभूति रखते हैं, तो आपने नरसंहार क्यों किया और अपने ही बीसी नेता को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर एक अगड़े वर्ग के नेता को क्यों नियुक्त किया? दूसरे, आप बीसी जाति जनगणना क्यों नहीं कर पा रहे हैं और ओबीसी के संवैधानिक अधिकारों को धोखा दे रहे हैं और वंचित कर रहे हैं? केंद्र सरकार में ओबीसी मंत्रालय क्यों नहीं है? आपकी सरकार ने ओबीसी आरक्षण के लिए विधानमंडल में विधेयक क्यों नहीं पेश किया? आपकी सरकार ने न्यायिक अधिकार के बिना दंतहीन बाघ के रूप में राष्ट्रीय ओबीसी आयोग को अपमानित और कमजोर क्यों किया? आपकी सरकार ने उचित धन और अधिकार के बिना राष्ट्रीय ओबीसी निगम की उपेक्षा क्यों की है? बिना अलग और पर्याप्त बजट के आपकी सरकार ओबीसी के साथ भेदभाव क्यों कर रही है? आपकी सरकार विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों, सरकारी विभागों, केंद्रीय संस्थानों और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में खाली पड़े हजारों बैकलॉग पदों को भरने में क्यों विफल रही? उन्होंने पूछा, पूरे भारत में केंद्रीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों में विभिन्न भर्तियों में ओबीसी आरक्षण क्यों लागू नहीं किया जा रहा है?

बाबू मोहन देंगे बीजेपी से इस्तीफा!

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वंतत्र वार्ता)। अनुभवी अभिनेता और पूर्व मंत्री बाबू मोहन ने आज घोषणा की कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। उन्होंने चुनाव प्रचार से दूर रहने के अलावा पार्टी से इस्तीफा देने की भी घोषणा की। सोमाजीगुडा प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, बाबू मोहन ने आरोप लगाया कि भाजपा आलाकमान ने यह प्रचारित करके उनके और मेरे बेटे के बीच दरार पैदा कर दी है कि टिकट उनके बेटे को दिया जाएगा। उन्होंने पार्टी आलाकमान से योग्य पार्टी नेताओं को टिकट देने का आग्रह किया। उन्होंने दावा किया कि पार्टी में उन्हें काफी अपमान झेलना पड़ा। उन्होंने यह भी दावा किया कि राज्य भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी और पार्टी नेता बंडी संजय कुमार ने उनके बार-बार फोन कॉल का जवाब नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी ने जानबूझकर उन्हें किनारे रखा है।

विष्णु वर्धन रेड्डी को टिकट देने से इंकार करने पर गांधी भवन पर विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स से कांग्रेस पार्टी का टिकट नहीं मिलने के बाद, विष्णु वर्धन रेड्डी के समर्थकों ने शनिवार को यहां गांधी भवन पर पथराव किया और टीपीसीसी प्रमुख रेवंत रेड्डी की तस्वीरें फाड़ दीं। पार्टी द्वारा पूर्व सांसद और क्रिकेटर मोहम्मद अज़हरुद्दीन को जुबली हिल्स टिकट आवंटित किए जाने के बाद पूर्व विधायक विष्णु वर्धन रेड्डी ने अपनी नाराजगी व्यक्त की और कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। जुबली हिल्स हैदराबाद की एकमात्र सीट है जहां कांग्रेस पार्टी के जीतने की संभावना है। यह आश्चर्य की बात है कि ऐसी सीट किसी ऐसे व्यक्ति को दे दी गई जो निर्वाचन क्षेत्र से जुड़ा नहीं है। उन्होंने शिकायत की कि पार्टी ने एक परिवार को एक टिकट का नियम भी बनाया है और कुछ मामलों में दो टिकट दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में पीजेआर जैसे नेता के परिवार को नजरअंदाज करना पार्टी की ओर से गलत है और उन्होंने कहा कि वह निश्चित रूप से जुबली हिल्स से चुनाव लड़ेंगे और सभी विकल्प तलाश रहे हैं।

IN THE COURT OF THE HON'BLE II SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT:AT:HYDERABAD
O.S.No. 394 OF 2023

Between:
1. **Pradeep Kabra,** S/o. late Sri.Chandraprakash Kabra, **2. Anil Kabra,** S/o. late Sri.Chandraprakash Kabra, **3. Smt.Sangeeta Kabra,** W/o. late Sri.Chandraprakash Kabra, **4. Praveen Kabra,** S/o. late Sri.Vijay Kumar Kabra, **5. Vishal Kabra,** S/o. late Sri.Vijay Kumar Kabra, **6. Nithin Kabra,** S/o. late Sri.Vijay Kumar Kabra, **7. Smt. Pramila Kabra,** W/o. late Sri.Vijay Kabra, Above 1 to 7 are R/o.H.No.7-1-28/10, Shyamkaran Road, Ameerpet, Hyderabad.
8. Smt.Shobhana Devi, W/o. Sri. Hanumandas Bhutada, D/o. late Sri.Ram Kishan Kabra, R/o. RamKunj, Marwadi Galli, Ahmadpur, Latur, Maharashtra-413515. ...Plaintiffs

AND

1.Harshal Purohit, S/o. late Sri.Jaya Prakash, R/o.Flat.No.417, Block-C,RKS Apts, Behind CDR Hospital, Hyderguda, Hyd-500029.
2. All Concerned ...Defendants
To,
D2) All Concerned ...Defendant No.2

NOTICE

Please take notice that the above named plaintiffs i.e., 1)Pradeep Kabra, S/o.late Chandraprakash Kabra, 2) Anil Kabra, S/o. late Chandraprakash Kabra, 3)Smt.Sangeeta Kabra, W/o. late Chandraprakash Kabra, 4)Praveen Kabra, S/o. late Vijay Kumar Kabra, 5)Vishal Kabra, S/o. late Vijay Kumar Kabra, 6)Nithin Kabra, S/o. late Vijay Kumar Kabra, 7) Smt.Pramila Kabra, W/o. late Vijay Kabra, above 1 to 7 are R/o.H.No.7-1-28/10, Shyamkaran Road, Ameerpet, Hyderabad & 8) Smt.Shobhana Devi, W/o. Hanumandas Bhutada, D/o. late Ram Kishan Kabra, R/o. RamKunj, Marwadi Galli, Ahmadpur, Latur, Maharashtra, have filed the above said suit against the defendants i.e., 1)Harshal Purohit, S/o. late Jaya Prakash,R/o.Flat.No.417, Block-C, RKS Apts, Behind CDR Hospital, Hyderguda, Hyderabad & 2) All Concerned, for declaration, declaring that they are the legal heirs of late Ram Kishan Kabra, S/o. late Balaram Kabra, and also they are the absolute co-owners, sharers & possessors of the suit schedule A, B & C properties i.e., **A-SCHEDULE PROPERTY**: All that the part and parcel of Flat No.101, admg 647 Sq.fts, undivided share comes to 71.8 Sq.yds of H.No.7-1-28, on plot No.10, admg 482 Sq.yds equivalent to 403 Sq.mts, situated at Ameerpet, Hyderabad, and bounded by: **North**: staircase/ lobby, **South**: Nala, **East**: Hanumanth Rao Saree Mandir & **West**: Flat No.102; & **B-SCHEDULE PROPERTY**: all that the part and parcel of the Flat No.G-I, admg 647 Sq.fts, undivided share comes to 71.8 Sq.yds, of H.No.7-1-28, on plot No.10, admg 482 Sq.yds, equivalent to 403 Sq.mts, situated at Ameerpet, Hyderabad, and bounded by: **North**: staircase/ car parking, **South**: Nala, **East**: Hanumanth Rao Saree Mandir & **West**: Flat No.G-II, & **C-SCHEDULE PROPERTY**: all that the part and parcel of Flat No.G-II, admg 736 Sq.fts, undivided share comes to 81.78 Sq.yds, of H.No.7-1-28, on plot No.10, admg 482 Sq.yds, equivalent to 403 Sq.mts, situated at Ameerpet, Hyderabad, and bounded by: **North**: staircase/car parking, **South**: Nala, **East**: Flat No.G-II & **West**: Hanumanth Rao Saree Mandir; vide O.S.No.394 of 2023 on the file of the Hon'ble II Senior Civil Judge, City Civil Court, Hyderabad; and the same is posted on **16-11-2023** at 10-30 A.M. for submitting your objections if any and also appearing either in person or through an advocate. If you fail to appear before the above said Hon'ble Court on that day the case will be decided on merits in your absence.

(BY ORDER OF THE COURT)
Sd/- **M/s.B.MURALIDHAR RAO,** Advocates, Counsels for the Plaintiffs
Saleemnagar Colony, Malakpet, Hyderabad-36. Ph.No.9849856719

एनआईटी-वारंगल में कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग पर सम्मेलन का उद्घाटन

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनआईटी वारंगल में गणित विभाग के प्रोफेसर वाईएन रेड्डी की सेवानिवृत्ति के अवसर पर, विज्ञान और इंजीनियरिंग में कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीएमएसई-2023) का उद्घाटन शनिवार को यहां किया गया। यह कार्यक्रम आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सोसाइटी फॉर मैथमैटिकल साइंसेज (एपीटीएसएमएस) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जो एनआईटी वारंगल में अपने 32वें कांग्रेस की मेजबानी कर रहा है। अपने संबोधन में प्रोफेसर वाईवीएसएस संन्यासी राजू ने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के सम्मेलन शोधकर्ताओं के लिए गणितीय मॉडलिंग, संख्यात्मक विश्लेषण, द्रव यांत्रिकी और कम्प्यूटेशनल गर्मी हस्तांतरण में प्रगति पर चर्चा में शामिल होने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करते हैं। प्रोफेसर ए बेनर्जी बाबू और प्रोफेसर डी श्रीनिवासाचार्य ने कहा कि आईसीसीएमएसई-2023 में 200 पेपर प्राप्त हुए, जिनमें से 150 को मौखिक प्रस्तुतियों के लिए चुना गया। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि चयनित पेपर स्कोपस और वेब ऑफ साइंस-अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जाएंगे।

किसानों ने नारायणखेड में विरोध प्रदर्शन किया

नारायणखेड, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के नारायणखेड में कांग्रेस पार्टी के खिलाफ कर्नाटक राज्य के किसानों के विरोध प्रदर्शन के कारण आज तनाव पैदा हो गया। कर्नाटक के किसानों ने कर्नाटक में कांग्रेस के छह वादों पर अमल नहीं होने का आरोप लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने नारे लगाते हुए राज्य के लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को वोट न देने की अपील की। प्रदर्शनकारियों को स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने रोका। उनके द्वारा तख्तियां फाड़ दी गयीं। पुलिस हरकत में आई और दोनों गुटों को तितर-बितर कर दिया। बाद में, कर्नाटक के कई किसान संघों के प्रतिनिधियों ने इस अवसर पर बात की। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी ने जो वादे किये थे, उन पर अमल नहीं किया जा रहा है। उन्होंने तेलंगाना के लोगों से कांग्रेस पार्टी के वादों पर विश्वास करके धोखा न खाने का आग्रह किया। दूसरी ओर, स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी किसान नहीं थे, बल्कि सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के भुगतान प्राप्त कलाकार थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेता राज्य में कांग्रेस पार्टी के प्रभुत्व और बढ़ती लोकप्रियता को देखने के बाद भुगतान किए गए कलाकारों की सेवाएं लेकर इस तरह के फर्जी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विकाराबाद जिले के परिगी में भी कर्नाटक के कई किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया. उन्होंने कर्नाटक में घोषित छह गारंटियों को लागू नहीं करने के लिए कांग्रेस पार्टी के खिलाफ तख्तियां भी प्रदर्शित कीं। किसानों ने पारिगी के कोडंगल चौरास्ता से बस स्टैंड तक रैली निकाली। स्थिति तनावपूर्ण हो गई क्योंकि कर्नाटक में किसानों ने पारिगी में रेवंत रेड्डी के रोड शो से पहले विरोध प्रदर्शन किया।

केटीआर ने एनआरआई से बीआरएस की जीत के लिए काम करने का आह्वान किया

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने एनआरआई से आगामी विधानसभा चुनावों में बीआरएस की जीत के लिए काम करने का आह्वान किया है। केटीआर ने शनिवार को यहां एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दुनिया भर के बीआरएस एनआरआई विभागों के प्रतिनिधियों से बात की। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में, राज्य के गठन के बाद से सभी क्षेत्रों में तेलंगाना का विकास हुआ है और उन्होंने एनआरआई से अपने-अपने गांवों में इस बात को व्यापक रूप से फैलाने के लिए कहा कि तेलंगाना एक बार फिर केसीआर के नेतृत्व की जरूरत है, जो हर क्षेत्र में प्रगति की राह पर आगे बढ़ रहे हैं।

रिटर्निंग अधिकारियों को नामांकन प्रक्रिया की समझ होनी चाहिए : आशीष

निर्मल, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल के जिला प्रशासनिक अधिकारी आशीष सांगवान ने कहा कि आगामी विधानसभा आम चुनाव के दौरान सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को नामांकन प्रक्रिया की पूरी जानकारी होनी चाहिए। शनिवार को जिला समाहरणालय के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में मास्टर ट्रेनर लक्ष्मण ने सहायक रिटर्निंग पदाधिकारियों को नामांकन प्रक्रिया के बारे में पूरी जानकारी दी। इस अवसर पर बोलते हुए जिलाधिकारी ने निर्वाचन अधिकारियों को 3 नवंबर से विधानसभा आम चुनाव के लिए नामांकन स्वीकार करने की सभी व्यवस्थाएं पूरी करने का आदेश दिया। उम्मीदवार 3 नवंबर से 10 नवंबर तक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक नामांकन दाखिल कर सकते हैं। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जानी चाहिए और उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि चेक सूची के अनुसार उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र में कोई रिक्त स्थान नहीं है। नामांकन की जांच केवल रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा की जानी है। उन्होंने कहा कि 13 तारीख को नामांकन की जांच की जाएगी और 15 तारीख तक नाम वापस लेने की समय सीमा होगी और 30 नवंबर को मतदान होगा। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर किशोर कुमार, आरडीओ रत्ना कल्याणी, जिवाकर, कोमल रेड्डी, तहसीलदार और अन्य ने भाग लिया।

जीएचएमसी मुख्यालय, हैदराबाद स्थित लेबर एंड एम्प्लाई यूनियन व वाल्मीकि समाज सेवा संघ के पदाधिकारियों ने वाल्मीकि जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका पुण्य-स्मरण किया। इस अवसर पर उपस्थित हैं प्रीतम सिंह, रितु कुमार, अर्जुन, हरि, राकेश व अन्य।

वारंगल पुलिस ने रक्तदान शिविर के साथ स्मृति दिवस मनाया

सीपी अंबर किशोर झा ने रक्तदान किया

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल के पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने पुलिस शहीदों की याद में और समुदाय के कल्याण में योगदान देने के लिए शनिवार को आयुक्तालय परिसर में एक रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। एमजीएम ब्लड बैंक के साथ सशस्त्र रिजर्व और ट्रैफिक पुलिस विंग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों, स्थानीय युवाओं और ऑटो चालकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया देखी गई, जिन्होंने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस कार्यक्रम में अपराध डीसीपी दसारी मुरलीधर, अतिरिक्त डीसीपी संजीव, सुरेश कुमार, राग्या नाइक और एमजीएम अस्पताल के पुलिस बल और प्रशासन के अन्य सदस्य उपस्थित थे। एक अन्य रक्तदान पहल में, हनमकोंडा पुलिस ने काकतीय इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, वारंगल और इसके एनएनएस छात्रों के सहयोग से, पुलिस स्मृति दिवस की पूर्व संध्या पर एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

Ph. D. ADMISSION NOTIFICATION 2023-2026

POST GRADUATE AND RESEARCH INSTITUTE DAKSHINA BHARAT HINDI PRACHAR SABHA, MADRAS
Declared by Parliament as an Institution of National Importance by Act 14 of 1964
Accredited with 'B+' Grade by NAAC

Applications are invited for the Regular Courses of Ph.D. in Hindi /Education at **HYDERABAD/DHARWAD/ERNAKULAM/CHENNAI CENTRES**

1. Ph.D. (Hindi)

ELIGIBILITY: i) A pass in M.A (Hindi) with **55%** marks and above. Preference will be given to M.Phil. (Hindi) degree holder. The admission will be given as per the availability of seats at P.G. Centers.

Admission of the course will be given as per the procedural norms of UGC, State Reservation Policy will be followed.

Application Forms/Prospectus

Ph.D. in Hindi Rs. 1,000/-

Admission Application forms available on Sabha's website: www.dbhpscentral.org

Last date for submission of filled up Application : **25.11.2023**

Applicants may contact directly to the concerned P.G. Centers.

The Prof. & Head

P.G. Centre, DBHP Sabha, CHENNAI - **8555051958**
P.G. Centre, DBHP Sabha, HYDERABAD, (A &TS) -**9945664379**
P.G. Centre, DBHP Sabha, DARWAD, KARNATAKA - **70190 87077**
P.G. Centre, DBHP Sabha, ERNAKULAM, KERALA - **9449108567**

REGISTRAR (I/C)

रवीना टंडन मजबूरी में सलमान के कहने पर हीरोइन बनीं : नवाज शरीफ रहे हैं उनके फैन

'तू चीज बड़ी है मस्त' और 'अंखियों से गोली मारे' जैसे न जाने कितने गानों को अपने बेहतरीन डांस मूव्स से एवरग्रीन बना चुकीं रवीना टंडन आज 49 साल की हो चुकी हैं। प्रोड्यूसर रवि टंडन की बेटी रवीना कभी भी फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं, हालांकि सलमान खान से अचानक हुई एक मुलाकात ने उनका ताउम्र का फिल्मी दुनिया से रिश्ता जोड़ दिया।

जी हां, रवीना सलमान खान की मिन्नतों पर फिल्मों में आईं और रातों रात स्टार बन गईं। रवीना की पॉपुलैरिटी को सिर्फ इस बात से आंका जा सकता है कि भारत-पाक के बिगड़ते रिश्ते और कारगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, रवीना के प्रशंसक हुआ करते थे। यही कारण था कि पाकिस्तान के हमले के जवाब में भारतीय वायुसेना ने रवीना का नाम लिखकर एक मिसाइल दागी थी।

आज रवीना टंडन की जिंदगी से जुड़े मजेदार किस्से-

22 साल बड़े ऋषि कपूर को पसंद करती थीं, उनकी शादी से नाराज थीं

26 अक्टूबर 1972 को रवीना टंडन का जन्म बॉम्बे (अब मुंबई) में हुआ था। उनके पिता रवि टंडन पॉपुलर प्रोड्यूसर थे। बचपन से ही फिल्मी हस्तियों का घर में आना-जाना लगा रहता था। वो करीब 3 साल की थीं, जब उनके पिता ने ऋषि कपूर और नीतू कपूर के साथ फिल्म खेल-खेल में बनाई थी। रवीना, ऋषि कपूर को इतना पसंद करती थीं कि उनके आगे-पीछे घूमा करती थीं। इसके बाद 1979 में ऋषि कपूर ने फिर उनके पिता की फिल्म झूठा कहीं का में काम किया।

सिमी गरेवाल के चैट शो में रवीना ने बताया कि ऋषि को भी वो काफी पसंद थीं। जब भी वो लंदन जाते थे, तो रवीना को अपने साथ ले जाते थे। ऐसे में जब 1980 में ऋषि कपूर ने नीतू सिंह से शादी की, तो रवीना को बहुत बुरा लगा। वो इस कदर नाराज हो गईं कि उन्हें मनाने के लिए ऋषि कपूर ने लंदन से उनके लिए बोलने वाली डॉल खरीदी थी। इसके बाद जब उनकी शादी हुई तो रवीना पूरी शादी में नाराज घूमती रहीं। ऋषि कपूर- नीतू सिंह की शादी की एक तस्वीर भी है, जिसमें रवीना उनके साथ दिखी हैं।

1980 में हुई ऋषि कपूर और नीतू सिंह की शादी में पोज करती हुईं रवीना। ये तस्वीर ऋषि कपूर अपनी ऑटोबायोग्राफी में लगाना चाहते थे, हालांकि समय पर उन्हें ये तस्वीर मिल नहीं सकी।

1980 में हुई ऋषि कपूर और नीतू सिंह की शादी में पोज करती हुईं रवीना। ये तस्वीर ऋषि कपूर अपनी ऑटोबायोग्राफी में लगाना चाहते थे, हालांकि समय पर उन्हें ये तस्वीर मिल नहीं सकी।

14 साल की उम्र में हुआ था भाई के दोस्त से प्यार

रवीना टंडन महज 14 साल की थीं, जब उन्हें अपने भाई के एक दोस्त से प्यार हो गया। वो लड़का उम्र में रवीना से काफी बड़ा था। वो रोज कॉलेज जाता था और रवीना छत पर बैठकर उसके लौटने का इंतजार करती थीं, इंतजार में वो पंकज उधास के गाने सुना करती थीं। जब भी वो लड़का रवीना के भाई से मिलने घर आता था, तो वो बस उसे निहारती रहती थीं।

एक दिन रवीना उस लड़के से बात करने के लिए अपने भाई के कमरे में चली गईं, लेकिन उस लड़के ने सीधे उनकी चोटी पकड़ ली और मजाक उड़ाते हुए कहा, मोटी, कैसी हो? उस लड़के का ऐसा रिएक्शन मिलने से रवीना टंडन बुरी तरह टूट गईं और उन्होंने वजन कम करने की ठान ली। वो रोज टहलने जाया करती थीं, जिससे एक दिन उस लड़के को पतली होकर जवाब दे सकें। 2 साल बाद रवीना ने खुद को ट्रांसफॉर्म कर लिया। 16 साल की उम्र में रवीना बेहद खूबसूरत लगने लगी थीं। एक दिन उसी लड़के ने उनसे डेट पर चलने को कहा, लेकिन तब तक वो उस लड़के से 3 इंच लंबी हो चुकी थीं। रवीना ने उस लड़के को जवाब देते हुए कहा, मैंने तो वजन कम कर लिया,

लेकिन तुम अपनी हाइट का क्या करोगे?

बस में बूढ़े आदमी ने की थी बदतमीजी, एक भले आदमी ने की थी मदद

रवीना टंडन के पिता बड़े प्रोड्यूसर थे, तो उन्हें बचपन से ही लग्जरी जिंदगी मिली थी। जुहू के जमनाबाई नर्सी स्कूल में पढ़ाई के दौरान वो ड्राइवर के साथ स्कूल जाती थीं, लेकिन जैसे ही उन्होंने मीठीबाई कॉलेज में दाखिला लिया, तो पिता के कहने पर वो पब्लिक ट्रांसपोर्ट से सफर करने लगीं।

सिमी गरेवाल को बताए गए किस्से के अनुसार, एक दिन रवीना बस से अपने कॉलेज जा रही थीं कि एक बूढ़ा व्यक्ति उनके बाजू वाली सीट पर आकर बैठ गया। वो शख्स धीरे-धीरे रवीना के करीब आने लगा और उन्हें असहज महसूस करवाने लगा। रवीना इतनी शर्मीली थीं कि पलटकर जवाब नहीं दे सकीं, लेकिन पास खड़ा एक आदमी लगातार उस बूढ़े आदमी की हरकतें नोटिस कर रहा था। जैसे ही सांताक्रूज बस स्टॉप पर बस रुकी तो उस आदमी ने उस बूढे की कॉलर पकड़ ली और चिल्लाते हुए कहा, क्या कर रहे हो बच्ची के साथ। वो बेचारी कुछ कह नहीं रही तो तुम ये सब कर रहे हो।

इतना कहते ही लोगों ने उस आदमी की पिटाई शुरू कर दी। ये सब देखकर रवीना बहुत सहम गईं और वहीं खड़े-खड़े रोने लगीं।

मजबूरी में मॉडल बनीं, सलमान खान ऑफिस के नीचे आकर करने लगे थे हीरोइन बनने की मिन्नतें

मीठीबाई कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद रवीना टंडन जेनेसिस PR कंपनी में फोटोग्राफर प्रहलाद कक्कड़ के पास इंटर्नशिप करने लगीं। किरण जुनेजा के ऑनलाइन चैट शो 'इनसाइड टॉक' में रवीना ने बताया था कि एक दिन एक कंपनी की एक मॉडल अचानक कहीं चली गई और स्टूडियो में एक अर्जेंट फोटोशूट होना था।

ऐसे में फोटोग्राफर और डायरेक्टर शांतनू शोरे ने रवीना से मदद मांगी। रवीना ने उनके लिए एक फोटोशूट किया था, जो काफी चर्चा में रहा। उन तस्वीरों की बदौलत रवीना को कई फिल्मों के ऑफर मिले, लेकिन वो कभी फिल्मों में काम नहीं करना चाहती थीं।जब रवीना एक के बाद एक ऑफर ठुकराने लगीं तो फोटोग्राफर प्रहलाद कक्कड़ ने उन्हें समझाया कि हजारों लड़कियां इस एक ऑफर का सालों इंतजार करती हैं और तुम फिल्में ठुकरा रही हो, लेकिन रवीना नहीं मानीं।

एक दिन रवीना के पास उनके बंटी नाम के दोस्त का कॉल आया। बंटी ने रवीना को इमरजेंसी में ऑफिस के नीचे मिलने बुलाया। जब वो नीचे पहुंचीं तो देखा बंटी, सलमान खान के साथ उनसे मिलने आया था। उसने दोनों का परिचय करवाया और कहा कि ये एक हीरोइन की तलाश में हैं और मैंने तुम्हारा नाम सुझाया है।

उस समय सलमान जी.पी. सिप्पी की फिल्म पत्थर के फूल में काम रहे थे और उन्हें उस फिल्म के लिए नए चेहरे की तलाश थी। शुरुआत में तो रवीना ने इनकार कर दिया, लेकिन उनकी दोस्तों ने उन्हें मना लिया।

रवीना के ग्रुप की लड़कियों ने उनसे कहा कि तुझे अगर फिल्मों में काम नहीं करना तो मत करना, लेकिन बस एक ये फिल्म कर लो। इस तरह रवीना टंडन ने फिल्मों में एंट्री करने का फैसला लिया।

पहली फिल्म के सेट पर सिर के बल गिरने से हो गई थीं बेहोश

फिल्म पत्थर के फूल करने की हामी भरने के अगले ही दिन जी.पी. सिप्पी ने रवीना के साथ शूटिंग शुरू कर दी। रवीना ने कभी भी एक्टिंग की कोई ट्रेनिंग नहीं ली थी, इसके बावजूद उनका दमदार अभिनय सेट पर हर किसी को पसंद आता था। सालों पहले दैनिक भास्कर को दिए एक इंटरव्यू में रवीना ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ा मजेदार किस्सा शेयर किया था।

उन्होंने बताया था कि एक दिन वो, सलमान और टीम के साथ मुंबई के नरीमन पॉइंट पर फिल्म के गाने कभी तू छलिया लगता है की शूटिंग कर रही थीं। सीन के मुताबिक उन्हें स्केट में आना था, लेकिन उन्हें स्केटिंग नहीं आती थी।

जब भी उन्होंने स्केटबोर्ड इस्तेमाल किया तो वो गिर गईं। जब धीरे-धीरे शूटिंग देखने वालों की भीड़ लगने लगी तो रवीना को सबके सामने शूटिंग करने में शर्मिंदगी होने लगी। वो घबराकर सही शॉट देने के लिए जैसे ही स्केट पर चढ़ीं तो स्केट फिसल गया और वो सिर के बल जमीन पर गिर पड़ीं। चोट इतनी तेज थी कि वो बेहोश हो गईं। कुछ समय बाद जब उनकी आंखें खुलीं तो सलमान खान सामने बैठे बस उनका नाम ले रहे थे, वहीं कुछ लोग उनके चेहरे पर पानी डाल रहे थे। सलमान ने जब देखा कि रवीना डरी हुई हैं तो वो बच्चों की तरह उन्हें बहलाने लगे और कहा, कुछ नहीं हुआ चींटी मरी, चींटी मरी। ये सुनकर रवीना जोर-जोर से हंसने लगीं।

1994 की फिल्म मोहरा में रवीना टंडन ने पहली बार अक्षय कुमार के साथ काम किया था। साथ काम करते-करते दोनों की दोस्ती हो गई थी। सिमी गरेवाल के चैट शो में रवीना टंडन ने बताया कि एक दिन अचानक अक्षय कुमार ने रवीना से डेट पर चलने को कहा। ये सुनकर रवीना ने साफ इनकार कर दिया और कहा, मैं किसी अफेयर और डेट के लिए तैयार नहीं हूं। ये सुनकर अक्षय ने उनसे कहा था- तुम्हें ऐसा क्यों लगता है कि मैं तुम्हारे साथ सिर्फ अफेयर करना चाहता हूं, तुम ऐसी लड़की हो, जिससे मैं शादी करना चाहूंगा।

काव्य कुंज

ज़िंदगी

कुमुद बाला,
हैदराबाद

जिंदगी की दौड़ में
कभी आगे तो कभी पीछे
कबड्डी का खेल खेलते रहे
अब जाकर जब सांस ली
तो देखा पीछे मुड़कर
आधी से ज्यादा उम्र ही निकल गई
और हमें पता तक नहीं चला।
आज हो रहा है यह एहसास
काश !
कुछ पल हमने चुरा लिए होते
या गुल्लक में रख दिए होते
तो आज उसे बाहर निकाल
बचपन की उसी दहलीज पर जा पहुंचते
जहां हमारी मुस्कान के भी
कुछ कद्रदान थे
जहां हमारी खुशियों को बारिश में
सहेलियां भीग -भीग जाती थीं
मैं फुर्र से उड़ जाता था
और हम की गहराई में सब डूब जाते थे।
वे बेबाक बातें और किस्से
आज आंखों को भिगो जाते हैं
चेहरे की मुस्कान से जब
अश्रु जल का सामना होता है
वहां उम्र की परछाई दस्तक दे रही होती है
उम्र का घेरा
अकेलेपन की हथेलियों से पूछता है
कहां गई वह नफासत , नजाकत ?
किंतु मुझे पता है
अब कलम ही मेरी सहचरी है
यही मेरी मुस्कान और
अब यही मेरी धड़कन है।

उनसे मुलाक़ात क्या करना

रेणुका अग्रवाल

उनसे भला बात क्या करना।
वो ख़्वाब मे ही आकर चले गये
बिगड़े हुए है हालात क्या करना।
रूबरू बैठे है मुँह फुलाये हुए
नसीब की करामात क्या करना।
एक बार तो मुस्करा देते देख मुझे
हुस्न की ऐसी जात क्या करना।
अपने होकर भी वो ग़ैर बन गये
क़िस्मत ने मारी लात क्या करना।
वक्त बेवक्त मौसम गरमा जाता है
हो धूप कभी बरसात क्या करना।
उनकी आमद से सूरत निखरती है
कभी शह कभी मात क्या करना।
ज़ुबा चुप है आंखों में शोखियां है
भला ऐसे मुलाकात क्या करना।

शरद पूर्णिमा आई अमृत बरसाने

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

खास दिन की खास
चांदनी आई रिझाने,
शरद पूर्णिमा आ गई अमृत बरसाने,
वर्षा ऋतु विदाई,
भीनी शरद ऋतु आई
अमृत मंथन की अद्भुत कहानी
प्रकट हुई महा देवी दानी
धन संपन्नता का हुआ जन्म
महालक्ष्मी का हुआ अवतरण
कौमुदी की किरणाई
कृष्णा ने महारास रचाई
शरद पूर्णिमा में करो भजन
तीव्र ज्योति पाए नयन
मेवा मिश्रित स्वादिष्ट खीर
शरद पूर्णिमा बरसाए अमृत तीर
प्रसाद रुपेण जो भी खाए खीर
झटपट रोग भागे गंभीर
16 कलाओं से परिपूर्ण चंद्रमा
होता एक रात का मेहमां
झरते अमृत का सेवन कर लो

शरद पूर्णिमा को नमन कर लो!

बेटी एक वरदान

पद्मा मिश्रा

ईश्वर का एक अनमोल सा वरदान है बेटी
मां के हृदय की ममता का सम्मान है बेटी
घर अंगना महकते है जिसकी सुरभि से आज
पलकों में पले सपनों की मुस्कान है बेटी
सुख दुख में सदा साथ है, वो मित्र की तरह
दुनिया की भीड़ में मेरी पहचान है बेटी
सीता सी है पवित्र मन की भावना लिए
मंदिर में जले दीप सा , दिनमान है बेटी
आंचल में खिले फूल सी,,तुलसी की गंध में
गर्वित पिता के भाल का अभिमान है बेटी
ईश्वर ने जिसे वेद की ऋचा बना दिया
मुखरित सृजन के मंत्र का सहगान है बेटी
मां हो, बहन,सखी हो या सहधर्मिणी बनी
दोनों कुलो की लाज है, सम्मान है बेटी
ईश्वर का दिया अनुपम, वरदान है बेटी।।

औखी घड़ी न ..

दर्शन सिंह
हैदराबाद

जिंदगी की परीक्षा में
कभी पेपर सरल होता है
तो कभी कठिन होता है
समस्या जटिल हुई नहीं
कि प्रभु को कटघरे में खड़ा करते हैं
शीघ्र करो समाधान
अन्यथा नाता तोड़ने की व्यूह रचते हैं
किसमे किसको कितना भला है
सोच समझ कर प्रश्न दिए जाते हैं
जब तक निशाना लगे
सार्थक सफलता पाते हैं
लेकिन
हम धन्यवाद भी नहीं देते
मन शांत कर
संवाद भी नहीं करते
बस अपनी पीठ थपथपा लेते हैं
बहारों से झोलियां भरते हैं
गरूर छा जाता है
विंगा विंगा फतुर छा जाता है
शमशीर लिए फिरता है
राह चलतों की अखियां
अश्रुओं से भरता है
बस इसी चूक की
भारी भरकम क़ीमत चुकानी पड़ती है
जीवन में ख़ाक भरनी पड़ती है
घट घट के अंतर की जानत
भले बूरे की पीड़ पछानत
विपदाओं की चट्टाने टूट पड़ती हैं
तोड़ मरोड़ चकनाचूर कर देती हैं
हां अगर विनम्र बने, हार स्वीकारी
ईश की श्रेष्ठतम कृपा मिलेगी सारी
दर्शन अति उत्तम परिणाम
औखी घड़ी न देखन देइ अपना बिरद सम्भाले।।

कफ़न

डॉ डी डी देसाई

कौन कहता है कि कफ़न
सिर्फ सफ़ेद होते है ?
मैंने तो लाल लहंगे में
दफ़न होती लड़कियों को देखा है।
लाल हरी चूड़ियों से
सजी दुल्हन की कलाई पर,
खून से सने मेहंदी के हाथों में मीटती लकीरों को देखा है।
दबाई होगी ख्वाहिशों की पोटरी अपने दिल में उसने,
पिता की आँखों में कन्यादान का हक़ मजबूर देखा है।
डोली उत्तरी नहीं कि जेवरात सारे उतर गए,
गृहलक्ष्मी को पल में नौकरानी बनते देखा है।
बदले दिन बादल गयी ख्वाहिशें...
दिली अरमानों को चूल्हे के अंगारों पर सुलगते देखा है।
नौ दिन...सब नया... वसंत बहार नयी...
फिर दहेज़ की प्रताड़ना से पीड़िता को देखा है।
पिता के बढ़ते बोझ के अंदेशे की शिकार बेटी को,
अपनी कलाई की नसों को रेतते देखा है।
कौन कहता है कि कफ़न सिर्फ सफ़ेद होते है ?
मैंने तो लाल लहंगे में दफ़न होती लड़कियों को देखा है।

जीवन चक्र

सतीश, बब्बा
चित्रकूट, उत्तर प्रदेश

न रातें ठहरती हैं, न दिन ठहरता है,
सुबह के बाद दिन है, शाम के बाद रात है!
यह जीवन चक्र है, ठहराव कभी होता नहीं है,
बस चलते रहना है, यही तो जीवन है!
धवल चांदनी थी, तारागण बिखरे थे,
अचानक चाँद तारों की, रोशनी मद्धिम पड़ गई,
शायद अरुणोदय होने वाला है, मन में मन में सोच रहा था,
तभी चिड़ियों की चहचहाहट, सही की मुहर लगा दिया था!
वही गयों का चरकर आना, उनकी पग धूलि से,
सूर्य की लालिमा का रुकना, क्या पूछना उस शाम से!
बचपन, जवानी, बुढ़ापा, फिर मौत का स्याहापा,
बचपन हंसाता जवानी मदमस्त, फिर रुलाता है बुढ़ापा!
शायद इसी को कहते हैं, जीवन चक्र समझते हैं,
बुढ़ापे को मृत्यु से डराते हैं, मृत्यु ही जन्म का संकेत है!
ऐसा ही जीवन चक्र, सभी जीते हैं,
मृगतृष्णा में उलझे रहते हैं,
यहां धन रूपी विष जुटाते हैं,
और फिर कुछ भी, नहीं ले जाते हैं,
यहीं का यहीं छोड़ जाते हैं, मृत्यु के समय पछताते हैं!!

कितने कितने हिंदुस्तान ?

संजीव ठाकुर,
रायपुर

नल पर अकाल की व्यतिरेक ग्रस्त जनानाओं की
आत्मभूत मर्दाना वाच्याएं।
एक-दूसरे के वयस की अंतरंग बातों,
पहलुओं को
सरेआम निर्वस्त्र करती,
वात्या सदृश्य क्षणिकाएं,
चीरहरण, संवादों से
आत्म प्रवंचना, स्व-स्तुति,
स्त्रियों के अधोवस्त्रों में झांकती
शब्दों की तीक्ष्ण नजरें,
निज संबंधों को
उघाड़ती शब्दांजलियां,
पानी के चंद कतरों को
गुण्डियों, जंग लगी छेद वाली
बाल्टियों में सहेजती।
कभी-कभी असगर और अमर के
लहू का लाल रंग
इस नल के पानी से कितना
मिलता-जुलता दिखता है।
पानी शायद रंगहीन
न जात, न पात।
लहू-लाल, न हिन्दू न मुसलमान,
वैसे ही जैसा खुला आसमान ?
समाज में पानी का अहम,
लहू के रंग से कहीं ज्यादा,
गहरा, और नल के टीके पर
दिखाई देती है, सुबह शाम
धर्म निरपेक्षता की जीती-जागती और सच्ची मिसालें।

आंकड़ों का गणित

पूजा महेश
हैदराबाद

फुरसत की घड़ी में
जो न हो जाए कम है
मन को अपनी तरह उलझा दे
यह तो बस आंकड़ों में ही दम है
अब देखिए ना साहेब
नौ और दो ग्यारह होते हैं
पर इन्हें *रफ़ूचक्कर *कर
क्यूं सिर चकरा दिया
सब जानते हैं कि
तीन और दो पांच ही होते हैं
फिर क्यूं इन पर *बक बक* का
तमगा लगा दिया
प्रश्न एक अभी और भी है
जब एक और एक ग्यारह
हो सकते हैं तो दो और दो बाईस क्यूं नहीं?
सच कहतीं हूं जनाब जिंदगी की तरह ही
आंकड़ों का फ़लसफ़ा भी बड़ा निराला है
शून्य आगे लग जाये तो पौ बारह
और पीछे आ जायें तो
बस दिवाला ही दिवाला है।

विश्व की बिंदिया

वाईवी रत्नम

मोहब्बत कहीं पर पनपा है तो
महज़ विश्व की बिंदिया सी भारत में
यहाँ के इतिहास के पन्नों में
अमन और यारी की चंदन है
कट्टर दुश्मन भी ज़िंदगी में एक बार
सूंघने को मचलता है यहाँ की गंध
विश्व में और कहाँ सिर्फ यहीं पर
छः ऋतुओं की है आँख मिचौनी
अरुणिम रश्मियाँ नग राज कैलाश की
नभ की ऊँचाइयों में लहरता तिरंगा
चमक रहा इक स्वर्णिम सितारे सा
मुझे फिर से जनम देने का मंसूबा है
तो दो मेरे मालिक इस मुकद्दस माटी पर
विश्व गुरु है यह ज्ञान प्रदाता
उलझनों को सुलझाने की चाबी है
काश्यपी की शान मेरा हिंदुस्तान।।

श्रेष्ठ कर्म योगी

केएल प्रभाकर प्राण

भारत का अनमोल रतन
तुम्हें याद कर रहा वतन
निर्मल चरित्र कर्म पवित्र
भारत माँ के सुपुत्र
मान्य लाल बहादुर
भारत की धरोहर
कुशल राजनीतिज्ञ धुरंधर
विजय राही,हौसला का स्वर
नैतिक मूल्यों की तुम खान
आपका आचरण सदा महान
सादगी भरा जीवन विधान
उन्नत विचारों के तुम बलवान
देश हित में रहा सदा ध्यान
सच्चे नेता की तुम पहचान
कर में था,सत्ता-अधिकार
पर,उर में था वतन पर ममकार
तुमने ढोया कठिनाइयों का भार
हुआ देश का उद्धार,
किया जग-संसार
भारत की जय जयकार,
लालजी सच्चे अर्थों में तुम धीर
आज़ादी के सेनानी-वीर !
स्वीकारो अक्षर मोतियों की हार,
सुवर्ण इतिहास तुम्हारा--
भारत के आँखों का तारा
इस धरती पर तुम उजियारा
वतन को प्यारा आपका नारा
जय जवान जय किसान
लाल जी आप महान।।

'सच्चाई'

हेमंत सुराना

मौत मंजिल है,
सफर का मजा लो
हवाएँ प्रतिकूल है,
उड़ने का मजा लो
किसी ने कुछ कहा,
बस मुस्करा ही लो
बूँदे दूरिया में मिलनी है,
भीगने का मजा लो
बचपन बीत जाएगा,
खिलोने का मजा लो
रिश्तो पर जमी धूल है,
आईना तुम साफ़ करो
कमियाँ सब में है,
खूबियों पर गौर करो
वक्त की करवटे है,
झूठे है, मुस्कुराने दो
जिन्दगी में बदलाव है, कुटिल प्रहारो को सह लो
हवा के झोंके तेज है,
खुद को जरा संभाल लो
परिवर्तन है सतत नियम, ख्वाहिशे थमने ना दो।

मेरा गाँव

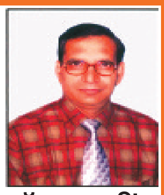

डॉ. चक्रपाल सिंह
हैदराबाद

मैं नहीं जाना चाहता, लेकिन -
फिर भी जाता हूँ गाँव
खुद को खुद से मिलाने के लिए
विस्मृत यादें जिलाने के लिए
और छूने के लिए
अकिंचन श्रम देवताओं के पाँव
तंग सूट और लाल टाई में
झुकने से पहले, पड़ जाती है नज़र
फटी बिवाईयों पर
जो देती हैं गवाही , अर्थहीन कठोर श्रम
और अनवरत शोषण की, क्योंकि-
नसीब नहीं भरपूर शिक्षा
और पोषक तत्व जिन्हें
ताजिंदगी कठोर श्रम के बाद
ज्यों ही झुकता है मस्तक
छूने के लिए पाँव
चू पड़ते हैं अश्क, फटी बिवाईयों पर
शायद ! मरहम के लिए ।
खड़ी अचंभित पूछे अकिंचनता
क्यों हो गई मूक मानवता
क्यों नहीं पिघलते पत्थर दिल ?
और टपकते इतने आँसू
कथित रहनुमाओं के
जो दिलाएँ निजात,
फटी बिवाईयों के दर्द से
जिसका शिकार है असली भारत
और मेरा पूरा गाँव, जो -
है अभिन्न अंग और अनिवार्य हिस्सा
आधुनिक इंडिया! का , जिसमें-
मज़बूर हैं लोग जीने के लिए
फटी बिवाईयों के दर्द के साथ ।

'हम क्या थे, क्या हो गये

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

'हम क्या थे, क्या हो गये,
क्या होंगे अभी बचपन में पढ़ी ये कविता,
याद आती है कभी-कभी ।
रॉकेट की गति तो पकड़ ली,
पर प्रेम की डोर ढीली छोड़ दी
दूरदर्शन पर 'ओटीटी'
की लगी झड़ी देखी,
पर असल जिंदगी में
रिश्तों की अहमियत छोड़ दी।
है तेज़ रफ़्तार जिंदगी,
तरक्की के नाम पर गंदगी,
व्यभिचार-भ्रष्टाचार ने,
नैतिक मूल्यों की दे दी तिलांजलि ।
मुग़लों और अंग्रेज़ों की
गुलामी की जंजीरें,
आज भी मुँह बाये खड़ी है
जैसे हो फ़ौलादी ज़ख़ीरे ।
अपनी लकीर बढ़ाते बढ़ाते,
हम कितने छोटे हो गये ।
दिमाग़ी घोड़े दौड़ाते दौड़ाते,
अपनी रूह, अपनी आत्मा को भूल गये।
चार दिन की है जिंदगी,
खुदा से कर बंदगी.
एक गहरी लम्बी साँस ले.
प्रीत की डोरी जोड़ ले !!!!

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

मानवता पर हावी युद्ध की सनक

दुनिया भर के देश बढ़ा रहे अपना सैन्य खर्च रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से जारी संघर्ष अभी खत्म भी नहीं हुआ था कि इस्राइल और हमास की लड़ाई शुरू हो गई। वैश्विक तनाव चरम पर है। विकासशील देशों की अर्थव्यस्थाएं दुनिया में जारी युद्धों की आग में जलने को मजबूर हैं पर फिर भी दुनिया के हर हिस्से में लोग मरने-मारने को उतारू हैं। बीते एक दशकों की बात करें तो लगभग पूरी दुनिया का सैन्य खर्च लगातार बढ़ा है। आइए नजर डालते हैं दुनिया के प्रमुख हिस्सों में बीते एक दशक के दौरान सैन्य खर्च में हुई वृद्धि पर।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के अनुसार 2022 में दुनिया के सैन्य खर्च में लगातार आठवें वर्ष वृद्धि हुई और यह 3.7 प्रतिशत बढ़कर 2240 बिलियन डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। 2022 में विश्व सैन्य खर्च में वृद्धि काफी हद तक तीन कारकों के कारण थीः यूक्रेन पर रूस का आक्रमण; आक्रमण और व्यय की प्रतिक्रिया के रूप में मध्य और पश्चिमी यूरोप के देशों द्वारा सैन्य खर्च में वृद्धि और एशिया की प्रमुख शक्तियों, अर्थात चीन, भारत और जापान में सैन्य खर्च में वृद्धि। सैन्य खर्च में सबसे तीव्र वृद्धि रूस और यूक्रेन के करीब भौगोलिक निकटता वाले देशों में हुई।

यूक्रेन को भेजी गई सैन्य सहायता के तत्काल और रिकॉर्ड स्तर थे। सबसे बड़े दाताओं और अन्य सहायता निधियों के आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर, 2022 में यूक्रेन को कम से कम 30 बिलियन की सैन्य सहायता दी गई थी, जिसमें अमेरिका सबसे बड़ा प्रदाता था, जो सभी सैन्य सहायता का लगभग दो-तिहाई हिस्सा था। विश्व सैन्य खर्च में वृद्धि के बावजूद, वैश्विक सैन्य बोझ -विश्व जीडीपी के हिस्से के रूप में विश्व सैन्य व्यय- 2.2 प्रतिशत पर बना रहा क्योंकि दुनिया की भी जीडीपी सैन्य खर्च के साथ बढ़ती गई। असल में, 2.2 प्रतिशत पर कुल सैन्य खर्च का बोझ शीत युद्ध की समाप्ति के बाद से सबसे कम है।

अमेरिकी उपमहाद्वीप के देशों का खर्चा सबसे अधिक बढ़ा

1988 और 2022 के बीच विश्व सैन्य खर्च को पांच भौगोलिक क्षेत्रों में विभाजित करने से पता चलता है कि 2022 में कुल विश्व सैन्य खर्च में अमेरिका के देशों का हिस्सा सबसे बड़ा लगभग 42 प्रतिशत था। एशिया और ओशिनिया के देशों ने दुनिया के कुल सैन्य खर्च का 26 प्रतिशत किया। इसके बाद यूरोप ने 22 प्रतिशत खर्च किया। मध्य पूर्व की सैन्य खर्च के मामले में 8.3 प्रतिशत की हिस्सेदारी रही। अफ्रीका ने दुनिया के कुल सैन्य खर्च का 1.8 प्रतिशत यानी बहुत कम खर्च किया।

दुनिया के शीर्ष तीन व्ययकर्ताओं, अमेरिका, चीन और रूस का दुनिया के कुल खर्च में 56 प्रतिशत हिस्सा है। दुनिया के शीर्ष 15 व्ययकर्ता 1842 बिलियन डॉलर के साथ दुनिया के कुल सैन्य खर्च में 82 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं।

अमेरिकाः 2022 में अमेरिका का कुछ सैन्य खर्च 877 अरब डॉलर रहा। इसमें 8.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। अमेरिका दुनिया में अब तक का सबसे बड़ा सैन्य खर्चकर्ता देश है, जिसकी विश्व सैन्य खर्च में 39 प्रतिशत हिस्सेदारी है और दूसरे सबसे बड़े सैन्य व्ययकर्ता चीन की तुलना में वह इस मद में तीन गुना अधिक आवंटित करता है। 2022 में अमेरिका ने यूक्रेन को मदद के तौर पर कुल 19.9 बिलियन डॉलर दिए उसके कुल सैन्य खर्च का 2.3 प्रतिशत है यह शीत युद्ध की समाप्ति के बाद से किसी भी वर्ष में किसी एक लाभार्थी को किसी भी देश द्वारा सैन्य सहायता के रूप में दिया गया सबसे बड़ा दान है।

चीनः चीन का नंबर सैन्य खर्च करने के मामले में दूसरे नंबर है। 2022 में चीन का कुल सैन्य खर्च बजट 292 अरब था। 2013 की तुलना में इसमें 63 प्रतिशत की वृद्धि आई है। पिछले 28 वर्षों में चीन ने लगातार अपने सैन्य खर्च में बढ़ोतरी की है। एसआईपीआरआई मिलिट्री एक्सपेंडिचर

डेटाबेस के अनुसार यह किसी भी देश की ओर से की गई सबसे लंबी वृद्धि है। हालांकि 2022 में चीन का सैन्य खर्च 1995 की तुलना में सबसे कम बढ़ा। वर्ष 2021 की तुलना में 2022 में इसमें महज 2.6% की वृद्धि दर्ज की गई। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण कोविड संक्रमण का चीन की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ना रहा। 2022 में चीन के सैन्य खर्च का भारत जीडीपी का 1.6 प्रतिशत रहा। यह खर्च पिछले एक दशक में जीडीपी के 1.6% से 1.8% के बीच स्थिर रहा है।

रूसः हाल के वर्षों में रूस का सैन्य खर्च बढ़ा है। रूस का राज्य आयुध कार्यक्रम 2011-2020 देश के सशस्त्र बलों के लिए एक महत्वाकांक्षी आधुनिकीकरण योजना है, जिसे महत्वपूर्ण वित्त पोषण द्वारा रेखांकित किया गया है। 2011 और 2016 के बीच रूस के सैन्य खर्च में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि 2017 में इसमें कमी देखी गई पर उसके बाद 2018 से रूसी सैन्य हर साल बढ़ा है। 2021 में रूस के 'राष्ट्रीय रक्षा' बजट लाइन को कई बार संशोधित किया गया था। इसका कारण यूक्रेन के साथ जारी उसका संघर्ष रहा। 8 दिसंबर 2020 के बजट कानून में, 2021 के लिए 'राष्ट्रीय रक्षा बजट' के लिए 3118 बिलियन रूबल (42.3 बिलियन डॉलर) निर्धारित की गई। वर्ष 2021 के वास्तविक खर्च संबंध में राज्य ट्रेजरी की जानकारी से पता चला कि इस बजट लाइन के तहत 3573 बिलियन रूबल (48.4 बिलियन डॉलर) खर्च किए गए। रूस की ओर से सैन्य खर्च में वृद्धि को तेल और गैस से मिले निर्यात राजस्व के माध्यम से वित्त पोषित किया गया।

यूक्रेनः रूस के साथ संघर्ष में उलझे यूक्रेन के सैन्य खर्च में एक साल में ही बड़ी वृद्धि दर्ज की गई है। एसआईपीआरआई के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2022 में यूक्रेन का सैन्य खर्च 640 गुना बढ़ा है। वर्ष 2014 से 2021 के दौरान भी यूक्रेन के सैन्य खर्च में लगातार वृद्धि दर्ज की गई। 2014 और 2021 के बीच, क्रीमिया के कब्जे के बाद और रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण से पहले की तुलना में यूक्रेन का सैन्य खर्च 73 प्रतिशत बढ़ गया था। बीते एक दशक की बात करें तो इसमें आश्चर्यजनक वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2013 से 2022 के बीच रूस के सैन्य चार्च में 1661 प्रतिशत की बड़ी वृद्धि दर्ज की गई है।

यूरोपीय देशः 2022 में यूरोप में कुल सैन्य खर्च 480 अरब डॉलर था, जो 2021 की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक था। 2013 की तुलना में इसमें 38 की प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण निस्संदेह इस क्षेत्र में उच्च वर्ष-दर-वर्ष सैन्य व्यय वृद्धि का मुख्य कारण रहा। मध्य और पश्चिमी यूरोप में, सैन्य खर्च सालाना आधार पर 3.6 प्रतिशत बढ़कर 345 अरब डॉलर तक पहुंच गया। 2014 में अपने सबसे निचले बिंदु से इसमें 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ है और शीत युद्ध की समाप्ति के बाद से यह उच्चतम स्तर है।

पश्चिम एशियाः मध्य पूर्व के देशों का अनुमानित सैन्य व्यय 2022 में 184 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। यह 2021 की तुलना में 3.2 प्रतिशत अधिक है लेकिन फिर भी 2013 की तुलना में 1.5 प्रतिशत कम है। सऊदी अरब की ओर से सैन्य खर्च में वृद्धि 2022 में क्षेत्र में सैन्य खर्च में वृद्धि का प्रमुख कारण रहा।

सऊदी अरब इस क्षेत्र में सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला और इस मामले में दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा देश है। 2022 में, सऊदी अरब का सैन्य खर्च 16 प्रतिशत बढ़कर अनुमानित 75.0 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। यमन में आठ साल से चल रहा युद्ध, जहां सऊदी अरब हौथी के खिलाफ एक सैन्य गठबंधन का नेतृत्व करता है, 2022 में फिर से सुलग गया है।

पश्चिम एशियाई देशों के बीच एक आम विशेषता सैन्य खर्च और अर्थव्यवस्था के बीच उच्च अनुपात है। दस सबसे बड़े सैन्य बोझ वाले देशों में छह पश्चिम एशिया में हैंः इनमें सऊदी अरब (7.4 प्रतिशत), कतर (7.0 प्रतिशत), ओमान (5.2 प्रतिशत), जॉर्डन (4.8 प्रतिशत), इज़राइल (4.5 प्रतिशत) और कुवैत (4.5 प्रतिशत) हैं।

एशिया और ओशिनियाः एशिया और ओशिनिया (ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड) में संयुक्त सैन्य खर्च 2022 में 575 अरब डॉलर रहा। 2021 की तुलना में इसमें 2.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि 2013 की तुलना में यह 45 प्रतिशत अधिक है।एसआईपीआरआई के अनुसार 1989 के बाद से इस क्षेत्र के सैन्य खर्च में निर्बाध वृद्धि हुई है। 2022 में क्षेत्र के सैन्य खर्च में वृद्धि का मुख्य कारण चीन, भारत और जापान है, जो सामूहिक रूप से 2022 में कुल क्षेत्रीय खर्च में 73 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखते हैं। पूर्वी एशिया में, दक्षिण कोरिया और जापान द्वारा सैन्य खर्च 2013 से 2018 के बीच 37 प्रतिशत और 18 प्रतिशत बढ़कर क्रमशः 46.3 बिलियन डॉलर और 46 बिलियन डॉलर हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से उत्तर कोरिया और चीन की क्षेत्र में भूमिका से प्रेरित है। विशेष रूप से, जापान वर्तमान में अपनी सैन्य नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव के दौर से गुजर रहा है। इसने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सैन्य खर्च को सकल घरेलू उत्पाद के 1 प्रतिशत तक रखने के फैसले को विराम दिया है सुरक्षा पर अपना खर्च वर्ष 2027 तक जीडीपी के दो प्रतिशत तक बढ़ाने पर काम कर रहा है।

इसी तरह, दक्षिण एशिया में भू-राजनीतिक तनाव भारत और पाकिस्तान के सैन्य खर्च में वृद्धि को बढ़ा रहा है। 2022 में, भारत ने अपने सैन्य खर्च को 6.0 प्रतिशत बढ़ाकर 81.4 बिलियन डॉलर कर दिया, जो चीन और पाकिस्तान के साथ सीमा विवादों के बीच 2013 की तुलना में 47 प्रतिशत अधिक है। 2022 में पाकिस्तान का सैन्य खर्च 10.3 अरब डॉलर था, जो 2013 की तुलना में 46 प्रतिशत अधिक है। दोनों देश हथियारों के विकास और उत्पादन में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दे रहे हैं, भारत ने 2022 में घरेलू हथियार उत्पादकों से खरीद के लिए अपने पूंजीगत परिव्यय बजट का 68 प्रतिशत निर्धारित किया है। 2022 में ओशिनिया (ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड) में कुल सैन्य खर्च 35.3 बिलियन डॉलर रहा, जो 2021 की तुलना में 0.5 प्रतिशत अधिक है। 2013 से 2022 के बीच इसमें 48 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस क्षेत्र में प्रमुख सैन्य खर्च वाले चार देश ऑस्ट्रेलिया, फिजी, न्यूजीलैंड और पापुआ न्यू गिनी हैं।

राजनीति ही सर्वाधिक रौब व लाभ का धंधा

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में इस बार सत्ता के दावेदार दो प्रमुख राजनीतिक दलों भाजपा और कांग्रेस में टिकट को लेकर जिस बड़े पैमाने पर बगावत और नाराजगी दिखाई दे रही है, वह देश की राजनीति में आ रहे चरित्रगत बदलाव का संकेत है। साथ ही यह वैचारिक और दलीय प्रतिबद्धता पर हावी हो रहे व्यक्तिवाद और निजी स्वार्थ की स्पष्ट छवि भी है। चुनाव के लिए नामांकन प्रारंभ होने के बाद भाजपा और कांग्रेस में करीब 70 सीटों पर भारी असंतोष और बगावत की लपटें हैं। समय रहते इन्हें शांत नहीं किया जा सका तो ये बागी, चुनाव में राजनीतिक दलों के समीकरणों को बिगाड़ सकते हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि क्या अब चुनाव का टिकट पाना या उसका कटना ही नेताओं के जीवन- मरण का प्रश्न बन गया है? क्या समाज में जनसेवा के दूसरे माध्यम बेमानी हो चुके हैं और यह भी कि क्या राजनीति अब सबसे ज्यादा लाभ और रौब का धंधा बन चुकी है? ऐसा नहीं है कि चुनाव के समय राजनीतिक दलों में टिकट वितरण को लेकर असंतोष नहीं होता। यह स्वाभाविक भी है कि जो राजनीतिक कार्यकर्ता वर्षों मेहनत करे और टिकट वितरण के समय उसे दरकिनार कर दूसरे या किसी आयातित व्यक्ति को टिकट दे दिया जाए तो राजनीति में निष्ठा और समर्पण का पैमाना अपने आप दफन होने लगता है।

वैसे भी हर पार्टी में एक सीट पर टिकट के एक से अधिक आकांक्षी होते हैं। दलों की संवैधानिक मर्यादा है कि वे चुनाव में किसी एक को ही टिकट दे सकती हैं। ऐसे में बाकी को या तो पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार का समर्थन करना होगा या फिर दूसरे किसी दल से टिकट लेकर अथवा निर्दलीय चुनाव में खड़ा होना होगा। तीसरे, वह पार्टी हाई कमान और टिकट वितरणकर्ताओं के सामने खुलकर अपनी नाराजगी का प्रदर्शन कर मन को हल्का करे। चौथा और अनैतिक विकल्प यह है कि वह पार्टी में रहकर ही भीतरघात कर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को हरवाकर अपनी उपेक्षा का बदला ले और अगले चुनाव में अपनी उम्मीदवारी का खाता खुला रखे।

मध्यप्रदेश में जो सीन बन रहा है, वह इन सारे दृश्यों का नकारात्मक कोलाज है। बात अब विरोध के प्राचीन तरीकों जैसे कि नारेबाजी, धरना प्रदर्शन से मीलों आगे जाकर शीर्ष नेताओं के घरों के सामने आत्मदाह करने, पार्टी दफ्तरों पर हमले, नेताओं के कपड़े फाड़ने, हाथापाई, सामूहिक इस्तीफे और टिकट कटने के बाद मातमी अंदाज में जार-जार आंसू बहाने से लेकर इस परिस्थिति के लिए गालियां खाने की पावर ऑफ एटार्नी ट्रांसफर करने तक पहुंच गई है।

अमूमन ये सब करने और कराने वाले वही लोग होते हैं, जो टिकट कटने से पहले पार्टी के निष्ठावान और प्रतिबद्ध कार्यकर्ता कहलाते थे। आलम यह है कि कई जगह तो बड़े नेताओं को अपने ही कार्यकर्ताओं के हिंसक आक्रोश का शिकार होने से बचने जान बचाकर भागना पड़ रहा है। मानो सभी दलों में अनुशासनहीनता और अराजकता की एक अघोषित स्पर्द्धा चल रही हो, जिसमें हर असंतुष्ट अपने गिरोह के साथ दूसरे को पीछे छोड़ने की दबंगई में लगा है। ऐसा नहीं है कि आला नेताओं को कार्यकर्ताओं के इस तरह उग्र अथवा बागी होने का अंदाजा न हो। लेकिन पार्टियां चुनाव का टिकट बांटती हैं तो टिकट देने और टिकट काटने के उसके अपने पैमाने होते हैं। कई बार तो ये पैमाने ही एक- दूसरे को काटते दिखाई देते हैं।

मप्र में भाजपा और कांग्रेस ने जो सूचियां जारी की हैं, उसमें कोई निश्चित पैटर्न या फार्मूला नजर नहीं आता, सिवाय किसी कीमत पर सत्ता में लौटने या उसे कायम रखने की व्यग्रता के। इसमें नेताओं की आपसी प्रतिद्वंद्विता, जुगाड़, डीलिंग, राजनीतिक शह और मात, तथाकथित सर्वे, निजी पसंद- नापसंद, किसी भी हद तक जाकर उपकृत करने की बेताबी और विवशता, जातिगत समीकरण, धन और बाहुबलीय क्षमता तथा अपने ही नैतिक प्रतिमानों का खुशी-खुशी विध्वंस भी इसमें शामिल है।

नवाज और इमरान के बीच सियासी समीकरण

पंजाब में एक लोकप्रिय कहावत है-'लाहौर लाहौर ऐ'। उसके बाद 'जिन लाहौर नई वेख्या ओ जम्या नई' कहावत मशहूर है। लाहौरवासियों को खुद पर बहुत गर्व है और उन्हें लगता है कि पाकिस्तान का दूसरा कोई भी शहर लाहौर से बेहतर नहीं है।

लेकिन यह सब बदल रहा है, जैसा कि हमने इस हफ्ते देखा, जब लाहौर के नागरिकों ने चार साल के स्वनिर्वासन से लौटने के बाद अपने शेर और निर्वासित नेता मियां नवाज शरीफ का स्वागत करने से इन्कार कर दिया। नतीजतन पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) को पंजाब के विभिन्न शहरों से आई भीड़ पर निर्भर रहना पड़ा।

लाहौर के लोग दशकों से पीएमएल-एन को वोट देते रहे हैं और यह प्रांतीय राजधानी शरीफ परिवार का मजबूत गढ़ रही है। लेकिन सबने देखा कि आम लाहौरी समर्थक गायब थे और शहर का कामकाज सामान्य ढंग से चल रहा था, जिसे इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि मीनार-ए पाकिस्तान मैदान पर क्या हो रहा है। पीएमएल-एन लाहौर शहर में इतनी अलोकप्रिय हो चुकी है कि उप-चुनाव में इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने न केवल लाहौर की, बल्कि आसपास के निर्वाचन क्षेत्रों में भी हर सीट पर जीत दर्ज की। लाहौर के संभ्रांत लोग मजबूती से पीटीआई के खेमे में हैं। लगता है कि हम एक बार फिर 2018 में लौट रहे हैं, जब सुरक्षा प्रतिष्ठान ने एक नए चेहरे, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के नेता इमरान खान को इस उम्मीद में प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बिठाया था कि उनके जरिये वह पाकिस्तान पर शासन कर सकता है।

प्रत्यक्ष मार्शल लॉ अब पाकिस्तान के अंदर या बाहर लोकप्रिय या बर्दाश्त के काबिल नहीं है। इसके बजाय प्रधानमंत्री कार्यालय में अपनी कठपुतली बिठाकर उसके माध्यम से शासन चलाना आसान है। लेकिन जैसे ही इमरान खान कुछ वर्षों के बाद व्यवस्थित हो गए, उन्होंने स्वयं को सेना से स्वतंत्र दिखाने की कोशिश की।

पूर्व नेवी अफसरों की भारत वापसी कितनी संभव ?

कतर में मौत की सजा के बाद अब क्या रास्ते बचे हैं कमांडर सुगुनाकर पकाला नौसेना के उन 8 पूर्व अफसरों में से एक हैं, जिन्हें फांसी की सजा सुनाई गई है। 54 साल के पकाला का नेवी करियर शानदार रहा है। वो उन अफसरों में से हैं, जिन्होंने आईएनएस तरंगिणी पर तैनात रहकर दो बार भूमध्य रेखा पार की है। विशाखापट्ननम में रहने वाली उनकी फैमिली को भी भारत सरकार की तरह इस फैसले से झटका लगा है, लेकिन उन्हें ये भरोसा है कि उनका बेटा बेगुनाह है। वो 18 दिसंबर को अपने जन्मदिन से पहले भारत लौट आएगा। कतर में मौत की सजा पाए पूर्व नेवी अफसरों की वापसी कैसे हो सकती है? इसकी पडताल करती रिपोर्ट। 30 अगस्त 2022 की बात है। कतर में भारतीय नौसेना के 8 रिटायर्ड ऑफिसर अपने घरों में सो रहे थे। इसी दौरान कतर के इंटेलिजेंस ऑफिसर पहुंचते हैं और उन्हें बिना आरोप बताए गिरफ्तार कर लेते हैं। इन्हें अलग-अलग जगहों पर कैद रखा जाता है। ये सभी अफसर कतर की नौसेना को ट्रेनिंग देने वाली एक निजी कंपनी दाहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी में काम करते थे। दाहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी डिफेंस सर्विस प्रोवाइड करती है। ओमान एयरफोर्स के रिटायर्ड स्क्वाड्रन लीडर खमिस अल अजमी इसके प्रमुख हैं। उन्हें भी 8 भारतीय नागरिकों के साथ गिरफ्तार किया गया था, लेकिन नवंबर में उन्हें छोड़ दिया गया। गिरफ्तारी से करीब 14 महीने बाद, यानी 26 अक्टूबर 2023 को इन सभी पूर्व नेवी अफसरों को मौत की सजा सुनाए जाने की खबर आई है।

कतर की ओर से केवल मौत की सजा की बात कन्फर्म की गई है। उनके आरोपों पर आधिकारिक रूप से कुछ भी नहीं बताया गया है। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स में कुछ बातें जरूर चल रही हैं। फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार आठ भारतीयों पर इजराइल के लिए जासूसी करने का आरोप है। अल-जजीरा की एक रिपोर्ट के अनुसार आठों पर कतर के सबमरीन प्रोजेक्ट से जुड़ी इनफॉर्मेशन इजराइल को देने का आरोप है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कतर इटली से एक सबमरीन खरीद रहा है। ये बेहद छोटी है और रडार के पकड़ में नहीं आती। कतर के नौसैनिक बेड़े में शामिल किए जाने से पहले इस पर कतर सरकार ने कई इंडियन नेवी ऑफिसर्स की सलाह और मदद ली है। ये सभी आठों नौसैनिक कतर की नौसेना को ट्रेनिंग देते थे, तो इन्हें भी उसकी जानकारी थी। जानकारों के अनुसार कतर और पाकिस्तान के संबंध अच्छे हैं। पाकिस्तान ये सबमरीन कतर से ले सकता है। ऐसे में भारत भी इस सबमरीन की बारे में जानना चाहता था। इसका दूसरा पक्ष ये भी है कि भारत इजराइल से सैन्य हथियार खरीदता है। कतर की खुफिया एजेंसी 'कतर स्टेट सिक्योरिटी' ने कहा है कि उसने पूर्व इंडियन नेवी ऑफिसरों के उस सिस्टम को पकड़ लिया है, जिससे वो जासूसी कर रहे थे।

सबसे पहले तो कतर की आंतरिक कानून व्यवस्था की ऊपरी अदालत में अपील करना है। ये फैसला दोहा स्थित कोर्ट ऑफ फर्स्ट इंस्टेंस ऑफ कतर ने सुनाया है। दोहा डायरेक्ट्री वेबसाइट के अनुसार यह कोर्ट सिविल और क्रिमिनल केस सुनता है। सीधे शब्दों में कहें तो ये वहां का ट्रायल कोर्ट है। इस कोर्ट के फैसले के खिलाफ ऊपरी कोर्ट में अपील की जा सकती है। नेवी के पूर्व अफसर इस फैसले के खिलाफ 'कोर्ट ऑफ अपील' में अपील कर सकते हैं। भारत इंटनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस (आईसीजे) में अपील कर सकता है। वहां मामले की सुनवाई होगी। यूनाइटेड नेशनल चार्टर के आर्टिकल 94 के अनुसार यूनाइटेड नेशन का मेंबर देश जो उस मामले में पार्टी होगा वह आईसीजे के फैसले को मानेगा। ये आखिरी फैसला होगा और इसके खिलाफ कोई अपील नहीं की जा सकती। इतना जरूर हो सकता है कि किसी फैसले के किसी शब्द के अर्थ को लेकर आशंका हो या संशय हो तो उसे जानने के लिए दोबारा अपील की जा सकती है। देश और उसके कोर्ट को आईसीजे का फैसला मानना ही होगा। वे इससे इनकार नहीं कर सकते। हालांकि, हिस्ट्री में रेयर ही सही कुछ मामले ऐसे हैं, जिसमें देशों ने आईसीजे का फैसला नहीं माना है। उदाहरण के लिए 1991 में सेंट्रल अमेरिकी महाद्वीप के छोटे से देश निकारागुआ के पक्ष में फैसला आया था। निकारागुआ ने आईसीजे में अपील की थी कि अमेरिका ने वहां सरकार के खिलाफ काम करने वाले संगठनों की मदद कर युद्ध छेड़ दिया है। अमेरिका ने वीटो पावर यूज कर डिसीजन मानने से इनकार कर दिया था। आईसीजे के पास कोई डायरेक्ट पावर नहीं है, जिससे वह अपने फैसले को लागू करवा सके, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश इसका फैसला मेंबर होने के नाते मानते हैं। जासूसी मामले में पाकिस्तान ने भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को मौत की सजा सुनवाई थी। भारत ने इस फैसले के खिलाफ आईसीजे में अपील की थी। 17 जुलाई, 2019 को नीदरलैंड के द हेग स्थित इंटनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने मौत की सजा पर रोक लगाते हुए पाकिस्तान को सजा पर पुनर्विचार के लिए कहा था। इतना ही नहीं ये भी कहा था कि वो तब तक कुलभूषण जाधव को फांसी नहीं दे सकता जब तक आईसीजे में मामले की सुनवाई हो रही है। पाकिस्तान ने फैसले को माना और आज भी कुलभूषण जाधव पाकिस्तान की जेल में बंद हैं, उन्हें फांसी नहीं हुई है।

क्या हमारे पूर्व नेवी ऑफिसरों की वापसी संभव है?

पहला कतर की ऊपरी अदालतों में हमारे पूर्व अफसर या उनके वकील साबित कर दें कि वो बेगुनाह हैं तो वापसी संभव है, जिसकी संभावना बेहद कम है। दूसरा इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में अगर हम जाते हैं और ये केस जीत जाते हैं तो ये संभव है। इसका उदाहरण इटली मरींस वाला केस है, जिसमें हमारे दो भारतीय नागरिकों की हत्या करने के बाद भी उन्हें हमें रिहा करना पड़ा था। इटली के नौसैनिकों ने 2012 में केरल तट के पास दो भारतीय मछुआरों की हत्या कर दी थी। इस केस को इटली के जहाज एनरिका लेक्सी के नाम से जाना जाता है। भारतीय की पुलिस ने इटली के दो नौसैनिकों को गिरफ्तार उन पर केस दर्ज कर लिया था। इटली ने इसके खिलाफ 'इंटरनेशनल ट्रिब्यूनल फॉर लॉ ऑफ द सी' में अपील की। वहां इटली ने बताया कि उसे नौसैनिकों को गलतफहमी हो गई थी कि वे मछुआरे समुद्री लुटेरे हैं और उन्होंने गोली चला दी। मामले फैसला आया था कि ये नौसैनिक अपने देश की रक्षा कर रहे थे। ऐसे में इन पर भारतीय कानून के तहत केस नहीं चलाया जा सकता। इस तरह से वे नौसैनिक इस मामले से बरी हो गए थे।

क्या भारत और कतर के रिश्तों में सब कुछ ठीक नहीं?

नवंबर 2008 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की यात्रा के बाद से दोनों देशों के बीच रिश्ते मजबूत हुए हैं। मार्च 2015 में कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमाद अल थानी ने भारत की यात्रा की थी, जबकि 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोहा गए थे। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर अब तक 3 बार कतर का दौरा कर चुके हैं। इससे पहले सुषमा स्वराज 2018 में कतर जाने वाली पहली भारतीय विदेश मंत्री थीं।

पिछले साल जून में दोनों देशों के बीच रिश्तों में पहली बड़ी चुनौती देखने को मिली थी। इस दौरान एक टीवी शो में बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने पैगंबर मोहम्मद को लेकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। कतर पहला देश था जिसने सबसे पहले इस टिप्पणी को लेकर आपत्ति जताई थी। भारतीय राजदूत को भी कतर सरकार ने समन किया था। उस समय तत्कालीन उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू की यात्रा विवादों से घिर गई थी। अमीर द्वारा आयोजित किया जाने वाला दोपहर का भोजन रद्द कर दिया गया था, जिसमें कतर के पक्ष ने रद्द करने के लिए चिकित्सा कारणों का हवाला दिया था। पिछले साल अक्टूबर के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कतर के अमीर से बात कर उनकी दिवाली की बधाई स्वीकार की और फीफा वर्ल्डकप के लिए शुभकामनाएं दी थीं। नवंबर में फीफा के उद्घाटन के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की कतर यात्रा ने यह उम्मीद जगाई थी कि वह जेल में बंद 8 भारतीयों का मुद्दा उठाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

अब जानते हैं नेवी के उन 8 पूर्व अफसरों के बारे में, जिन्हें कतर में मौत की सजा हुई...

1. **कैप्टन नवतेज सिंह गिलः** कैप्टन नवतेज सिंह गिल चंडीगढ़ के हैं। उनके पिता आर्मी के रिटायर्ड अफसर हैं। वे देश के फेमस डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन, तमिलनाडु में इंस्ट्रक्टर रह चुके हैं। उन्हें बेस्ट कैडट रहने पर राष्ट्रपति अवॉर्ड दिया जा चुका है।
2. **कमांडर पूर्णेंदु तिवारीः** नेवी के टॉप ऑफिसर रह चुके हैं। नेविगेशन के एक्सपर्ट हैं। युद्धपोत आईएनएस मगर' को कमांड करते थे। दाहरा कंपनी में मैनेजिंग डायरेक्टर रिटायर्ड कमांडर पूर्णेन्दु तिवारी को भारत और कतर के बीच द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में उनकी सेवाओं के लिए साल 2019 में प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार मिला था। ये पुरस्कार उन्हें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दिया था। वह यह पुरस्कार पाने वाले आर्म्ड फोर्सेज के एक मात्र शख्स हैं।
3. **कमांडर सुगुनाकर पकालाः** 54 वर्षीय सुगुनाकर पकाला विशाखापट्टनम के रहने वाले हैं। नौसैनिक के तौर पर उनका कार्यकाल शानदार रहा है। उन्होंने 18 साल की उम्र में ही नेवी जॉइन की थी। वे नवंबर 2013 में इंडियन नेवी से रिटायर हुए थे। इसे बाद उन्होंने कतर की कंपनी अल दाहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी को जॉइन किया था।
4. **कमांडर संजीव गुप्ता** को गनरी स्पेशलिस्ट के तौर जाना जाता है। कमांडर वो पद होता है जो किसी यूनिट के ऑपरेशन का हेड होता है।
5. **कमांडर अमित नागपाल** नौसेना में कम्युनिकेशन और इलेक्ट्रॉनिक वॉर सिस्टम के एक्सपर्ट हैं।
6 .**कैप्टन सौरभ वशिष्ठ** की पहचान तेज-तर्रार टेक्निकल ऑफिसर के तौर पर होती है। उन्होंने कई मुश्किल ऑपरेशन को अंजाम दिया है।
7. **कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा** को उनके नेविगेशनल एक्सपर्टिज के लिए पहचाना जाता है।
8. **नाविक रागेश नौसेना** में मेनटेनेंस और हेल्पिंग हैंड के रूप में काम करते थे।

घर में सुख समृद्धि लाता है मछलियों का जोड़ा

फेंगशुई के अनुसार,घर में मछली के जोड़े के प्रतीक चिन्ह को घर में लटकाने से घर के सदस्यों के ऊपर आने वाली विपत्तियां टलती हैं। साथ ही परिवार के लोगों में सहनशक्ति अच्छी होती है। आइए विस्तार से जानते हैं घर में मछली के जोड़े लगाना कितना शुभ रहता है।

जो लोग किसी कारणवश एक्वेरियम में मछलियां न रख पाएं, उनके लिए मछलियों का प्रतीक चिन्ह फेंगशुई के अनुसार घर में रखना बेहद कारगर रहता है। धातु के बने मछली को कछुए के साथ घर में रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर से जुड़ी सभी समस्याएं खत्म होने लगती हैं।

फेंगशुई के अनुसार मछली के जोड़े के प्रतीक चिन्ह को घर में लटकाने से घर के सदस्यों के ऊपर आने वाली विपत्तियां टलती हैं एवं घर में धन-संपत्ति के आगमन में निरंतरता बनी रहती है। जिन परिवारों में अकारण तनातनी या क्लेश रहता है, वहां पर अगर बृहस्पतिवार के दिन धातु की सुनहरी मछलियों के जोड़ों का प्रतीक चिन्ह पूर्व-उत्तर दिशा जिसे ईशान कोण कहते हैं, में लटकाया जाए, तो परिवार के सदस्यों में सहनशक्ति में वृद्धि होती है, पारिवारिक झगड़े समाप्त होने लगते हैं। वातावरण में पर्याप्त शांति के लिए मछली के प्रतीक चिन्हों का प्रयोग किया जाता है। मछली अपार सम्पति का सूचक होने के कारण इसके प्रतीक चिन्ह को अनादिकाल से सुख-समृद्धि के प्रतीक के रूप में अंकित किया जाता है। जहां ग्रहों के प्रभाव से घर-कार्यालय में मछलियों के जोड़े के प्रतीक चिन्ह को लटकाने से सौभाग्य में वृद्धि होती है, वहीं वास्तुशास्त्र एवं फेंगशुई के अनुसार मछलियों का जोड़ा घर-कार्यालय की घर के सदस्यों को विपत्ति से बचाती है

मछली – जल में रहने वाली मछली का प्रतिरूप आकाश में तारों के माध्यम से मीन राशि के रूप में प्रदर्शित होता है। तारों से मिलकर बनने वाली आकृति दो मछलियों के जोड़ों को दर्शाती है जिसे ज्योतिष शास्त्र में मीन राशि की संज्ञा दी गई है। मीन राशि का नियंत्रण राशि स्वामी के रूप में देवताओं के गुरू बृहस्पति के पास है। देवगुरू बृहस्पति को शुभ ग्रह माना गया है, जिसके प्रभाव से व्यक्ति ज्ञानवान होकर सुख-समृद्धि, मान-सम्मान, समाज में प्रतिष्ठा अर्जित करता है। शुभता के लिए मछली के जोड़े का प्रतीक चिन्ह बृहस्पतिवार के दिन घर-कार्यालय में टांगा जाए तो यह और भी प्रभावशाली परिणाम प्रदान करता है। वास्तु-फेंगशुई में मछली को खुशहाली से जोड़ा जाता है और यदि यह चिन्ह जोड़े में हो तो और भी अच्छा है। वास्तुशास्त्र के अनुसर मछली के जोड़े प्रतीक चिन्ह को सही दिशा में टांगने से सकारात्मक प्रभाव शीघ्र ही प्राप्त होने लगता है। पूर्व दिशा अथवा उत्तर दिशा अथवा पूर्व और उत्तर के मध्य की दिशा, ईशान कोण में मछली के जोड़ों को लटकाने से घर के सदस्यों का भाग्योदय, दुकान में लटकाने से दुकानदार की आय में वृद्धि होती है एवं कार्यालय में इसका प्रयोग उन्नतिकारक होता है।

धन और मछली का जोड़ा – धन लक्ष्मी जल की तरह चलायमान है, शास्त्रों में लक्ष्मी को चंचला कहा गया है। मछली जल से जुड़ी होने के कारण एवं भगवान विष्णु के मत्स्य अवतार का स्वरूप होने के कारण धन सम्पति को शीघ्र आकर्षित करती है। मछली का जोड़ा रूके या स्थगित कार्य को पानी के बहाव की तरह पूर्ण करने लगता है।

मछली का जीवन जल से है,जब इसके प्रतीक को घर, दुकान, कार्यालय में वायु तत्व, हवा में लटकाया जाता है तो वायु तत्व के माध्यम से जल तत्व से संबंधित शांति, उस जगह की उर्जा में प्रवाहित होने लगती है, जिससे वातावरण निरन्तर प्रगतिशील बना रहता है।

हिन्दु धर्मशास्त्रों में वर्णित है कि भगवान नारायण श्री हरि विष्णु मत्स्य अवतार लेकर पृथ्वी पर अवतरित हुए। धन की देवी लक्ष्मी भगवान विष्णु की पत्नी हैं, इसलिए मछलियों की किसी भी प्रकार से सेवा अथवा मछलियों से सम्बन्धित उपाय करने से धन संबंधित भाग्य प्रबल होने लगता है। मछलियों के जोड़ा के शुभ प्रभाव के कारण घर-परिवार में आने वाली बाधाएं स्वतः दूर होने लगती हैं। भोजपत्र पर भगवान राम का नाम लिखकर आटे की गोली बनाकर मछलियों को खिलाने की परम्परा अनादिकाल से चली आ रही है। आप भी अपने कष्टों से मुक्ति के लिए प्रतिदिन भोजनपत्र पर राम का नाम लिखकर आटे की गोली बनाकर किसी आस-पास की नदी-तालाब में अवश्य डालें।

800 साल पुराना ललेची माता का मंदिर

यौवन और वृद्धावस्था की एक साथ होती है पूजा

पहाड़ चीरकर प्रकट हुई थी ललेची माता

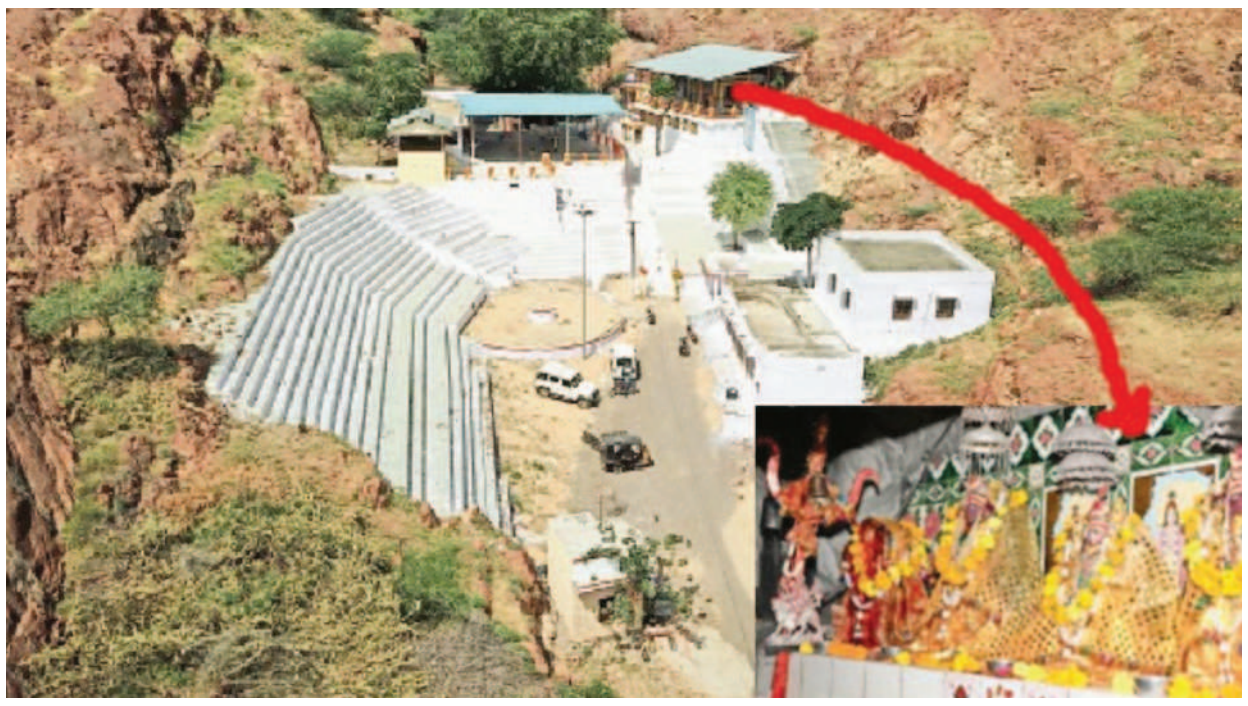

पश्चिम राजस्थान का सरहदी बाड़मेर जिला बरसों से धार्मिक नगरी के रूप में पहचान कायम किए हुए है। समदड़ी कस्बे में करीब 800 साल पुराना ललेची माता का मंदिर लोगों के लिए आस्था का केंद्र बना हुआ है। ऐसा माना जाता है कि 800 वर्ष पूर्व धुमड़ा से दोनों पहाड़ों के बीच चीरकर मां ललेची प्रकट हुई थीं।

कहा जाता है कि 800 साल पहले बालोतरा के समदड़ी कस्बे में एक गर्जना कि ललकार से पहाड़ो को चीरकर ललेची माता प्रकट हुई। यहां नवरात्रि में 9 दिन तक गरबो की धूम रहती है। जब माताजी प्रकट हुई तब समदड़ी व उसके आसपास जबरदस्त गर्जना हुई। उस गर्जना की ललकार के कारण माता का नाम ललेची माता पड़ गया।

इतना ही नही वह सुरंग आज भी ललेची माताजी की प्रतिमा के पास से होकर जालोर जिले के भाद्राजून में स्थित धूमड़ा माता मंदिर तक पहुंचती है। इस मंदिर में नवरात्रि में हर साल गरबा होता है, जिसे देखने समदड़ी व आसपास के गांवों से हुजूम उमड़ता है। पहाड़ी पर जहां तक नजर जाती है, वहां तक लोग ही लोग नजर आते हैं। ऐसा माना जाता है कि 800 वर्ष पूर्व धुमड़ा से दोनों पहाड़ों के बीच चीरकर मां ललेची प्रगट हुई थीं। माता के तीन रूपों की प्रतिमाएं पहाड़ में विराजमान हैं, जिनकी पूजा की जाती है। उसके पास से गुफा है, जो धुमड़ा तक जाती है।

पुजारी मोहन सिंह राजपुरोहित बताते हैं कि ललेची माता की तीन प्रतिमाएं यहां कुदरती प्रकट हुई है तब से तीनो रूपों की पूजा की जाती है। तीनों ही प्रतिमाओं के अलग-अलग रूप है। सबसे खास बात यह है कि पश्चिम राजस्थान का इकलौता ऐसा मन्दिर है जहां एक साथ रूपों की पूजा की जाती है। यहां माता के बाल अवस्था, यौवन अवस्था व बुजुर्ग अवस्था की एक साथ पूजा की जाती है।

पैर में हों ये निशान तो व्यक्ति होता है बहुत ही भाग्यशाली

हाथ की रेखाओं को लोग ज्यादा महत्व देते हैं, लेकिन अन्य शारीरिक लक्षणों से भी भविष्य की घटनाओं के बारे में जान सकते हैं। पैरों की बनावट, उनके रंग, आकार और उन पर स्थित चिह्नों को देखकर व्यक्ति के स्वभाव और उसके भविष्य के बारे में जा सकते हैं। आइए आपको ऐसे कुछ खास निशान और पैरों के आकार के बारे में बताते हैं ये खास बातें।

- तलवे गुलाबी आभा लिए हों या रक्त की तरह लाल आभायुक्त हों, तो ऐसे व्यक्ति के भाग्य में जीवन की सभी सुख-सुविधाएं होती हैं, वह उच्च पद पाता है।
- पैर में कलश, कमल, पंखा, शंख, छत्र, धनुष, रथ, भौंरा, सूर्य, चंद्रमा, ध्वजा, गदा, मीन, बाण आदि चिह्न हों तो वह व्यक्ति अत्यन्त ही भाग्यशाली होता है।
- पैरों की अंगुलियां बराबर, कुछ दाहिनी ओर झुकी हुई, मुलायम, परस्पर मिली हुई उन्नत, आगे से गोल तथा देखने में चिकनी और चमकदार मालूम हो तो ऐसा व्यक्ति बहुत ऐश्वर्यशाली होता है।
- चलते समय जिन स्त्रियों के पैर के तलवे भूमि से अच्छी तरह स्पर्श करें और रंग में लाल कमल के समान हों, तो ऐसे चरणों से युक्त स्त्री धन व ऐश्वर्यवान होती हैं। जीवन में किसी भी वस्तु की कमी नहीं होती। ऐसे शुभ लक्षणों से युक्त कन्या से विवाह करने वाला व्यक्ति विवाह के बाद राजा के समान सुखी जीवन व्यतीत करता है।
- एड़ी गोलाकार, नरम और सुंदर हो तो ऐसे व्यक्ति का जीवन हर तरह के ऐश्वर्य और सुख से भरा होता है। बड़ी एड़ी वाले स्त्री-पुरुष दीर्घायु माने गए हैं।
- पैर का अंगूठा चपटा, कटा-फटा, टेढ़ा, रूखा या बहुत छोटा हो तो उक्त लक्षण अशुभ होते हैं।
- जिस पुरुष के पैर आगे बहुत चौड़े और पीछे बहुत सिकुड़े हो, या दूर-दूर अंगुलियों के लक्षणों के साथ पैरों में नसों का जाल दिखाई दे वह अशुभ माना जाता है, प्रायः उसके भाग्य में दुःख ज्यादा होता है।
- पैर के पृष्ठ और तलवे वाले दोनों भागों पर पसीना आना शुभ लक्षण नहीं होता है। पृष्ठ भाग पर ज्यादा बालों का होना भी अशुभ लक्षण ही हैं।

क्या कुंवारी लड़कियां कर सकती है करवा चौथ का व्रत?

करवा चौथ 1 नवंबर को है। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखेंगी। करवा चौथ का सनातन धर्म में बहुत महत्व है। पंचांग के मुताबिक, प्रत्येक वर्ष कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन यह पर्व मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए निर्जला व्रत रखती है। इस पर्व में चंद्रमा का बहुत महत्व है। महिलाएं दिन भर व्रत रखकर शाम में पूजा के पश्चात चांद देखकर ही अपना व्रत तोड़ती है। वही कई जगहों पर कुंवारी लड़कियां भी करवा चौथ का व्रत रखती हैं, ऐसे में सवाल यह उठता है कि बिना शादी किए लड़कियां व्रत रख सकती हैं? तो आइए आपको बताते हैं इसका जवाब।

ज्योतिष जानकारों के मुताबिक, सुहागिन स्त्रियों के साथ कुंवारी लड़किया भी करवा चौथ का व्रत रख सकती हैं। अविवाहित लड़कियां अपने प्रेमी या मंगेतर जिसे अपना जीवनसाथी मान चुकी हैं, उनके लिए यह व्रत रख सकती हैं, किन्तु कुंवारी लड़कियों के लिए करवा चौथ के व्रत का नियम अलग हैं। ऐसे में यदि आपकी भी शादी नहीं हुई है तथा करवा चौथ का व्रत रखने जा रही हैं, तो ये नियम अवश्य जान लें।

करवा चौथ पर कुंवारी लड़कियां इन नियमों का करें पालनः-

* धार्मिक मान्यता के मुताबिक, कुंवारी लड़कियां करवा चौथ के दिन निर्जला व्रत करने की जगह फलहार व्रत रख सकती हैं।
* विवाहित स्त्रियां करवा चौथ व्रत में भगवान शिव-पार्वती, चंद्रमा, गणेश तथा कार्तिकेय जी का पूजन करती हैं, लेकिन यदि अविवाहित लड़कियां इस व्रत को रख रही हैं, तो उन्हें सिर्फ भगवान महादेव और मां पार्वती की पूजा करनी चाहिए तथा माता करवा की कथा सुननी चाहिए।
* करवा चौथ व्रत में सुहागिन स्त्रियां रात में छलनी का प्रयोग कर के चांद को अर्ध्य देती हैं, मगर वहीं कुंवारी कन्याएं इस व्रत में बिना छलनी का उपयोग किए ही चंद्रमा भगवान का पूजा कर सकती हैं तथा व्रत का पारण भी कर सकती हैं।

वास्तु के इन नियमों को मानने से घर में होता है माँ लक्ष्मी का वास

तुलसी का पौधा रखना- वास्तु शास्त्र में कुछ पौधों को घर में रखना बहुत शुभ माना जाता है। इसमें तुलसी का अहम स्थान है। वास्तु के अनुसार हर घर में तुलसी का पेड़ जरूर होना चाहिए. माना जाता है कि जिन घरों में तुलसी का पौधा होता है, वहाँ पर खुशहाली रहती है। घर की लक्ष्मी को हर दिन शाम के समय तुलसी के पास घी का दीपक जरूर जलाना चाहिए। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है।

कपूर जलाकर करें आरती- अपने पूजा स्थल पर हर दिन घी का दीपक जरूर जलाना चाहिए। इसके अलावा शाम के समय कपूर जलाकर आरती करनी चाहिए। इस उपाय को करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा

बढ़ने लगती है और नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है।

मुख्य द्वार के सामने न रखें झाड़ू- वास्तु के अनुसार कभी भी घर के मुख्य द्वार के सामने झाड़ू नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से माता लक्ष्मी रूठ जाती हैं और उस घर में दरिद्रता आती है। जिस घर के सदस्यों से माता लक्ष्मी नाराज रहती हैं वहाँ कभी भी सुख-शांति नहीं आती है।

कमरे या टेबल न छोड़े झूठे बर्तन

खाना खाने के बाद जूठे बर्तन कमरे या डाइनिंग टेबल पर कभी नहीं छोड़ने चाहिए। भोजन करने के बाद झूठे बर्तन धुलने के स्थान पर ही रखने चाहिए। रात भर जूठे बर्तन छोड़ने से घर में कंगाली आती है। माना जाता है कि इससे पूर्वज नाराज हो जाते हैं और घर का सुख चैन समाप्त हो जाता है।

घर के बाहर रखने चाहिए जूते-चप्पल

जूते-चप्पल हमेशा घर के बाहर निकालने के बाद ही अंदर प्रवेश करना चाहिए। बाहर से आने पर जूते-चप्पल का एक निश्चित स्थान होना चाहिए। कभी भी भूल कर भी जूते पहन कर बेडरूम तक नहीं जाना चाहिए। माना जाता है कि इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है।

इन चीजों को पर्स में रखने से कभी खाली नहीं होता, हमेशा रुपया रहता है पास

धन की इच्छा हर इंसान को होती हैं जो उसकी जरूरतों को पूरा करती है। इसके लिए इंसान कड़ी मेहनत करता है। लेकिन कई बार हालात ऐसे बनते हैं कि मेहनत के बावजूद व्यक्ति के पर्स में पैसे नहीं रहते हैं।

चांदी का सिक्का रखें- अगर संभव हो सके तो अपने पर्स में एक चांदी का सिक्का रखें। ध्यान रहे, उस सिक्के पर लक्ष्मी-गणेश अंकित हों। यह आपके लिए लाभदायक होगा। लक्ष्मी गणेश शुभ और लाभ के प्रतीक माने जाते हैं जो आपके धन को अपव्यय होने से रोकने में सहायक होंगे।

पर्स को कभी न रखें खाली- पर्स को कभी भी पूरी तरह खाली नहीं होने दें। हमेशा एक रुपए का सिक्का बचाकर रखें। पर्स पूरी तरह से खाली होने पर नकारात्मकता उत्पन्न करता है और बार-बार आपका पर्स पूरी तरह से खाली होता रहता है।

चावल- महालक्ष्मी को चढ़ाएं चावल को कागज की पुड़िया में बांधकर पर्स में रखने से भी धन संबंधी समस्या दूर होती है। ऐसा करने से शुक्र ग्रह और माता लक्ष्मी से संबंधित अनुकूल फल प्राप्त होते हैं। साथ ही सुख और धन संपत्ति में बढोतरी होती है।

मां लक्ष्मी की तस्वीर- आप पर्स में एक मां लक्ष्मी की तस्वीर भी जरुर रखें। आप मां लक्ष्मी की ऐसी तस्वीर रखें, जिसमें वह बैठी हुई मुद्रा में हो, इससे भी आपको कभी भी पैसे की कमी नहीं होगी। महालक्ष्मी की कृपा पाने के लिए पर्स में श्रीयंत्र भी रख सकते हैं। श्रीयंत्र को पर्स में रखने से शुभ फल प्राप्त होता है। श्रीयंत्र को माता लक्ष्मी का स्वरूप भी माना गया है।

सोने-चांदी का सिक्का- वास्तु शास्त्र के मुताबिक, आपको पर्स में सोने या चांदी का सिक्का जरुर रखना चाहिए। लेकिन इस बात का भी विशेष ध्यान रखें कि सिक्का पर्स में रखने से पहले मां लक्ष्मी को जरुर अर्पित करें। इससे मां लक्ष्मी की कृपा आप पर हमेशा बनी रहेगी।

गोमती चक्र- आप अपने पर्स में मां लक्ष्मी से संबंधित गोमती चक्र, समुद्री कौड़ी, कमल गट्टे आदि भी रख सकते हैं। इनमें से कोई भी चीज पर्स में रखने से पहले थोड़ी देर मां लक्ष्मी के चरणों में रखें।

पीपल का पत्ता- पीपल के पत्ते को पर्स में रखने से भी धन की प्राप्ति होती है। लेकिन एक बात का ध्यान अवश्य रखें कि पीपल के पत्ते खंडित ना हो। पीपल के पत्ते को पर्स में रखने से पहले उसकी विधिवत पूजा करें अर्थात पीपल के पत्ते पर कुमकुम या रोली से श्रीयंत्र लिखें। पीपल के पत्ते को शनिवार के दिन पर्स में रखना सबसे उत्तम होता है। इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि पीपल के पत्ते को पर्स में ऐसी जगह रखें कि यह किसी को नजर ना आए।

शीशा- शास्त्रों के मुताबिक, पर्स में शीशे का एक छोटा टुकड़ा भी जरुर रखना चाहिए। इससे आपके पर्स में हमेशा पैसा रहेगा और कभी भी पर्स खाली नहीं होगा। शीशे के अलावा आप पर्स में गोमती चक्र भी रख सकते हैं।

रखें लाल रंग का कागज- लाल रंग का कागज भी रखना बहुत सहायक माना जाता है। इस कागज में अपनी कोई इच्छा लिखकर उशे रेशमी धागे से बांध कर पर्स में रखें। इससे आपकी इच्छा जरुर पूरी होगी और मां लक्ष्मी की कृपा भी आप पर बनी रहेगी।

दिल्ली एनसीआर ही नहीं इन शहरों में भी प्रदूषण से बेहाल हैं लोग, इतनी कम हो रही है उम्र

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। 'सिगरेट पीना सेहत के लिए हानिकारक है', लेकिन अगर आप दिल्ली-एनसीआर में रहते हैं और ये सोचकर बेफिक्र हैं कि आप नॉन स्मोकर हैं। सिगरेट नहीं पीते इसलिए आपके लंग्स पूरी तरह सेफ हैं तो जान लीजिए ये आपकी गलतफहमी है। क्योंकि दिल्ली की हवा इतनी जहरीली हो चुकी है कि इसमें सांस लेना ही एक दिन में 20 से ज्यादा सिगरेट पीने के बराबर है। बात डरावनी जरूर लग सकती है। लेकिन ये कड़वा सच है। दिल्ली-एनसीआर में एकबार फिर प्रदूषण विस्फोटक हो चुका है। हर तरफ पराली का जहर हवा में घुल रहा है। देश की राजधानी दिल्ली का एक्यूआई लेवल एकबार फिर 300 से काफी ऊपर है। जो आपके लंग्स से लेकर हार्ट, आंख, लिवर, किडनी, पैनक्रियाज को बीमार कर रहा है। वैसे ये परेशानी सिर्फ दिल्ली-मुंबई की ही नहीं है। छोटे शहरों में एयर पॉल्यूशन बढ़ने की रफ्तार पहले ही काफी ज्यादा है। मतलब ये कि जल्दी ही छोटे शहर भी खराब हवा और बेहद खराब हवा के जौन में आने वाले है। वैसे आपको बता दें सांस लेने के लिए जो हवा अच्छी मानी जाती है उसका एक्यूआई लेवल 50 से कम होना चाहिए। जबकि 300 से ज्यादा का लेवल बहुत खराब माना जाता है। कुछ जगहों को छोड़ दें तो देश में करीब-करीब ज्यादातर जगहों की हवा खराब ही रजिस्टर हो रही है। खासकर सर्दी के मौसम में हवा और ज्यादा खराब हो जाती है। यही वजह है कि प्रदूषण से लोगों की एवरेज एज भी कम हो रही है। जब हर मौसम में किसी ना किसी वजह से बीमार पड़ेंगे तो उम्र क्यों नहीं घटेगी। सर्दी अभी ठीक से आई भी नहीं है और दिल्ली के हॉस्पिटल्स में रेस्पिरेटरी प्रॉब्लम के मामले अचानक 20% बढ़ गए हैं। लोग एलर्जी की परेशानी, सांस लेने में दिक्कत, मूड स्विंग-एंग्जायटी की शिकायत लेकर आ रहे हैं। दिल्ली ही नहीं नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहरो में भी वायु प्रदूषण खतरनाक लेवल पर पहुंच चुका है। डब्ल्यूएचओ की माने तो 300 से ऊपर एक्यूआई फेफड़ों के लिए घातक होता है। पिछले कुछ सालों में 63% भारतीय पीएम-2.5 पॉल्यूशन की गंभीर जद में आ चुके हैं। छोटे शहर जैसे भोपाल (75%) इंदौर (74%) रायपुर (58%) रांची (95%) का भी बुरा हाल है। मीटर की तरह एनिमेटेड प्रदूषण के लेवल को अलग अलग रंगो जैसे ग्रीन, येलो और रेड पर मापा जाता है। एयर क्वालिटी इंडेक्स अगर 0-50 के बीच है तो ये बेहतर है। अगर 51-100 के बीच है तो संतोषजनक है। 101 से 200 के बीच नॉर्मल है। 201 से 300 के बीच खराब और 301 से 400 के बीच बहुत खराब माना जाता है। 401 से 500 के बीच गंभीर हो जाता है।

स्मॉग से घट रही है उम्र

प्रदूषण की वजह से दिल्ली एनसीआर में रहने वाले लोगों की उन 10 साल कम हो रही है। वहीं जो लोग उत्तर भारत में रहते हैं उनकी 7 साल तक कम हो रही है। दक्षिण भारत में प्रदूषण की वजह से लोगों की औसत आयु 5 साल तक कम हो रही है। प्रदूषण से हर साल 20 लाख लोगों की मौत हो रही है। पूरी दुनिया में हर हर साल 70 लाख लोगों की मौत की वजह प्रदूषण होती है।

बेटी को मौत से बचाने के लिए यमन जाने देने की मांग मां की याचिका पर अदालत ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल की एक महिला ने अपनी बेटी को मौत की सजा से बचाने के लिए यमन जाने देने की मांग की है। महिला की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। बता दें कि महिला की बेटी को यमन में वहां के एक नागरिक की हत्या के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई है। महिला अपनी बेटी को बचाने की कोशिश करना चाहती है और इसके लिए वह यमन जाना जाने की तैयारी कर रही है। हालांकि यमन जाने पर भारत सरकार ने प्रतिबंध लगाया हुआ है। जिसके कारण महिला को यमन जाने में परेशानी हो रही है। महिला की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश सुब्रमण्यम प्रसाद ने केंद्र के वकील से दो हफ्ते में यथास्थिति को लेकर रिपोर्ट देने को कहा है। कोर्ट अब 16 नवंबर को इस मामले पर सुनवाई करेगा। बता दें कि यह याचिका प्रेमा कुमारी ने दायर की है, जिनकी बेटी निमिषा प्रिया यमन की जेल में बंद है। निमिषा पेशे से नर्स है और नौकरी के सिलसिले में यमन गई थी। निमिषा पर आरोप है कि उसने साल 2017 में यमन के रहने वाले तलाल अब्दो माहदी को दवाई की ओवरडोज देकर मार डाला था। दरअसल निमिषा का पासपोर्ट तलाल के पास जमा था और पासपोर्ट पाने के लिए ही निमिषा प्रिया ने तलाल को दवाई की ओवरडोज देकर मार डाला। साल 2020 में निमिषा को मौत की सजा सुनाई गई। सुनवाई के दौरान निमिषा ने कोर्ट को बताया कि तलाल ने फर्जी दस्तावेज बनाकर उसे अपनी पत्नी साबित कर दिया था और उसे प्रताड़ित करता था। निमिषा भागकर भारत ना आ जाए, इसके लिए तलाल ने निमिषा का पासपोर्ट अपने पास रख लिया था। निमिषा को बचाने का अब एकमात्र तरीका तलाल के परिवार को उसकी हत्या के बदले में ब्लड मनी देकर निमिषा की सजा माफ कराने का ही है। यही वजह है कि प्रेमा कुमारी ने यमन जाने देने के लिए सरकार से मदद मांगी है और साथ ही भारत सरकार से तलाल के परिजनों से मुलाकात की व्यवस्था कराने और कूटनीतिक प्रयास करने की भी मांग की है।

कोर्ट को लाल आंखें दिखा रहे वकील की हरकत पर इतने नाराज हुए जज कि फौरन दी सजा

कोलकाता, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट एक वकील पर इतना नाराज हुआ कि उसे कड़ी फटकार तो लगाई ही। साथ ही 50000 का जुर्माना भी लगा दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि वकील अदालत को लाल आंखें दिखा रहा था और गाली दी। आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के मुताबिक कलकत्ता हाईकोर्ट की सिंगल जज की बेंच एक रिट पिटीशन पर सुनवाई कर रही थी। इसी दौरान पूरा वाकया हुआ। हाईकोर्ट जब मामले की सुनवाई के लिए बैठा तो 16 अक्टूबर के उस आदेश का भी संज्ञान लिया, जिसमें जस्टिस बिबेक चौधरी ने कहा था कि इस रिट पिटीशन की सुनवाई जस्टिस सुवरा घोष द्वारा की जानी चाहिए। इसके बाद हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता को जस्टिस बिबेक चौधरी के इस आदेश का पालन करना चाहिए और जस्टिस सुवरा घोष ही इस मामले की सुनवाई करें। इस आदेश के बाद हाईकोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता की तरफ से पेश वकील ने अदालत के लिए अभद्र भाषा और गाली-गलौज का इस्तेमाल किया और लाल आंखें दिखाने लगे। इसके बाद जस्टिस काफी नाराज हो गए।

लगा दिया जुर्माना

वकील के अपमानजनक व्यवहार से नाराज जज ने उन पर 50000 रुपये का जुर्माना लगा दिया और इस रकम को हाई कोर्ट लीगल ऐड सर्विसेज अथॉरिटीज के पास जमा करने को कहा है।

दिल्ली में बदमाशों के हौसले बुलंद: घर में घुसकर युवती की गोली मारकर की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के जैतपुर थाना इलाके में एक युवती की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। बैखोफ बदमाशों ने घर में घुसकर 24 वर्षीय युवती को गोली मारी। गोली मारकर बदमाश मौके से फरार हो गए। युवती को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस बीच वारदात की सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है।

मेरी पत्नी का बॉयफ्रेंड है' लिख युवक ने 5 साल के बेटे संग खाया जहर, फिर ऐसे उजड़ा परिवार

यमुनानगर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के यमुनानगर में एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के चक्कर में पूरा परिवार उजड़ गया। यहां पति-पत्नी ने जहर खाकर जान दे दी, वहीं पांच साल के बेटे की हालत नाजुक है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। इस पूरे मामले की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार, यह मामला हरियाणा के यमुनानगर का है। जोगिंदर नगर निवासी 35 साल का अरविंद कुमार निजी कंपनी में जॉब करता था। उसने वॉट्सएप, इंस्टाग्राम पर अपनी पत्नी और पत्नी के प्रेमी के बीच की आपत्तिजनक चैट देख ली थी। इसके बाद अरविंद खतरनाक कदम उठा लिया। उसने पहले अपने पांच साल के बेटे को जहर दिया, फिर खुद भी निगल लिया। महिला ने प्रेमी संग मिलकर डेढ़ लाख में हायर किए शूटर, पति को मरवा दी गोली इसके बाद अरविंद की पत्नी सीमा जब बाहर से घर पहुंची तो उसे घटना का पता चला। इस पर सीमा ने घर पर रखा जहर यह कहते हुए उठा लिया कि यह जहर डॉक्टर ने मंगवाया है।

बीजेपी विधायक श्रीरूपा मित्रा चौधरी की कार पर हमला, बोलीं- टीएमसी के गुंडों ने क्षति पहुंचाई

सिलिगुड़ी, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के सिलिगुड़ी में बीजेपी विधायक श्रीरूपा मित्रा चौधरी की कार पर हमला हुआ है। इस हमले में विधायक की कार क्षतिग्रस्त हो गई, जिसका वीडियो भी सामने आया है। बीजेपी विधायक ने इस हमले के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर आरोप लगाया है। श्रीरूपा मित्रा चौधरी ने दावा किया कि शुक्रवार रात मिल्की पुलिस चौकी क्षेत्र के पास टीएमसी के गुंडों ने उनकी कार पर हमला किया।

सौभाग्य से मुझे कोई चोट नहीं आई

उन्होंने बताया, पिछली रात मैं मानेक चौक निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं के घरों का दौरा किया था। वहां से रात करीब 10:45 बजे लौट रही थी। इंग्लिश बाजार इलाके में कार के पीछे से तेज आवाज सुनाई दी। हमने देखा कि कार का पिछला शीशा पूरी तरह से टूट गया था। सौभाग्य से मुझे कोई चोट नहीं आई। मेरी सिक्योरिटी ने वहां दो लोगों को पकड़ लिया। मेरे साथ मौजूद पीएसओ ने कहा कि बाइक पर 4 लोग थे, जिन्होंने कार को टक्कर मारी और उनमें से दो भाग निकले। पुलिस मौके पर पहुंची। पकड़े गए लोगों में से एक के पिता भी वहां आए। उनका नाम मुदस्सिर रहमान था। उन्होंने कहा कि उनके भाई जुएल सिद्दीकी रहमान, जिला परिषद के सदस्य हैं। जुएल के भाई का बेटा हमलावरों में से एक था। उसका नाम रिपोर्ट में है। जुएल सिद्दीकी रहमान टीएमसी के निर्वाचित नेता हैं।

इंग्लिश बाजार से बीजेपी विधायक हैं

विधायक श्रीरूपा मित्रा चौधरी बंगाल के सीमावर्ती मालदा जिले के इंग्लिश बाजार से बीजेपी विधायक हैं। इन्हें निर्भय दीदी के नाम से भी जाना जाता है। श्रीरूपा मित्रा चौधरी एक सामाजिक कार्यकर्ता, महिला अधिकार कार्यकर्ता के साथ पूर्व में पत्रकार रह चुकी हैं। मित्रा मालदा जिले के दक्षिण बालूचर बटला की रहने वाली हैं। वह पोस्ट ग्रेजुएट हैं और उन्होंने 1987 में नॉर्थ बंगाल यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ आर्ट्स की डिग्री ली। उनका विवाह आर।के। मित्रा से हुआ।

श्रीरूपा मित्रा चौधरी का राजनीतिक सफर

श्रीरूपा मित्रा चौधरी ने 2004 में नेशनल लीगल लिटरेसी मिशन की लॉन्चिंग में हिस्सा लिया था। 2008 तक उन्होंने कानून और न्याय मंत्रालय के राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण के राष्ट्रीय सलाहकार के रूप में कार्य किया। 2010 तक वह एनजीओ सुदिनालय की अध्यक्ष रहीं। कोलकाता में निर्भया दीदी के नाम से मशहूर मित्रा बलात्कार पीड़ितों के पुनर्वास और महिलाओं को शौचालय उपलब्ध कराने की योजना में शामिल थीं। उन्होंने 2012 के दिल्ली गैंग रेप के बाद प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा महिलाओं के खिलाफ रेप, तस्करी और हिंसा पर गठित स्पेशल टास्क फोर्स की अध्यक्षता की। दिसंबर 2013 में उन्होंने इस पद से इन अटकलों के बीच इस्तीफा दे दिया कि वह टीएमसी के उम्मीदवार के रूप में मालदा सीट से लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं। मित्रा को 2014 के लोकसभा चुनाव में दक्षिण दिल्ली लोकसभा सीट से टीएमसी के उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया था। 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने बीजेपी के टिकट से मालदा दक्षिण सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन अबू हासेम खान चौधरी से मामूली अंतर से चुनाव हार गईं। इसके बाद 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी के टिकट पर मित्रा ने इंग्लिश बाजार से विधानसभा चुनाव लड़ा और टीएमसी के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को हराकर सीट जीत ली।

महाराष्ट्र की राजनीतिक हलचल को बढ़ा गया फडणवीस का चार साल पुराना वीडियो

मुंबई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र भाजपा ने अपने नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का चार साल पुराना वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने घोषणा की थी कि वह राज्य की कमान संभालेंगे। इस वीडियो के सामने आने के साथ ही राज्य में राजनीतिकअटकलें तेज हो गईं है। हालांकि, दो घंटे बाद पोस्ट को डिलीट कर दिया गया। राज्य भाजपा ने शाम को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, मैं एक नए महाराष्ट्र के निर्माण के लिए वापस आऊंगा। 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले, तत्कालीन मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा था, मी पुन्हा येइन (मैं वापस आऊंगा)। इस टिप्पणी पर कई सोशल मीडिया मीम्स बने। भले ही पोस्ट को डिलीट कर दिया गया हो लेकिन इसकी टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। महाराष्ट्र लगातार राजनीतिक सुर्खियों में बना रहता है। भले ही वहां के मुख्यमंत्री पद की कमान एकनाथ शिंदे के हाथों में हो लेकिन कहीं ना कहीं उनको लेकर चर्चाओं का दौर लगातार जारी रहता है। यही कारण है कि भाजपा बार-बार यह कहती रही है कि एकनाथ शिंदे अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। राज्य में एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री हैं। लेकिन बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी है। भाजपा की बदौलत एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री पद पर बने हुए हैं। जब से अजित पवार शिंदे भाजपा सरकार में शामिल हुए हैं, उसके बाद से मुख्यमंत्री पद को लेकर भी अटकलें का दौरा और तेज हो गया है। फडणवीस अब महाराष्ट्र में दो उपमुख्यमंत्रियों में से एक हैं, दूसरे राकांपा के विद्रोही गुट के अजित पवार हैं। महाराष्ट्र भाजपा के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्ये ने कहा कि शुक्रवार को पोस्ट किए गए वीडियो से कोई अन्य निष्कर्ष निकालने की आवश्यकता नहीं है। पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने दावा किया कि वीडियो एक ''उत्साही' पार्टी कार्यकर्ता ने पोस्ट किया था और उसका गलत मतलब नहीं निकाला चाना चाहिए। बावनकुले ने कहा कि आगामी चुनाव मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

वह लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी की तैयारी के हिस्से के तहत पालघर जिले के दौरे पर थे। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई ने शुक्रवार को फडणवीस का चार वर्ष पुराना एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्हें यह कहते देखा जा सकता है कि वह राज्य का नेतृत्व करने के लिए फिर से लौटेंगे।

इजरायल-हमास युद्ध पर शशि थरूर के बयान पर बवाल! अब कांग्रेस ने रखा अपना पक्ष

तिरुवनंतपुरम, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के कोझिकोड में इंडियन यूनाइटेड मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) की फलस्तीन समर्थक रैली में शशि थरूर ने भाषण दिया था। जिसके बाद थरूर के भाषण की काफी आलोचना की गई थी। इस आलोचना के बाद कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने शशि थरूर का समर्थन किया है। मीडिया से बात करते हुए रमेश चेन्निथला ने कहा कि थरूर ने अच्छे इरादे से मुस्लिम लीग के कार्यक्रम में हिस्सा लिया, मैं मुस्लिम लीग को उनके एकजुटता मार्च के लिए बधाई देता हूं। मीडिया ने एक वाक्य उठाया और शशि थरूर की आलोचना की। लेकिन इसके बाद उन्होंने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। मुझे नहीं लगता कि इस मामले पर और कुछ करने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस का रुख बिल्कुल स्पष्ट है, हम गाजा में पीड़ित लोगों के साथ हैं। वहां कोई ईंधन नहीं है, अस्पताल ठप हैं और महिलाओं और बच्चों पर हमले हुए हैं। यह सही नहीं है। फलस्तीन के लोगों को विश्व समुदाय से समर्थन की आवश्यकता है। थरूर ने एक रैली में हमास को एक आतंकवादी समूह बताया और कहा कि 7 अक्टूबर के हमले के जवाब में इजरायल द्वारा गाजा में चल रहे हवाई हमले अनुपातहीन थे। साल 2008 के बाद से इस क्षेत्र में अपनी जान गंवाने वाले लोगों की तुलना में पिछले 19 दिनों में अधिक संख्या में फलस्तीनी लोग मारे गए हैं। थरूर ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा, मैं तब भी और अब भी फलस्तीनी लोगों के साथ हूं। मेरा भाषण सुनने वाले किसी भी व्यक्ति को यह नहीं लगेगा कि यह इजरायल के पक्ष में दिया गया भाषण है। अगर 32 मिनट के भाषण में मुझ पर हमला करने के लिए सिर्फ एक शब्द को हाईलाइट किया गया तो इस पूरे विवाद में मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है। राज्य में केरलीयम परियोजना पर आगे बोलते हुए, रमेश चेन्निथला ने राज्य सरकार से इस तरह की गतिविधि को रोकने का अनुरोध किया, जिससे जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार होने वाला है। रमेश चेन्निथला ने कहा, राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई केरलीयम परियोजना लोगों के पैसे का उपयोग करके प्रचारित की गई है। यह एक राजनीतिक प्रचार है। केरल की जनता इस बात को समझ चुकी है। यह पूर्ण भ्रष्टाचार है और केवल पार्टी के लोगों की मदद के लिए है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री और अन्य नेताओं का 140 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा चुनाव प्रचार का एक कदम मात्र है। इसे उचित नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि वे सत्ता का दुरुपयोग कर रहे हैं। मैं राज्य सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह इस तरह की गतिविधि को वापस ले जिससे जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार होता है। केरलियम परियोजना 1 नवंबर को शुरू होगी और 7 नवंबर तक चलेगी। यह राज्य की सभी उपलब्धियों और विरासत को दुनिया के सामने पेश करेगी।

मणिपुर हिंसा की जांच में रोड़ा बन रही अफसरों की कमी, एक अधिकारी कर रहा 500 मामलों की निगरानी

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। मणिपुर में कुछ माह पूर्व हुई हिंसा की जांच के लिए दिल्ली समेत छह राज्यों से 14 आईपीएस और छह इंस्पेक्टरों को भेजा गया है। वहां बनाई गईं 42 एसआईटी 3 हजार मुकदमों की जांच कर रही हैं, लेकिन बेहतर ढंग से जांच करने में अधिकारियों की कमी आड़े आ रही है। जांच से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि इस संख्या बल के अनुसार, एक इंस्पेक्टर पर 7 एसआईटी यानी करीब 500 केसों की निगरानी करने की जिम्मेदारी है, जो व्यावहारिक नहीं है।

एक इंस्पेक्टर पर 500 मुकदमे होने पर जांच में होगी परेशानी

मणिपुर हिंसा की जांच सीबीआई को सौंपे जाने पर केंद्र सरकार ने दिल्ली, महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड, राजस्थान और मध्य प्रदेश से 14 आईपीएस (डीसीपी व एसपी रैंक) व छह इंस्पेक्टरों को जांच में मदद के लिए भेजा है। ये अधिकारी एसआईटी जांच की निगरानी करेंगे। दिल्ली से सबसे अधिक तीन आईपीएस हरेंद्र कुमार सिंह, श्वेता चौहान और ईशा पांडे का जांच के लिए चयन किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि एक आईपीएस तीन एसआईटी की निगरानी तो कर सकते हैं, लेकिन एक इंस्पेक्टर को सात एसआईटी की निगरानी करने में दिक्कत आ सकती है, क्योंकि एक इंस्पेक्टर के जिम्मे 500 मुकदमे होंगे। इससे कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

भाषा को लेकर हो रही दिक्कत

मणिपुर में हुई हिंसा में चर्च और अन्य धार्मिक स्थलों, घरों, दुकानों और कार्यालयों में आग लगा दी गई थी। बड़ी संख्या में लोगों की हत्या कर दी गई, लोगों को जिंदा जला दिया गया, लूटपाट, दुष्कर्म और छेड़खानी की घटनाएं हुईं। लोगों को गंभीर चोट पहुंचाई गई। इससे संबंधित मुकदमे दर्ज किए गए हैं। जांच के लिए चार श्रेणी बनाई गई है। दिल्ली से गए एक पुलिस अधिकारी का कहना है कि वहां भाषाई दिक्कत है। स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं है। दोनों समुदाय एक-दूसरे को दुश्मन की नजर से देख रहे हैं। लोगों में अब भी भय का माहौल है। बड़ी संख्या में लोग राहत शिविर में रह रहे हैं। इलाका भी एक जैसा नहीं है, कहीं मैदानी तो कहीं पहाड़ी क्षेत्र है। इसके लिए इंस्पेक्टरों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ही मणिपुर हिंसा की जांच के लिए दूसरे राज्यों से अधिकारियों को भेजा गया है।

एमपी-राजस्थान के चुनाव से पहले कर्नाटक में बड़ी हलचल, शिवकुमार के इस बयान से मची खलबली

भोपाल, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव से पहले कर्नाटक में राजनीतिक हलचल तेज हो रही है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के एक बयान से कांग्रेस आलाकमान के भी पसीने छूट सकते हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार को गिराने के लिए साजिशें चल रही है। बड़े स्तर की साजिश। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया लेकिन कहा कि वे कामयाब नहीं होंगे। राज्य में माना जा रहा है कि सीएम और डिप्टी सीएम के बीच कुछ मतभेद चल रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बीते दिन मुख्यमंत्री सिद्धारमैया राज्य सरकार में गृह मंत्री जी परमेश्वरा और अन्य मंत्रियों के साथ डिनर पर थे, जिसको लेकर राज्य में सियासत तेज है। कहा जा रहा है कि सिद्धारमैया ने शिवकुमार को किनारे कर दिया है।

दरअसल, राज्य में कांग्रेस पार्टी की जीत के बाद से मुख्यमंत्री की रेस में शिवकुमार सबसे आगे नजर आ रहे थे लेकिन आलाकमान ने उन्हें किसी तरह कथित रूप से डिप्टी सीएम पद के लिए मना लिया था, और अभी वह इसी पद पर हैं। डीके शिवकुमार ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कोई बड़ा चेहरा है जो कांग्रेस विधायकों को तोड़ने की कोशिश कर रहा है। इसके लिए बड़ी साजिश चल रही है। उनका यह बयान तब आया है जब शिवकुमार के समर्थक विधायकों में एक गनिगा रवि ने शुक्रवार रात एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में शिवकुमार के समर्थक नेता-विधायक पहुंचे थे। इस दौरान चर्चा हुई कि ढाई साल बाद शिवकुमार ही सीएम बनेंगे। अभी यह साफ नहीं है कि सिद्धारमैया ने गृह मंत्री के साथ मीटिंग में क्या बातें की, लेकिन माना जा रहा कि शिवकुमार समर्थकों के इसी बयान के बाद सीएम ने हाई लेवल मीटिंग की।

जेएनयू में एक ही जार में रायता रखने को लेकर हुआ बवाल

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों की बात करें तो दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय (जेएनयू) इनमें से एक है। यह विश्वविद्यालय अपनि शिक्षा के साथ-साथ कई अन्य मुद्दों को लेकर भी चर्चा में बना रहता है। अब एक बार फिर से जेएनयू चर्चा में आ गया है। इस बार चर्चा का कारण रायता है। दरअसल रायते को लेकर जेएनयू के नर्मदा हॉस्टल में बवाल हुआ है। पिछले दिनों यहां के छात्रों ने रायते को लेकर बवाल खड़ा कर दिया। दरअसल नर्मदा हॉस्टल की मेस में शाकाहारी और मांसाहारी, दोनों तरह का खाना बनता है। छात्र एक साथ बैठकर खाना खाते हैं। इसी दौरान एक दिन मेस में रायता बना और यह एक ही जार में रख दिया गया। उसी जार से शाकाहारी छात्र रायता ले रहे थे और उसी से मांसाहारी खाने वाले छात्र भी। इसे देखकर कुछ छात्रों ने इस बात को लेकर हंगामा कर दिया। उनका कहना था कि मांसाहार खाने वाले छात्र एक ही चम्मच से अपनी प्लेट में रायता डाल रहे हैं, इससे उन्हें दिक्कत हो रही है। फिर क्या था, बवाल शुरू हो गया। बवाल बढ़ता देख हॉस्टल प्रशासन ने रायते के जार अलग कर दिया। जिम्मेदारों को उम्मीद थी कि अब इससे समस्या का समाधान हो जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में प्याज ने लगाया 'शतक'

जल्द जा सकता है 150 रुपये के पार

नई दिल्ली , 28 अक्टूबर (एजेंसिया) दिल्ली एनसीआर में प्याज की कीमत ने शतक लगा दिया है। इसका मतलब है कि दिल्ली एनसीआर के इलाके में प्याज की खुदरा कीमतें 100 रुपए हो गई है। जबकि थोक बाजार में 80 रुपये के करीब चली गई हैं।

जानकारों का कहना है कि जितनी तेजी के साथ प्याज के दाम में इजाफा हो रहा है। जल्द ही प्याज के खुदरा दाम 150 रुपये पार कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर कंज्यूमर अफेयर के सरकारी आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में प्याज के अधिकतम दाम 68 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं दूसरी ओर ऑल इंडिया लेवल पर सबसे ज्यादा दाम 77 रुपए है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर दिल्ली एनसीआर में प्याज के दाम 100 रुपये कहां हो गए हैं।

नोएडा में 100 रुपए पहुंचे प्याज के दाम

दिल्ली से सटे नोएडा में प्याज की कीमत 100 रुपये पहुंच गई है। नोएडा के शहदरा गांव में प्याज के खुदरा कारोबारी गौरव ने कहा प्याज की कीमत में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। नोएडा के सेक्टर 88 स्थित थोक मंडी से प्याज उन्हें ही 80 रुपये प्रति पड़ रही है। जिसकी वजह से खुदरा में प्याज की कीमत 100 रुपये हो गई है।

वहीं दूसरी ओर दिल्ली के मॉडल टाउन एरिया में प्याज के दाम 70 रुपये से 90 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। खास बात तो ये है मॉडल टाउन एरिया से एशिया की सबसे बड़ी मंडी आजादपुर काफी करीब है। सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि मंडी से ही उन्हें प्याज काफी महंगा मिल रहा है। बीते एक हफ्ते में दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमत में करीब 20 रुपये का इजाफा हो गया है।

150 रुपए पहुंचेंगे प्याज के दाम

नोएडा के खुदरा प्याज कारोबारी गौरव ने कहा कि प्याज की आवक काफी कम है। जिसकी वजह से प्याज की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है। अगर हालात ऐसे ही बने रहे तो प्याज की कीमत 150 रुपये पार कर सकती है। गौरव ने कहा कि ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट ज्यादा होने से भी प्याज की खुदरा कीमतों में असर देखने को मिलता है। गौरव ने बताया कि प्याज की कीमत जल्द कम होने वाली नहीं है। मुमकिन है कि एक महीने के अंदर प्याज की कीमत 200 रुपए भी टच कर जाए।

5000 रुपये और फौलादी हौसला

इन 2 चीजों की बदौलत 2 भाइयों ने बनाया 10,000 करोड़ का बिजनेस, आज 40,000 किसान साथ

नई दिल्ली , 28 अक्टूबर (एजेंसिया) बिजनेस शुरू करने के लिए पैसों की जरूरत होती है। कई लोग मानते हैं कि इसके लिए आपको अच्छी-खासी रकम चाहिए। जीबी सुंदरराजन और बी सुंदरराजन इस भ्रांति को तोड़ते हैं। दोनों भाइयों ने बस 5000 रुपये से बिजनेस की शुरुआत की और आज वह कंपनी 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की है। इस कंपनी का नाम है सुगना फूड्स प्राइवेट लिमिटेड । इस कंपनी की शुरुआत पॉल्ट्री फर्म के तौर पर हुई थी।सुगना फूड्स के लिए दोनों भाइयों ने लोगों से मिलकर उन्हें अपने साथ जोड़ा था। कंपनी की शुरुआत 1984 में तमिलनाडु के उडूम्पलेट में पोल्ट्री फार्म के रूप में हुई। इसके बाद 1986 में उन्होंने पोल्ट्री फार्म में मिलने वाले

औजार, फीड और दवाइयां बेचना शुरू कर दिया। उन्हें इस क्षेत्र में आपर संभावनाएं दिखी जिसका उन्होंने फायदा उठाया। बात की जाए कि दोनों भाइयों को बिजनेस का आइडिया कहां से आया तो इसका जवाब है खेती।

उन्होंने पढ़ाई के बाद खेती शुरू की और यहीं से उन्होंने पोल्ट्री फार्म की शुरुआत की।

कॉन्ट्रेक्ट फार्मिंग की शुरुआत

पोल्ट्री फार्म में इस्तेमाल होने वाली चीजें बेचने का उनका बिजनेस अच्छा चल रहा था। इसी दौरान उन्होंने गौर किया कि किसानों की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने की वजह से वे मुर्गी पालन चाहकर भी नहीं कर पा रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने कांट्रेक्ट फार्मिंग की शुरुआत की। अब उन्होंने किसानों को छोटे चूजे (चिक्स) के साथ-साथ दवाएं मुहैया कराना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं कंपनी ने किसानों से वापस मुर्गियां भी खरीदनी भी शुरू कीं। इससे कंपनी और किसानों दोनों को लाभ होना शुरू हो गया। खबरों की मानें तो साल 2000 में सुगना फूड्स का वार्षिक टर्नओवर 100 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

10 दिनों से हर रोज अपर सर्किट, 3 सप्ताह में इस आईपीओ के इन्वेस्टर्स को मिला 150% रिटर्न

नई दिल्ली , 28 अक्टूबर (एजेंसिया) बाजार में हाल-फिलहाल लिस्ट हुए कुछ शेयर कमाल कर रहे हैं। उनमें से एक प्रमुख नाम है प्लाजा वायर्स। इसी महीने की शुरुआत में आए आईपीओ के बाद यह शेयर अपने निवेशकों को 150 फीसदी का रिटर्न दे चुका है।

लिस्टिंग के बाद हर रोज अपर सर्किट

प्लाजा वायर्स के शेयर पर पिछले 10 रोज से लगातार अपर सर्किट लग रहा है। कंपनी का शेयर आईपीओ के बाद बाजार में 12 अक्टूबर 2023 को लिस्ट हुआ था। उसके बाद से अभी तक बाजार में 10 दिन ही कारोबार हुआ है। इसका मतलब हुआ कि प्लाजा वायर्स के शेयर बाजार में लिस्ट होने के बाद हर रोज अपर सर्किट लगा रहे हैं।

पहले दिन ही 50 पर्सेंट उछाल

अभी बाजार में प्लाजा वायर्स के शेयर की सर्किट लिमिट 10 फीसदी की है, यानी बीते 10 दिनों में इसके शेयरों के भाव 100 फीसदी मजबूत हुए है। दूसरे शब्दों में कहें तो लिस्टिंग की तुलना में प्लाजा वायर्स के शेयरों के भाव डबल हो चुके हैं और तब से अब तक इसके इन्वेस्टर्स के पैसे भी डबल हो गए हैं। उससे पहले प्लाजा वायर्स की लिस्टिंग भी शानदार हुई थी और लिस्टिंग पर ही 40 फीसदी का प्रीमियम मिल गया था, जबकि पहले दिन की ट्रेडिंग के बाद स्टॉक 48.5 फीसदी के फायदे में रहा था।

71 करोड़ रुपये का आईपीओ

प्लाजा वायर्स ने इस महीने की शुरुआत में 71.28 करोड़ रुपये का आईपीओ पेश किया था। यह आईपीओ 29 सितंबर को ओपन हुआ था, जबकि सब्सक्रिप्शन के लिए 5 अक्टूबर तक खुला रहा था। 9 अक्टूबर को इसके शेयर अलॉट किए गए थे और 12 अक्टूबर को शेयरों को सफल बोली लगाने वाले इन्वेस्टर्स के डीमैट अकाउंट में क्रेडिट किया गया था। शेयरों की लिस्टिंग भी 12 अक्टूबर को हो गई थी।

अभी इतना हो चुका है भाव

प्लाजा वायर्स के आईपीओ में एक लॉट का साइज 277 शेयरों का था। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 51 से 54 रुपये तय किया गया था। इस तरह एक लॉट के लिए 14,958 रुपये लगाने की जरूरत थी। 12 अक्टूबर को शेयर आईपीओ के अपर प्राइस की तुलना में 40.74 फीसदी के प्रीमियम के साथ 76 रुपये पर लिस्ट हुआ था।

भारत-ब्रिटेन के मंत्रियों ने प्रस्तावित एफटीए पर बातचीत की प्रगति की समीक्षा की

नई दिल्ली , 28 अक्टूबर (एजेंसिया) भारत और ब्रिटेन ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जारी वार्ता की प्रगति की शनिवार को समीक्षा की। बता दें कि दोनों देशों के बीच प्रस्तावित एफटीए पर वार्ता अंतिम चरण में है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन की व्यापार मंत्री केमी बेडनॉश ने ओसाका में एफटीए पर जारी वार्ता की प्रगति की समीक्षा की। दोनों मंत्री जी-7 के व्यापार मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए जापान के ओसाका में मौजूद हैं। गोयल ने सोशल नेटवर्किंग मंच 'एक्स' पर कहा, "ब्रिटेन की व्यापार मंत्री केमी बेडनॉश के साथ भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर चल रही बातचीत की प्रगति को लेकर चर्चा की।" प्रस्तावित एफटीए के लिए वार्ता को जल्द पूरा करने के लिए उत्पादों के मूल स्थान और सेवा क्षेत्र के नियमों

जैसे मुद्दों पर मतभेद दूर करने के लिए दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बातचीत चल रही है। भारत और ब्रिटेन ने व्यापार समझौते के लिए जनवरी, 2022 में बातचीत शुरू की थी। इस वार्ता को पिछले साल दिवाली (24 अक्टूबर, 2022) तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन ब्रिटेन में राजनीतिक घटनाक्रम बदलने के कारण ऐसा नहीं हो पाया था। प्रस्तावित समझौते में 26 अध्याय हैं, जिनमें सामान, सेवाएं, निवेश और बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) शामिल हैं। भारत और ब्रिटेन के बीच एक अलग समझौते के तौर पर निवेश संधि के बारे में भी बातचीत हो रही है।

विस्ट्रॉन संग डील, टाटा बनाएगी देसी आईफोन, दुनियाभर में होगी बिक्री

नई दिल्ली , 28 अक्टूबर (एजेंसिया) टाटा ग्रुप भारत का पहला आईफोन मैन्युफैक्चरर बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। आईफोन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी विस्ट्रॉन के बोर्ड ने टाटा ग्रुप को अपनी भारतीय यूनिट बेचने की मंजूरी दी है। विस्ट्रॉन की यूनिट बेंगलुरु के पास है। विस्ट्रॉन ने एक बयान में कहा कि सौदे की कीमत लगभग 12.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। इस मंजूरी के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि ढाई साल के भीतर आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग शुरू हो जाएगी। विस्ट्रॉन कॉर्प के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर ने शुक्रवार को बैठक की और अपनी सहायक कंपनियों एसएमएस इन्फोकॉम (सिंगापुर) पीटीई लिमिटेड और विस्ट्रॉन हांगकांग लिमिटेड को टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ विस्ट्रॉन इन्फोकॉम मैन्युफैक्चरिंग (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में सौ प्रतिशत हिस्सेदारी बिक्री के लिए शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर करने की मंजूरी दी। दोनों पक्षों के संबंधित समझौतों पर हस्ताक्षर करने के बाद यह सौदा आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ेगा। बयान में कहा गया, सौदा पूरा होने के बाद, विस्ट्रॉन आवश्यक घोषणाएं करेगी और शेयर बाजारों को जानकारी देगी।केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने टाटा टीम को विस्ट्रॉन का संचालन संभालने के लिए बधाई देते हुए कहा, टाटा समूह अब भारत से घरेलू और ग्लोबल मार्केट के लिए आईफोन बनाना शुरू करेगा। चंद्रशेखर ने एक्स पर पोस्ट में कहा, भारतीय कंपनियों के साथ भारत से ग्लोबल सप्लाई चेन बनाने की दिशा में यह ऐपल के लिए बहुत अच्छा कदम है। उन्होंने कहा कि आईटी मंत्रालय पूरी तरह ग्लोबल लेवल की भारतीय इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों के समर्थन में खड़ा है।

अमेरिका पर चढ़ा भारतीय आम का जादू, सफाचट कर गया 2000 टन से ज्यादा

नई दिल्ली , 28 अक्टूबर (एजेंसिया) आम के आम और गुठलियों के दाम या आम खाओ पेड़ मत गिनो... भारत में 'आम' से जुड़ी ना जाने कितनी कहावते हैं। भारत दुनिया के सबसे बड़े आम एक्सपोर्टर में से एक है। भारत के मुकेश अंबानी एशिया के सबसे बड़े आम निर्यातक हैं, जिनके पास 600 एकड़ से बड़ा आम का बाग है, और अब इन्हीं आम का जादू अमेरिका पर चढ़ चुका है। महज 5 महीने में अमेरिका 2000 टन से ज्यादा आम सफाचट कर गया है।

वाणिज्य मंत्रालय ने भारत से अप्रैल से अगस्त के बीच निर्यात हुए आम के आंकड़े जारी किए हैं। इसके हिसाब से चालू वित्त वर्ष के शुरुआती 5 महीनों में भारत ने 27,330.02 टन आम का एक्सपोर्ट किया है। जबकि पिछले साल इसी अवधि में भारत ने महज 22,963.78 टन आम का निर्यात किया था। भारत ने अप्रैल से अगस्त के बीच 400.39 करोड़ रुपए का आम निर्यात किया है। ये पिछले साल 336.16 करोड़ रुपए था, जो टोटल 19% की ग्रोथ को दिखाता है।

अमेरिका में 2000 टन सफाचट

भारत से सबसे ज्यादा आम इंपोर्ट अमेरिका ने किए हैं। इन 5 महीनों के दौरान भारत से 2043.60 टन आम अमेरिका एक्सपोर्ट हुए। इसके अलावा जापान ने भारत से 43 टन, न्यूजीलैंड ने 111 टन, ऑस्ट्रेलिया ने 58.42 टन और दक्षिण अफ्रीका ने 4.44 टन आम का आयात किया। इसके अलावा ईरान, मॉरीशस, चेक रिपब्लिक और नाईजीरिया भी उन देशों में शुमार हैं, जिन्होंने बड़ी मात्रा में भारत से आम का आयात किया है।

नारायण मूर्ति के 70 घंटे काम वाले बयान से 'नाराज' हुए अश्नीर ग्रोवर,कह डाली ये बड़ी बात

नई दिल्ली , 28 अक्टूबर (एजेंसिया) इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति ने भारत के युवाओं को हर हफ्ते 70 घंटे काम करने को कहा था, जिसपर भारतपे के को-फाउंडर अश्नीर ग्रोवर ने रिएक्ट किया है। अश्नीर ग्रोवर ने एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखते हुए कहा कि उनके इन शब्दों से जनता नाराज हो गई होगी।

अश्नीर ग्रोवर ने कहा कि आम जनता ने नारायण मूर्ति के इस बयान को बहुत अच्छी तरह से नहीं लिया होगा, क्योंकि काम को अभी भी रिजल्ट के बजाए कार्यस्थल पर बिताए गए समय के आधार पर देखा जा रहा है। ग्रोवर ने आगे लिखा, दूसरी बात यह है कि लोगों को ऐसा लग रहा है जैसे युवाओं का आलस्य ही भारत को विकसित होने से रोक रहा है।

नाराज होने के लिए और भी मसले: ग्रोवर

ग्रोवर ने मजाकिया अंदाज में कहा कि भारत में नाराज होने के लिए जाति, धर्म और क्रिकेट जैसे मसले हैं। उन्होंने लिखा कि क्रिकेट, धर्म, जाति या भाषा से ज्यादा नाराज होना हमें एक करता है।

नारायण मूर्ति ने क्या कहा था

गौरतलब है कि पॉडकास्ट 'द रिकॉर्ड' के शुरुआती एपिसोड में बोलते हुए, नारायण मूर्ति ने भारत की कम कार्य क्षमता पर चिंता जाहिर की थी और लोगों को सुझाव दिया कि अगर देश को ग्लोबल पावर से मुकाबला करना है तो युवाओं को हर हफ्ते 70 घंटे काम करना चाहिए।

भाविश अग्रवाल ने जताई सहमति

इंफोसिस के फाउंडर के इस बयान को लेकर ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भाविश अग्रवाल का समर्थन मिला था और उन्होंने पूरी तरह उनकी बात से सहमति जाहिर की।

कजाखस्तान में आर्सेलर मित्तल की स्टील खदान में आग से 21 लोगों की मौत

लक्जमबर्ग , 28 अक्टूबर (एजेंसिया) कजाखस्तान में इस्पात कंपनी आर्सेलर मित्तल तेमिरटौ की लक्जमबर्ग स्थित स्थानीय इकाई ने शनिवार को खदान में आग लगने से कम से कम 21 लोगों की मौत होने की बात कही है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि कोस्टेंको खदान में 252 लोगों में से 208 को निकाल लिया गया है, जिनमें से 18 ने चिकित्सा सहायता मांगी है। स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजे तक करीब 23 लोगों का पता नहीं चल पाया था। कजाख राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायव ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अपने मंत्रिमंडल को आर्सेलरमित्तल तेमिरटौ के साथ निवेश सहयोग रोकने का आदेश दिया। सरकार ने एक बयान में कहा कि वह देश की सबसे बड़ी इस्पात मिल का संचालन करने वाली कंपनी के राष्ट्रीयकरण के लिए एक सौदे को अंतिम रूप दे रही है। पिछले महीने प्रथम उप प्रधानमंत्री रोमन स्क्लियार ने संवाददाताओं से कहा था कि कजाखस्तान संभावित निवेशकों के साथ बातचीत कर रहा है जो मिल का अधिग्रहण कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल आर्सेलरमित्तल के निवेश दायित्वों को पूरा करने, उपकरणों को उन्नत करने और घातक दुर्घटनाओं के बाद श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफलता से नाखुश था।

कार्यकारी सिंचाई अभियंता का फर्जी कार्यालय खोलकर हासिल कर लिया 4.16 करोड़ का सरकारी अनुदान, दो धराए

अहमदाबाद , 28 अक्टूबर (एजेंसिया) गुजरात के आदिवासी बहुल छोटा उदयपुर जिले में सिंचाई परियोजनाओं के लिए कार्यकारी अभियंता का फर्जी कार्यालय बनाकर पिछले दो साल में कथित तौर पर 4.16 करोड़ रुपये का सरकारी अनुदान हासिल करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी संदीप राजपूत ने कथित तौर पर बोडेली में सिंचाई परियोजना डिवीजन के कार्यकारी अभियंता का फर्जी कार्यालय स्थापित किया ताकि फर्जी परियोजनाओं के लिए 4.16 करोड़ रुपये का सरकारी अनुदान प्राप्त किया जा सके, जिसके लिए 2021-2022 और 2022-2023. में प्रस्तावों को मंजूरी दी गई थी।

आरोपितों को 12 दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा गया

एक अधिकारी ने बताया कि राजपूत और उसके साथी सरकारी ठेकेदार अबू-बक्र सैयद को गिरफ्तार किया गया और शुक्रवार देर रात 12 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। प्राथमिकी के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब परियोजना प्रशासक के कार्यालय ने कुछ सिंचाई परियोजनाओं के लिए 3.75 करोड़ रुपये की मांग करने वाले फर्जी कार्यालय से प्राप्त एक प्रस्ताव के बारे में पूछताछ की। इसमें कहा गया है कि सिंचाई विभाग के वास्तविक अधिकारियों से पता चला है कि संबंधित कार्यालय अस्तित्व में ही नहीं है। प्राथमिकी में कहा गया है कि आगे की जांच से पता चला कि 2021-22 और 2022-23 में 1.97 करोड़ रुपये और 2.18 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लिए फर्जी कार्यालय से इसी तरह के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई थी, और धन ई-भुगतान मोड में जारी किया गया था।

जुलाई 2021 में कार्यालय खोलकर राज्य को 4.16 करोड़ रुपये का चूना लगाया

अधिकारी ने बताया कि राजपूत ने जुलाई 2021 में कार्यालय स्थापित किया था और राज्य को 4.16 करोड़ रुपये का चूना लगाने के लिए खुद को एक सरकारी कर्मचारी की पहचान दी थी। संभवतः पूर्व या मौजूदा अधिकारियों की भी इसमें मिलीभगत हो सकती है। उन्होंने कहा कि कार्यालय ने प्रस्ताव के दस्तावेजों को असली दिखाने के लिए फर्जी मुहरों और जाली हस्ताक्षरों का भी इस्तेमाल किया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य-दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय - 06-16
सूर्यअस्त - 17-42
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	तुला....	05-29 बजे
चंद्र-	मेष में	वृश्चिक.	07-38 बजे
मंगल	तुला में	धनु.....	09-52 बजे
बुध-	तुला में	मकर..	11-59 बजे
गुरु-	मेष में	कुंभ...	13-49 बजे
शुक्र-	सिंह में	मीन --	15-27 बजे
शनि-	कुंभ में	मेष--	17-03 बजे
राहु-	मेष में	वृष--	18-48 बजे
केतु-	तुला में	मिथुन..	20-48 बजे
		कर्क....	23-00 बजे
		सिंह....	01-13 बजे
		कन्या..	03-19 बजे

दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - 23 -53- राततक उपरान्त द्वितीया
मास - कार्तिक कृष्ण पक्ष , रविवार 29 October
नक्षत्र - भरणी - 04- 41 - तक उपरान्त कृत्तिका
योग - सिद्ध - 20 - 00 - तक उपरान्त व्यतिपात
करण- बालव - 12 -50 - तक उप- कौलव
विशेष:- कृषक पूजा
व्रत -त्योहार - मीन मे राहु,कन्या मे केतु-16-38 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 16:19 से 17:45 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:16 - 07:41	अशुभ	शुभ	17:42 - 19:19	शुभ
चंचल	07:41 - 09:07	शुभ	अमृत	19:19 - 20:52	शुभ
लाभ	09:07 - 10:33	शुभ	चंचल	20:52 - 22:26	शुभ
अमृत	10:33 - 11:59	शुभ	रोग	22:26 - 23:59	अशुभ
काल	11:59 - 13:26	अशुभ	काल	23:59 - 01:34	अशुभ
शुभ.	13:26 - 14:52	शुभ	लाभ	01:34 - 03:07	शुभ
रोग	14:52 - 16:19	अशुभ	उत्पात	03:07 - 04:41	अशुभ
उत्पात	16:19 - 17:42	अशुभ	शुभ	04:41 - 06:16	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा । गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे । इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपके पिछले कुछ समय से अपने करियर तथा निजी जीवन सम्बन्धी किये गये प्रयासों का फल मिलने का समय आ गया है । ऐसा घटनाक्रम बनेगा कि आपको कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी । आपको प्रयासों और परिश्रम को आपके सीनियर ध्यान से देखेंगे और वे आपके जबरदस्त समर्थक भी बन जायेंगे । आपके दुश्मन आज असहाय अनुभव करेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में है,दिन की शुरुआत अच्छी होगी ,विशेषत दोपहर से पहले । अपने ऑफिस सम्बन्धी कामों की योजना अगर हो सके तो दोपहर से पहले ही बनाएं,सफलता की सम्भावना अधिक है ।शाम को या तो कुछ न करें या कोई हल्का – फुल्का काम करें । कोई अप्रत्याशित व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें । अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है । अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी । इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा ।अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे । आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आज का दिन नई शुरुआत के लिए बिलकुल सही है । आप अपने आपको पीछे धकेलने वाली चीजों से आज मुक्त महसूस करेंगे । किसी नए अवसर में जिंदगी बदलने की क्षमता है लेकिन आपको उसे समय रहते पकड़ना होगा । समय रहते लिया गया निर्णयात्मक फैसला आपके लिए काफी महत्वपूरण एवं लाभकारी बदलाव ला सकता है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है । आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं । फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे ।जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा । आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा ।हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे। इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे । समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी । कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा । कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा ।अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपके आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा ।इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें । इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे । अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं ।आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें ।हमेशा गलतियाँ ढूँढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें । अब यह जरूरी हो गया है कि आप स्वास्थ्यकर भोजन और जीवनशैली अपनाने की ओर गंभीरतापूर्वक ध्यान दें ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

भूपेश बोले- भाजपा नेताओं की बातों की गारंटी नहीं

भानुप्रतापपुर में कहा- राहुल गांधी पर लोगों को भरोसा, 10 दिन में कर्ज माफ की

भानुप्रतापपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। भानुप्रतापुर पहुंचने पर राहुल गांधी का गज माला के साथ स्वागत किया गया। थोड़ी देर में वे सभा को संबोधित करेंगे। यहां से फिर कोंडागांव के फरसगांव में 2.30 बजे उनकी आम सभा होगी। राहुल शाम करीब 7 बजे रायपुर लौटेंगे। शनिवार को दो दिनी छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे हैं। 10 महीने में उनका ये चौथा दौरा है। भूपेश बघेल सभा को संबोधित कर रहे हैं।

भूपेश बघेल के भाषण की प्रमुख बातें

केंद्र सरकार किसानों को परेशान करने का काम कर रही है।

2014 में डबल इंजन की सरकार ने बोनस देना बंद कर दिया। राज्य से भी बंद करा दिया।

प्रधानमंत्री को पत्र लिख बोनस देने की मांग की। लेकिन अभी तक अनुमति नहीं दी गई।

भाजपा ने आदिवासियों ने हक छीनने का काम किया।

15 साल में रमन सिंह ने पेसा कानून लागू नहीं किया। रमन सिंह ने तो ठगा केंद्र ने भी ठगने का काम किया।

भाजपा नेताओं की बातों का कोई गारंटी नहीं। राहुल गांधी की बातों में भरोसे की गारंटी।

कांग्रेस की सरकार बनते ही 10 दिनों ने किसानों का कर्ज माफ किया।

2 घंटे में किसानों का 10 हजार करोड़ माफ किया, आदिवासियों की जमीन वापस दिलाई।

दूसरे दिन राहुल गांधी रविवार 29 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे राजनांदगांव और दोपहर 2.50 बजे कवर्धा में जन सभा को संबोधित करेंगे। यहां वो कांग्रेस के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करेंगे। जनसभाओं में नई चुनावी घोषणाएं कर सकते हैं। वहीं, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 30 अक्टूबर को दुर्ग जिले के पाटन विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। इस नामांकन रैली में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी शामिल होंगी।

4 सीटों पर राहुल की जनसभाएं

राहुल गांधी पहले चरण के चुनाव प्रचार के लिए छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। शनिवार को वे बस्तर संभाग में रहेंगे। इस दौरान वो कोंडागांव के फरसगांव और कांकेर के भानुप्रतापपुर में सभा को संबोधित करेंगे। वहीं, अगले दिन यानी रविवार 29 अक्टूबर को राहुल गांधी कवर्धा और राजनांदगांव में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

राहुल कर सकते हैं ये चुनावी घोषणाएं

संभावना है कि राहुल गांधी राजनांदगांव की सभा में नई चुनावी घोषणाएं भी कर सकते हैं। माना जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी पेट्रोल-डीजल पर अपने हिस्से का टैक्स और रसोई गैस की कीमत कम करने का ऐलान कर सकती है। इसके अलावा स्वास्थ्य बीमा की रकम बढ़ाने और महिलाओं को हर साल नगद रकम देने का वादा भी कांग्रेस कर सकती है।

2018 में की थी किसान कर्ज माफी की घोषणा

2018 के विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी ने किसानों के लिए कर्ज माफी की घोषणा की थी। राहुल ने कहा था कि सरकार बनने के 10 दिन के भीतर कांग्रेस पार्टी प्रदेश के किसानों का कर्जा माफ करेगी। ये घोषणा कांग्रेस के लिए गेम चेंजर साबित हुई थी। सरकार बनने के बाद कांग्रेस ने पहली कैबिनेट में किसानों की कर्जमाफी के वादे को पूरा किया था।

इस साल 3 बार छत्तीसगढ़ आ चुके हैं राहुल

चुनावी साल में राहुल गांधी चौथी बार छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। इससे पहले वो तीन बार प्रदेश आ चुके हैं। 25 फरवरी को नवा रायपुर में कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन, 2 सितंबर को युवा मितान सम्मलेन और 25 सितंबर को बिलासपुर में आयोजित आवास न्याय सम्मलेन में शामिल हुए थे।

प्रियंका ने किया है आवास का वादा

प्रियंका गांधी ने कांकेर में पंचायती राज सम्मेलन के दौरान 10 लाख लोगों को आवास देने की घोषणा की थी। प्रियंका ने कहा था- पांच साल और इस सरकार को मौका दीजिए। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार फिर से आएगी तो 10 लाख आवास गरीबों को दिए जाएंगे। यहां इतना विकास हो रहा कि यहां से लोगों को कहीं नहीं जाना पड़ेगा, लोग यहां आएंगे।

कांग्रेस ने अब तक की हैं 4 घोषणाएं

कांग्रेस पार्टी ने अब तक कुल 4 प्रमुख घोषणाएं की है। कांग्रेस का वादा है कि सरकार बनने के बाद जातिगत जनगणना कराई जाएगी, MSP पर इस बार 20 क्विंटल धान प्रति एकड़ की दर से खरीदा जाएगा, साढ़े 17 लाख लोगों को आवास दिए जाएंगे और 2018 की तर्ज पर किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने शिकायत की

मनसुख मांडविया बोले - भाजपा कार्यकर्ताओं को धमकाया जा रहा, हत्या हुई, झंडेवाली गाड़ी रोकी जा रही

रायपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और छत्तीसगढ़ भाजपा के चुनाव सह प्रभारी मनसुख मांडवीया रायपुर पहुंचे। उन्होंने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी दफ्तर जाकर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में भाजपा के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के मामले में शिकायत की।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने आरोप लगाया कि स्थानीय अधिकारी किसी न किसी प्रभाव में आकर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एक तरफा कार्रवाई कर रहे हैं। नेताओं को प्रचार करने से रोका जा रहा है , जो लोकशाही के खिलाफ है। स्वास्थ्य मनसुख मांडवीया ने कहा कि अफसर से ऐसी उम्मीद रखता हूं कि वह लोकतंत्र के अनुसार काम करेंगे ऐसा नहीं हुआ तो हम राष्ट्रीय चुनाव आयोग में जाकर शिकायत करेंगे।

अलग-अलग क्षेत्र के 58 आवेदन

मनसुख मांडवीया के साथ रायपुर के सांसद सुनील सोनी भी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय पहुंचे अलग-अलग क्षेत्र में आ रही परेशानियों को लेकर 58 आवेदन अब तक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को दिए जा चुके हैं। जिन पर कार्यवाही के मांग भाजपा कर रही है मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहब कंगाली से मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडवीया ने मीडिया से चर्चा की।

उन्होंने ने कहा- भारतीय जनता पार्टी का झंडा लेकर जाने वाली गाड़ियों को रोका जा रहा है। डेमोक्रेसी में हर व्यक्ति हर किसी को वोट दे सकता है और हर नागरिक का अधिकार है कि वह कोई ना कोई पॉलिटिकल पार्टी का चुनावी प्रचार भी कर सकता है । अपने घर पर झंडा लगा सकता है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रचार करने वालों को कार्यकर्ता जो झंडे पर लगा रहे हैं उनको परेशान किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के नेता को डराने के लिए उसकी हत्याएं हो रही हैं । हत्यारा सार्वजनिक तौर पर चैलेंज करता हैं लेकिन उसके बावजूद भी उस पर एक्शन नहीं लिया जा रहा है। कई क्षेत्रों में दंतेवाड़ा, नारायणपुर बीजापुर जैसे विधानसभा क्षेत्र में खुलेआम आदर्श आचार संहिता भंग हो रही है। लोगों को डराने की कोशिश हो रही है । ऐसी स्थिति में निष्पक्ष चुनाव हो यह बहुत आवश्यक है, आज हमने निर्वाचन पदाधिकारी को यह बात रखी है।

हम चाहते हैं की छत्तीसगढ़ की जनता किसी के भय के बिना निष्पक्ष रूप से अपना वोट करके अपने पसंद की सरकार चुने।

5 साल में टीएस सिंहदेव की संपत्ति 52 करोड़ घटी

डिप्टी सीएम की प्रॉपर्टी अब 447.77 करोड़, नामांकन दाखिल कर दी जानकारी

सरगुजा, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़. के सबसे धनी विधायक और प्रदेश के डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव की संपत्ति पांच सालों में 52 करोड़ रुपये घट गई है। उनके पास एक लाख 70 हजार रुपए ही कैश है। शुक्रवार को नामांकन के साथ दिए गए शपथ पत्र में उन्होंने अपनी संपत्ति 447.77 करोड़ रुपये घोषित की। साल 2018 में उनकी कुल संपत्ति 500 करोड़ एक लाख रुपए थी।

सरगुजा राज परिवार के मुखिया एवं प्रदेश के डिप्टी सीएम जमीनें बेचकर राजनीति करने के लिए मशहूर हैं। सिंहदेव की कुल संपत्ति हर पांच साल में बढ़ने के बजाए घट रही है। यह स्थिति तब है, जब उनकी अधिकांश संपत्ति अचल स्वरूप में है और इनकी कीमतें पांच सालों में कम से कम 25 फीसदी बढ़नी चाहिए थी।

विरासत में मिली हैं जमीनें एवं महल

टीएस सिंहदेव के पास विरासत में मिली संपत्ति में पुराना राजमहल और जमीनें हैं। इनके अलावा व्यवसायिक प्लॉट, भवन भी शामिल हैं। शपथ पत्र में उन्होंने अचल संपत्ति 436.71 करोड़ रुपये घोषित की है। वहीं चल संपत्ति 10 करोड़ 99 लाख रुपए है। इनमें उन्हें विरासत में मिले जेवरात, बंदूकें और अन्य सामान हैं। चल संपत्ति में बैंक खातों में जमा रकम, बीमा, बैंक व फर्मों की हिस्सेदारी और निवेश की रकम शामिल है।

इन कारों के हैं मालिक

टीएस सिंहदेव 2006 मॉडल की होंडा सिविक कार, 2012 मॉडल के महिंद्रा एक्सयूवी 500, हुंडई वरना कार 2012, ऑडी कार 2014 मॉडल और मर्सडीज 2017 मॉडल की है। कारों का मूल्य चल संपत्ति के ब्योरे में शामिल है।

चल संपत्ति बढ़ी, अचल संपत्तियां घटी

सिंहदेव की अचल संपत्ति में पांच सालों में 52 करोड़ रुपए की कमी आई । वहीं चल संपत्ति 26 लाख 21 हजार रुपए बढ़ी। अचल संपत्ति वर्ष 2018 में 478.84 करोड़ रुपए थी जो घटकर 436.71 करोड़ रह गई। जबकि इस अवधि में जमीनों के दाम बढ़े हैं। वर्ष 2018 में सिंहदेव की चल संपत्ति 10 करोड़ 73 लाख 12 हजार रुपए थी जो वर्ष 2023 में बढ़कर 10 करोड़ 99 लाख 33 हजार रुपये हो गई।

हर पांच वर्ष में घटी संपत्ति

परिसीमन में सामान्य हुई अंबिकापुर विधानसभा सीट से टीएस सिंहदेव लगातार तीसरी बार विधायक हैं और चौथी बार कांग्रेस ने उन्हें चुनाव मैदान पर उतारा है। हर पांच सालों तक मंत्री रहने के बावजूद उनकी संपत्ति बढ़ने के बजाये घटी है।

टीएस सिंहदेव की ओर से वर्ष 2013 में अपनी कुल संपत्ति 561.50 करोड़ रुपये घोषित की थी। वर्ष 2018 में यह संपत्ति करीब 61.49 करोड़ घट गई थी। वहीं 2023 में उनकी संपत्ति 52 करोड़ रुपये घटकर 447.77 करोड़ रुपये रह गई। इस अवधि में अन्य मंत्रियों और विधायकों की संपत्ति में इजाफा हुआ है।

आरा मील के पास सोने के जेवरात और बिस्किट बरामद

रायपुर पुलिस को चेकिंग में 37 लाख की ज्वेलरी मिली, मौके से कोई डॉक्यूमेंट नही

रायपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायपुर के बढ़ईपारा के आरा मील में एक युवक से करीब 37 लाख रुपए का सोना बरामद हुआ है। ये गोल्ड पुलिस को सड़क से आने-जाने वाले संदिग्ध यात्रियों की चेकिंग के दौरान व्यक्ति के पास मौजूद कार्टन से बरामद हुए। जिसके बाद इन रुपयों के बारे में पूछने पर युवक कोई जवाब नही दे पाया। ये पूरी कार्रवाई आजाद चौक थाना पुलिस ने की है। दरअसल आजाद चौक पुलिस अपने थाना क्षेत्र के कई इलाकों में बैरिकेडिंग और पैदल पैट्रोलिंग कर चुनाव की वजह से चेकिंग अभियान चला रही है। इस दौरान शुक्रवार की देर शाम शहर की अंदरूनी सड़कों से गुजरने वाले संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर रही थी। इस दौरान लोगों के गाड़ियों और सामानों की चेकिंग भी हो रही थी।

एक्टिवा के कार्टन में रखें थे लाखों के गहने

तभी रायपुर रजिस्टर्ड एक एक्टिवा गाड़ी में व्यक्ति कार्टन में कुछ सामान लेकर वहां से गुजर रहा था। वहां मौजूद पुलिस अफसरों को उस पर शक हुआ तो उन्होंने उसे रोकवा कर कार्टन को चेक किया। तो उसमें सोने का जेवरात और बिस्किट मिल गया। इस पूरे गोल्ड का वजन 589 ग्राम है। जिसकी कीमत 36 लाख 81 हजार के करीब है। युवक का नाम महेश कॉलोनी का रहने वाला वरुण गोयल है।

पुलिस को गुमराह करने की कोसिस

जब पुलिस ने उस युवक से इन गहनों के बारे में पूछा तो पहले तो वो गोलमटोल जवाब देकर गुमराह करने की कोसिस करने लगा। उसके पास इन गहनों को लेकर कोई वैध डॉक्युमेंट्स भी मौजूद नही थे। तो पुलिस ने इन सोने चांदी के गहने को जब्त कर लिया है। इस मामले में आजाद चौक थाना प्रभारी जितेंद्र एसैय्या ने बताया कि फिलहाल पुलिस ने वाहनों की चेकिंग में वैद्य दस्तावेज न होने से इन गहनों को जब्त किया है। मामलें में युवक से आगे की पूछताछ की जा रही है।

27 किलो चांदी भी हो चुकी है जब्त

आजाद चौक सीएसपी मयंक गुर्जर के निर्देश पर आचार सहिंता लगने के तीसरी रात भी आजाद चौक पुलिस वाहनों की जांच कर रही थी। इस बीच एक कार से 14 लाख रुपयों की 27 किलो चांदी बरामद हुई थी। जिसके बाद पुलिस ने इस चांदी को वैद्य दस्तावेज न होने की वजह से जब्त कर लिया था।

सड़को फिक्स चेकिंग पॉइंट से निगरानी

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कई अभियान चला रही है। साथ ही आचार संहिता का पालन करवाने के लिए रायपुर रेंज आईजी रतनलाल डांगी और एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने जिले के आला अफसरों को कई निर्देश भी दिए है। जिसमें फिक्स चेकिंग पाईंट लगाने के साथ ही पैदल पेट्रोलिंग करना शामिल है।

जिसके तहत सभी प्रकार के वाहनों में अवैध रूप से शराब ले जाते, चुनाव से संबंधित वस्तुएं सहित अन्य संदिग्ध चीजों को चेकिंग के दौरान जब्त करना। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ और उनकी निगरानी करना शामिल है।

अरुण साव बोले- नई घोषणाएं करने से पहले पुराना हिसाब दें राहुल गांधी, भूपेश की खुद की गारंटी नहीं

रायपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ बीजेपी अध्यक्ष और बिलासपुर सांसद अरुण साव ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से सवाल करते हुए पूछा कि नई घोषणाएं करने से पहले वो पुराना हिसाब बताएं।

छत्तीसगढ़ बीजेपी अध्यक्ष और बिलासपुर सांसद अरुण साव ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से सवाल करते हुए पूछा कि नई घोषणाएं करने से पहले वो पुराना हिसाब बताएं। उन्हें जनता को जवाब देना चाहिए कि 5 साल पहले किए गए वादे अब तक नहीं निभाए तो अब नई-नई घोषणाएं करने का उन्हें नैतिक अधिकार कैसे हैं? पहले के चुनाव में की गई अपनी घोषणाओं का छत्तीसगढ़ की जनता को जवाब दें? उन्होंने पूछा कि छत्तीसगढ़ में 200 फूड प्रोसेसिंग प्लांट कहां हैं?

'शराबबंदी लागू क्यों नहीं हुई?'

छत्तीसगढ़ बीजेपी अध्यक्ष ने राहुल गांधी से पूछा कि नक्सल प्रभावित हर पंचायत को 1 करोड़ रुपए क्यों नहीं मिला? शराबबंदी लागू क्यों नहीं हुई? सभी को चार गैस सिलेंडर मुफ्त में क्यों नहीं मिले? महिलाओं की 1500 की पेंशन कहां है? कर्मचारियों का नियमितीकरण कहां है? छात्रों को 5 साल तक मुफ्त परिवहन क्यों नहीं मिला? बेरोजगारों के 15 हजार करोड़ रुपए कहां गए? न भत्ता दिया न रोजगार दिया। अब तक 700 से ज्यादा घोषणाएं की जा चुकी हैं।

'भूपेश और राहुल घोषणाओं का विश्व कीर्तिमान स्थापित करने में लगे'

साव ने कहा कि भूपेश बघेल और राहुल गांधी मिलकर घोषणाओं का विश्व कीर्तिमान स्थापित करने में लगे हैं, लेकिन जनता इनके किसी भी वादे पर ऐतबार नहीं कर सकती। क्योंकि 5 साल तक जनता ने कांग्रेस की धोखेबाजी झेली है। कांग्रेस ने पिछले चुनाव के घोषणा पत्र में करीब 300 वादे किए थे। भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राज्य की जनता से कुल मिलाकर 400 के करीब वादे कर चुके हैं। इसके बाद हर रोज घोषणा पर घोषणा किए जा रहे हैं।

दो दिन से लापता बच्चे का कुएं में मिला शव

खेलते- खेलते कुएं में गिर गया बच्चा, पुलिस कर रही है ग्रामीणों से पूछताछ

पलामू, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। पलामू जिले के पाटन प्रखंड के सूठा गांव में एक कुएं से पांच वर्षीय बच्चे का शव बरामद किया गया। बच्चा गुरुवार शाम से लापता था। खोजबीन के क्रम में रात में स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने गांव के कुएं में बच्चे का शव तैरते हुए देखा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया।

परिजनों ने माना हादसे में हुई मौत

शुक्रवार को शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। मृत बच्चा जुनैद आलम सूठा गांव निवासी अकबर अंसारी का पुत्र था। परिवार वालों ने बच्चे की मौत पर किसी तरह की शंका जाहिर नहीं की है। परिजनों और ग्रामीणों के मुताबिक खेल-खेल में जुनैद कुएं में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। जुनैद गुरूवार की शाम पांच बजे से गायब था। पुलिस को इस संबंध में सूचना दी गई थी।

दो दिन पहले घर से खेलने निकला था बच्चा

किशनपुर ओपी प्रभारी नीरज कुमार का कहना है कि परिजनों की ओर से बच्चे की मौत के संबंध में कोई आवेदन नहीं दिया गया है। परिजनों के अनुसार जुनैद घर से शाम चार बजे खेलने के लिए निकला था।

लापता होने के बाद उसकी खोजबीन करने पर रात करीब 10 बजे शव कुएं से मिला। मौके पर पहुंचीं पुलिस टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से बच्चे को बाहर निकाला। बच्चे की सांस थम चुकी थी। पुलिस ने परिवार और ग्रामीणों से पूछताछ की है।

हाथियों के झुंड ने नष्ट की धान की फसल, तोड़े घर

बगोदर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। जंगली हाथियों का उत्पात बगोदर प्रखंड के इलाकों में लगातार जारी है। खेतों में लगी फसलों और घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इलाके के लोग दहशत में है। गुरुवार रात बगोदर प्रखंड अंतर्गत हेसला पंचायत में झुंड ने धान की फसल को नष्ट कर दिया। हेसला के सुग्गीटांड़ में रूपलाल यादव समेत आठ किसानो के खेतों में लगी फसलों को नष्ट कर दिया।

हाथियों ने रूपलाल के घर को भी ध्वस्त कर दिया। ग्रामीणों की सूचना पर पंचायत समिति प्रतिनिधि अमजद खान शुक्रवार को नुकसान का जायजा लिया। वन विभाग के अधिकारियों से हाथियों को दूर खदेड़ने और किसानों को क्षतिपूर्ति भुगतान करने की मांग की है। कहा कि हाथियों ने ऐसे समय में खेतों में लगी धान की फसल को नुकसान पहुंचाया है, जब फसल तैयार हो चुकी थी।

सोनू सरदार गिरफ्तार: फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार, पुलिस ने हथकड़ी लगा कराया रोड मार्च

रांची, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले दो अभियुक्तों अभिषेक कुमार सिंह और सोनू सिंह उर्फ सोनू सरदार को रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों को शुक्रवार को जेल ले जाने के दौरान पुलिस ने हथकड़ी लगाकर रोड मार्च कराया, ताकि लोग यह जान सकें कि दोनों अभियुक्त हैं और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया है।

दोनों ने हाल के दिनों में जगन्नाथपुर और तुपुदाना इलाके में रात में फायरिंग की घटनाओं को अंजाम दिया था। मामला सामने आने के बाद हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर मामले की जांच की गई। पता चला कि दो अभियुक्त जगन्नाथपुर इलाके में फायरिंग कर दहशत फैलाने में शामिल हैं।

इसके बाद पुलिस ने दोनों को लोडेड पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस दोनों को तत्काल गिरफ्तार नहीं करती तो वे फिर फायरिंग कर दहशत फैलाने की फिराक में थे। इसके अलावा इनके गिरफ्तार होने के बाद इलाके के लोगों ने भी चैन की सांस ली है, क्योंकि दोनों के आतंक से लोग खास कर व्यापारी वर्ग भयभीत था।

निसार: जलवायु परिवर्तन से निपटने में अहम साबित होगा नासा-इसरो का रडार मिशन

वॉशिंगटन, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा संयुक्त रूप से पृथ्वी पर नजर रखने वाला एक रडार मिशन लॉन्च करेंगे। जिसे निसार नाम दिया गया है। अब बताया जा रहा है कि यह रडार मिशन जलवायु परिवर्तन से निपटने में बेहद अहम साबित हो सकता है। दरअसल इस रडार मिशन से धरती पर मौजूद जंगलों और वेटलैंड (आर्द्रभूमि) पर बेहतर तरीके से नजर रखी जा सकेगी। इससे पता चलेगा कि जंगलों और आर्द्रभूमि का वैश्विक कार्बन चक्र पर क्या असर हो रहा है और इससे कैसे जलवायु परिवर्तन हो रहा है।

वैज्ञानिकों को मिलेगा बेहतर डाटा

बता दें कि निसार 2024 की शुरुआत में लॉन्च किया जाएगा। जलवायु परिवर्तन से निपटने में हमारे जंगल और आर्द्रभूमि काफी अहम है। इन्हीं की वजह से हमारे पर्यावरण में ग्रीनहाउस गैसों का नियमन होता है। निसार रडार मिशन को धरती की कक्षा में लॉन्च किया जाएगा जो हर 12 दिन में पूरी धरती और ग्लेशियर का विश्लेषण करेगा। इस विश्लेषण से मिले डाटा से वैज्ञानिकों को पता चलेगा कि जंगल और वेटलैंड पर्यावरण में कार्बन के नियमन में कितने अहम हैं। नासा ने एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी है।

पेड़ और आर्द्रभूमि क्यों है अहम

पेड़ अपने तने में कार्बन ग्रहण करते हैं और वेटलैंड की परत में कार्बन पाया जाता है। ऐसे में जंगलों की कटाई और वेटलैंड के खत्म होने से पर्यावरण में कितनी तेजी से कार्बन डाइ ऑक्साइड का उत्सर्जन हो रहा है, यह निसार से आसानी से पता चल सकेगा। निसार प्रोजेक्ट से जुड़े वैज्ञानिक पॉल रोसेन ने बताया कि निसार प्रोजेक्ट पर लगी रडार तकनीक से पृथ्वी पर जमीन और ग्लेशियर में आ रहे बदलावों का बेहतर तरीके से पता लगाया जा सकेगा। निसार प्रोजेक्ट से जुड़े शीर्ष वैज्ञानिक अनूप दास ने बताया कि वैश्विक तौर पर हम नहीं जानते कि कार्बन उत्सर्जन का सही कारण क्या है। ऐसे में यह प्रोजेक्ट इसे समझने में काफी मदद कर सकता है।

दशहरा में देवताओं के शिविरों में लगी आग, दो लोग झुलसे दमकलकर्मी मौके पर मौजूद

कुल्लू, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा में ढालपुर के दशहरा मैदान में देवी देवताओं वीके अस्थायी शिविरों में आग लगने अफरा तफरी मच है। आग की घटना में कई देवताओं के टेंट जल गए। इसके कई दुकानें भी आग की भेंट चढ़ गई। देर रात करीब दो से तीन बजे के बीच भड़की आग से पूरे ढालपुर में अफरातफरी का माहौल रहा। आग कैसे लगी इसका खुलासा नहीं हुआ है। सूचना के बाद मौके पर अग्निशमन विभाग पहुंचा और आग पर काबू पाया गया। मगर देवलुओं ने देवताओं को बाहर सुरक्षित निकाल दिया था। आग की इस घटना में एक गाड़ी के भी जलने की सूचना है। आग की घटना में 13 देवताओं के टेंट और पांच दुकानें जल गई हैं।

नासा के जूनो ने कैद किया जुपिटर का भयानक 'चेहरा'

वॉशिंगटन, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। जुपिटर ग्रह का रहस्य सुलझाने में जुटे नासा के अंतरिक्ष यान जूनो ने अपने कैमरे में जुपिटर का भयानक 'चेहरा' कैद किया है। हाल में नासा ने यह तस्वीरें जारी की हैं, इसमें दो आंखों, एक नाक और मुंह भी नजर आ रहा है। दुनियाभर के वैज्ञानिक इन तस्वीरों के मायने समझने का प्रयास कर रहे हैं, माना जा रहा है कि तस्वीर में अशांत बादलों का तूफान दिख रहा है, जो बेहद डरावना नजर आ रहा है। अंतरिक्ष रहस्यों की खान है, ऐसे कई अनसुलझे सवाल हैं, जिनका जवाब तलाशने के लिए दुनियाभर की स्पेस एजेंसियां लगी हैं, नासा का अंतरिक्ष यान जूनो भी एक ऐसे ही मिशन पर निकला है। नासा के इस स्पेसक्राफ्ट पर जुपिटर के रहस्यों को सुलझाने की जिम्मेदारी है। 2016 से लगातार जूनो इस काम में जुटा है। हाल ही में यह 54 वीं बार जुपिटर ग्रह के पास से गुजरा और इस भयानक तस्वीर को कैमरे में कैद किया।

आखिर तस्वीर में क्या है?

नासा के जूनो अंतरिक्ष यान द्वारा दी गई यह तस्वीर जुपिटर के उत्तरी क्षेत्र को दर्शाती है, इसमें ग्रह पर होने वाले दिन और रात की विभाजन रेखा साफ नजर आ रही है, इसके अलावा तस्वीर में अशांत बादल भी नजर आ रहे हैं। तस्वीर में जो सबसे भयानक दिख रहा है वह ग्रह पर आने वाले तूफान हैं। जो इस तस्वीर को डरावना बना रहे हैं। माना जा रहा है कि यह तस्वीर सूरज की रोशनी वाले कोण से ली गई है जो वैज्ञानिकों को ग्रह की वायुमंडलीय प्रक्रियाओं को समझने में मदद करेगी। नासा की एक रिपोर्ट के मुताबिक जुपिटर की ये तस्वीर 2400 मील यानी 7700 किमी ऊपर से ली गई है। वैज्ञानिकों के मुताबकि यह इस ग्रह पर पेरिडोलिया दिखाती हैं, जिसमें रैंडम पैटर्न के चेहरे नजर आते हैं। नासा ने यह मिशन 2011 में लांच किया था। 2016 में जुलाई माह में जुपिटर की ऑर्बिट में पहुंच गया था और तब से उसकी परिक्रमा कर रहा है।

फ्रांस में मिला मौत का वायरस, आंखों से निकालता है खून, ब्रिटेन में मचा हड़कंप

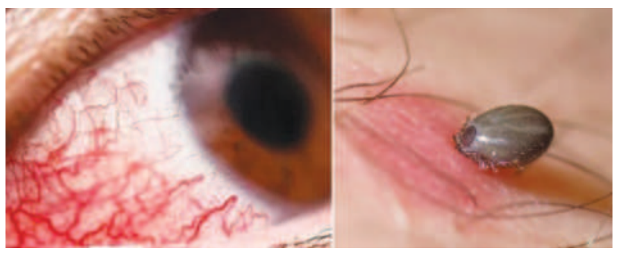

फ्रांस, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्रांस में दुनिया की सबसे घातक बीमारियों में से एक की खोज हुई है। यह पीड़ितों की आंखों से खून बहा सकता है। वैज्ञानिकों को डर सता रहा है कि क्रीमियन-कांगो रक्तस्रावी बुखार जल्द ही ब्रिटेन की सीमा तक पहुंच सकता है। फ्रांस के हेल्थ अधिकारियों ने बताया कि, 'यह विषाणु उत्तर-पूर्व स्पेन की सीमा से लगे पाइरेनीस ओरिएंटेल्स में टिक्स एक किड़ा) में पाया गया है, हालांकि फ्रांस में एक भी संक्रमण का केस अभी तक देखने को मिला है।' वैज्ञानिकों ने बताया कि क्रीमियन-कांगो रक्तस्रावी बुखार एक टिक जनित बीमारी है। यह मूलतः अफ्रीका , बाल्कन, मध्य पूर्व एशिया और एशिया जैसे गर्म जलवायु वाले स्थानों में पाया जाता है। डब्ल्यूएचओ (डब्ल्यूएचओ) ने बाताया कि दुर्लभ होने के बावजूद 40% लोगों की जान लेने में सक्षम हैं। जुलाई में, ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी थी कि जलवायु परिवर्तन के कारण यह बीमारी अपने सामान्य क्षेत्रों से बाहर निकलकर यूनाइटेड किंगडम (यूके) और फ्रांस की ओर बढ़ सकती है। साल 2016 से 2022 के बीच स्पेन में इस बीमारी के 7 मामले आ चुके हैं। इनमें 3 लोगों की मौत हो चुकी है। विज्ञान समिट के दौरान कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में पशु चिकित्सा के प्रमुख प्रोफेसर जेम्स वुड ने कहा कि सीसीएचएफ (सीसीएचएफ), 'कभी भी टिक्स (किड़ा) के माध्यम से₹ ब्रिटेन तक पहुंच सकता है, वहीं द सन अखबार से बात करते हुए, लिवरपूल विश्वविद्यालय में एवियन संक्रमण और प्रतिरक्षा के प्रोफेसर पॉल विगले ने सहमति जताते हुए कहा कि प्रोफेसर वुड की भविष्यवाणी सच है और यह बग (किड़े) के माध्यम से जल्द ही यूके तक पहुंच सकता है।

मालदीव से भारतीय सैनिकों की हो सकती है वापसी

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज बोले- नई दिल्ली के साथ शुरू हुई बातचीत

कोलंबो, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज ने कहा कि वह अपने देश से भारतीय सैनिकों की वापसी के लिए नई दिल्ली से बातचीत शुरू कर दी है। ब्लूमबर्ग न्यूज द्वारा प्रकाशित एक साक्षात्कार में उन्होंने बातचीत को सही दिशा में और सफल करार दिया। मालूम हो कि मोहम्मद मुइज ने पिछले माह मालदीव में उपस्थित भारतीय सैनिकों को हटाने के लिए एक प्रमुख अभियान चलाया था। मोहम्मद मुइज ने साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने पहले ही भारत सरकार के साथ सैन्य उपस्थिति को हटाने के संबंध में बातचीत शुरू कर दी है। उन्होंने नई दिल्ली के साथ की जा रही वार्ताओं को सफल करार देते हुए कहा कि हम भारत के साथ एक द्विपक्षीय संबंध चाहते हैं जो दोनों देशों के लिए फायदेमंद हो। हालांकि, उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मालदीव में भारतीय सैनिकों की जगह अन्य दूसरे देश के सैनिक नहीं लेगें। भारत से सैन्य कर्मियों को हटाने के लिए कहना यह किसी भी तरह से इस बात का संकेत नहीं देता है कि मैं चीन या किसी अन्य देश को अपने सैन्य जवानों को यहां लाने की अनुमति देने जा रहा हूं।- मोहम्मद मुइज, मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मालूम हो कि मालदीव में करीब 70 भारतीय सैन्य कर्मी मौजूद हैं, जो नई दिल्ली प्रायोजित रडार स्टेशनों और निगरानी विमानों का रखरखाव करते हैं,

म्यांमार में फिर आया भूकंप, रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई तीव्रता, अफगानिस्तान में भी लगे झटके

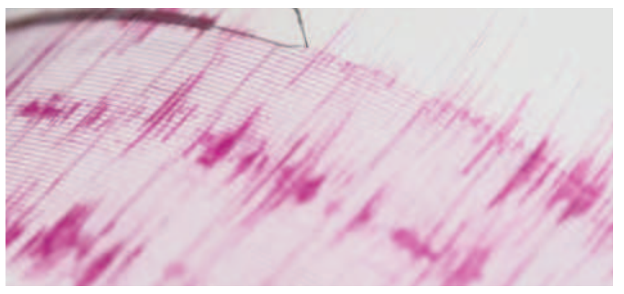

म्यांमार, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। म्यांमार में भूकंप आया है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने शनिवार को बताया कि सुबह 4:53 मिनट पर 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। राहत की बात है कि इन झटकों से जान-माल को नुकसान नहीं पहुंचा है। बीते एक हफ्ते में म्यांमार में यह दूसरा भूकंप रिकॉर्ड किया गया है। शुक्रवार की रात को भूकंप सिर्फ म्यांमार में ही नहीं आया। अफगानिस्ता में भी धरती में कंपकपाहट महसूस की गई। अफगानिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हालांकि इस भूकंप से किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई है।

एशिया में बढ़ी है भूकंप की संख्या

म्यांमार में भूकंप आने से पहले अरुणाचल प्रदेश के तवांग में भी शुक्रवार सुबह भूकंप आया था। इससे पहले नेपाल के भी कई पहाड़ी इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गये थे। अफगानिस्तान में भी कई जगहों पर भूकंप की वजह से जान माल का काफी नुकसान हुआ था। इस हफ्ते की शुरुआत में अफगानिस्तान में आए भूकंप से बहुत नुकसान हुआ था।

अफगानिस्तान में भूकंप से हजारों मौतें

अफगानिस्तान में जो भूकंप आ रहे हैं उनकी वजह से वहां पर काफी जान-माल का नुकसान हो रहा है। बीते हफ्ते 6 मैग्निट्यूड की तीव्रता से अधिक के भूकंप ने परेशान कर दिया। अफगानिस्तान पर शासन कर रहे तालिबान ने कहा, भूकंप से हमें काफी नुकसान हो रहा है और गरीब नागरिकों की मौत हो रही है। तालिबान के शासकों ने भूकंप जैसी आपदा से लोगों की रक्षा के लिए आर्थिक मदद की अपील की।

सिंगापुर की एक अदालत ने भारतीय नागरिक को सुनाई 16 साल की सजा

सिंगापुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिंगापुर की एक अदालत ने छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में एक भारतीय नागरिक को 16 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने भारतीय नागरिक को 12 कोड़े मारने की भी सजा सुनाई गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 26 वर्षीय चिन्नैया ने यूनिवर्सिटी की छात्रा का रात के समय बस स्टॉप जाते वक्त पीछा किया था। इसके बाद उसने छात्रा को गलत इशारे किए और उसके बाद उसने पीड़िता के साथ हाथापाई। आरोप है कि 26 वर्षीय चिन्नैया पीड़िता को एक जंगली इलाके में खींचकर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। हाथापाई में पीड़िता के चेहरे पर काफी चोट आई थी, जिस वजह से छात्रा के दोस्त भी नहीं पहचान सके। बता दें कि पीड़िता के साथ 4 मई, 2019 को दुष्कर्म हुआ था। अदालत को बताया गया कि मामले को सामने आने में चार साल इसलिए लग गए क्योंकि आरोपी चिन्नैया की मानसिक स्थिति की जांच कराई गई थी। डिप्टी पब्लिक प्रॉसिक्यूटर कयाल पिल्लई ने कहा कि चिन्नैया ने छात्र का यौन उत्पीड़न किया था,

दो लाख लड़कियों के साथ घिनौनी हरकत चर्च में सालों से चल रहा था गंदा खेल

रोमन, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्पेन में रोमन कैथोलिक चर्च को लेकर एक बेहद ही गंभीर और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। यहां कमोबेश दो लाख नाबालिग या बालिग लड़कियां यौन शोषण का शिकार हुई हैं। यह वो आंकड़े हैं जिसे कैथोलिक पादरियों ने अंजाम दिया। अगर चर्च के आम सदस्यों द्वारा किए गए अपराध की बात करें तो चार लाख लड़कियां यौन शोषण की पीड़ित हैं। एक स्वतंत्र आयोग ने 8,000 से ज्यादा लोगों से बात की और 0.6 फीसदी लोगों ने माना कि उनका यौन शोषण हुआ। स्पेन की आबादी 3.9 करोड़ है और इनमें 0.6 फीसदी दो लाख आबादी के बराबर है। कई ने बताया कि बचपन में जब वे चर्च जाती थीं तो पादरियों ने उनका शोषण किया। कई ने पादरियों के अलावा चर्च के अन्य सदस्यों पर भी गंभीर आरोप लगाए। अगर आम सदस्यों द्वारा अंजाम दिए गए अपराधों की बात करें तो पर्सेंटेज में यह 1.13 फीसदी होता है जो चार लाख आबादी के बराबर है। स्पेन के राष्ट्रीय लोकपाल एंजेल गैबिलोंडो ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि यह आंकड़े 1940 से अब तक के हैं।

कैथोलिक चर्च पर पहले भी लगे यौन शोषण के आरोप

कैथोलिक चर्च पर पिछले दो दशकों में वैश्विक स्तर पर कई यौन शोषणके आरोप लगे हैं, जिनमें अक्सर बच्चे भी शामिल होते हैं। स्पेन में, एक पारंपरिक रूप से कैथोलिक देश माना जाता था लेकिन अब यह एक धर्मनिरपेक्ष बन गया है। रिपोर्ट में पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए एक नेशनल फंड बनाने की अपील की गई है। रिपोर्ट स्पेन की संसद में पेश की गई है। दरअसल, मार्च 2022 में स्पेन की संसद ने चर्च पर लगे यौन शोषण के आरोपों की जांच के लिए कमेटी बनाई थी। स्पैनिश चर्च ने 2020 में बताया कि कुछ शिकायतों के आधार पर जांच में यौन शोषण के 927 मामलों का खुलासा हुआ था। चर्च का तर्क है कि उसने यौन शोषण से निपटने के लिए प्रोटोकॉल लागू किए हैं और सूबा के भीतर "बाल संरक्षण" कार्यालय स्थापित किए हैं। 2018 में स्पैनिश अखबार एल पेस ने भी एक जांच की थी जिसमें 1927 से पहले के 2206 मामलों का खुलासा हुआ जिसमें 1,036 आरोपियों का पता चला। 2002 में कुछ ताजा यौन शोषण के मामले सामने आने के बाद मामलों की जांच के लिए पहल की गई। अमेरिका, यूरोप, चिली और ऑस्ट्रेलिया तक में कैथोलिक चर्च से इस तरह के मामले सामने आए हैं, जिससे चर्च के नैतिक अधिकार को काफी नुकसान हुआ और इसकी छवि भी खराब हुई। फ्रांस में, एक स्वतंत्र आयोग ने 2021 में बताया कि 1950 के बाद से पादरी सदस्यों द्वारा 216,000 बच्चों, ज्यादातर लड़कों, का यौन शोषण किया गया था।

नाथपा झूला के पास भूस्खलन से एनएच-5 पर आया मलबा,रास्ता बंद होने से हजारों लोग परेशान

किन्नौर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के जिला किन्नौर में निगुलसरी के बाद एक बार फिर से नाथपा झूला के पास देर रात अचानक पहाड़ी से भूस्खलन हुआ है। एनएच-5 पर बड़ी-बड़ी चट्टानें गिरने से पूरी तरह से वाहनों के पहिये थम गए। इससे किन्नौर का संपर्क कट गया है। यातायात अवरुद्ध होने से हजारों लोग परेशान हैं। हाईवे पर मलबा आने के कारण एनएच के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। एनएच-5 बंद होने की सूचना मिलते ही विभाग यातायात व्यवस्था बहाल करने में जुटा है। वहीं जिले के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सेब का सीजन जोरों पर है। मार्ग अवरुद्ध होने से बागवान परेशान हैं। उधर, एक्सईएन रामपुर एनएच- 5 केएल सुमन ने बताया की नेशन हाइवे बंद हो गया है। मशीनों को मौके पर भेज दिया है, जल्द बहाल कर दिया जाएगा ताकि लोगों को परेशानी न हो।

एयर स्ट्राइक में मारा गया हमास का एयरचीफ असेम अबू रकाबा, 7 अक्टूबर के हमले का था मास्टरमाइंड

गाजा, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल के गाजा पर किए गए हमले में आतंकी संगठन हमास का एयरचीफ असेम अबू रकाबा मारा गया है। हमास द्वारा 7 इजराल अक्टूबर को किए गए इजराल के हमले का रकाबा मास्टरमाइंड था। इजराइली एयर स्ट्राइक में हमास के इस मास्टरमाइंड एयरचीफ असेम रकाबा की मौत हो गई है। बताया जाता है कि वह हमास के पैराग्लाइडर्स, ड्रोन का कमांडर था। हमास के एयरचीफ की मौत का इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने एनिमेटेड वीडियो जारी किया है।

हमास और इजराइली सेना में आमने सामने की लड़ाई

हमारे संवाददाता अमित पालित के अनुसार हमास के लड़ाके जनरेटर से अपने कम्यूनिकेशन को कर पा रहे हैं। बिजली और इंटरनेट सेवा गाजा में बंद हो गई है। गाजा में इजराइली सेना जमीनी हमले कर रही है। उत्तरी गाजा के साथ मध्य गाजा में भी हमले किए जा रहे हैं। इजराइली नौसेना ने भी मोर्चा संभाल लिया है। इजराइली नौसेना दक्षिणी गाजा पर हमले कर रही है। हमास के कई आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया गया है। हमास के खिलाफ इजराइल ने हमले और तेज कर दिए हैं। इजराइल के ताबड़तोड़ हमलों से गाजा पट्टी पूरी दुनिया से कट गई है।

अस्पताल की सुरंगों से चल रहा हमास के आतंकवाद का नेटवर्क

अलशिफा अस्पताल के नीचे हमास ने अपनी सुरंगों का जाल बिछाकर अंडरग्राउंड कॉम्प्लेक्स बनाया गया है। यहां से आतंकी गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है। यानी कि अस्पताल के नीचे कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनाया गया है। यहां खूंखार आतंकी आकर छिपते हैं और असलाह भी रखते हैं। इस तरह कई अस्पतालों के नीचे हमास द्वारा बनाई गई सुरंगों का जाल बिछा हुआ है। अलशिफा अस्पताल के बेसमेंट में हमास का हेडक्वार्टर है।

तेल अवीव पर रॉकेट दाग रहा हमास

इसी बीच इजराइल पर भी हमास की ओर से लगातार रॉकेट लॉन्चर दागे जा रहे हैं। हालांकि इजराइल का डिफेंस सिस्टम इन हमलों को काफी हद तक नाकाम कर रहा है। फिर भी कुछ रॉकेट तेल अवीव पर गिर रहे हैं। उधर, लेबनान से हिजबुल्ला संगठन उत्तरी इजराइल को निशाना बना रहा है। इसी बीच यमन के हूती विद्रोहियों ने एक बार फिर इजराइल पर मिसाइल से हमला किया। हालांकि ये मिसाइलें इजराइल की सीमा के पास मिस्र के ताबा शहर में गिर गईं। इससे मिस्र के 6 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। इजराइल ने मिस्र के सुरक्षाकर्मियों के हताहत होने पर हूती विद्राहियों के मिसाइल हमले की निंदा की है।

गाजा में मौत के आंकड़ों पर बाइडन ने जताया शक, अधिकारियों ने जारी कर दिए मृतकों के नाम

वॉशिंगटन, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच 7 अक्टूबर को युद्ध शुरु हुआ था। ये युद्ध लगातार जारी है। इस युद्ध में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा फलस्तीन में हुए मृतकों की संख्या पर सवाल उठाया गया था, जिसके बाद हमास-नियंत्रित गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने 6,000 से अधिक मृतकों के नाम सूचीबद्ध करते हुए एक रिपोर्ट जारी की है। सीएनएन द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, रिपोर्ट में कहा गया है कि 7 से 26 अक्टूबर के बीच 7,028 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें 2,913 बच्चे भी शामिल थे और इन मौतों के लिए इजरायली सेना की आक्रामकता को जिम्मेदार ठहराया। इसमें कहा गया है कि अन्य 281 शवों की अभी तक पहचान नहीं की जा सकी है।

गाजा मंत्रालय ने जारी किए मृतकों के नाम

मंत्रालय ने कहा कि मृतकों की वास्तविक संख्या रिपोर्ट में बताई गई संख्या से कहीं अधिक होने की संभावना है। 6,747 नामों की सूची में प्रत्येक पीड़ित का लिंग, आयु और पहचान पत्र नंबर दिया गया है - जो अमेरिका और इजरायल की चुनौतियों के सामने अपने डेटा की विश्वसनीयता को बढ़ाने का एक स्पष्ट प्रयास है। बुधवार को, बाइडन ने कहा कि उन्हें मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मृतकों के आंकड़ों पर कोई भरोसा नहीं है। गुरुवार को, व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने मंत्रालय को हमास का मुखौटा कहा। गाजा में मंत्रालय और वेस्ट बैंक में रामल्ला में फिलिस्तीनी प्राधिकरण द्वारा घिरे हुए क्षेत्र में हताहतों की संख्या प्रतिदिन जारी की जाती है। फिलिस्तीनी प्राधिकरण हमास के

प्रतिद्वंद्वी गुट द्वारा चलाया जाता है, हालांकि स्वास्थ्य मंत्रालय गाजा में मंत्रालय के साथ संबंध बनाए रखता है। सीएनएन गाजा में सारणीबद्ध मृत्यु संख्या को स्वतंत्र रूप से सत्यापित करने में असमर्थ है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) सहित अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां, गाजा मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों की रिपोर्ट करती हैं। ये आंकड़े अस्पतालों और आपातकालीन सेवाओं द्वारा उपलब्ध कराए गए डेटा से एकत्रित किए गए हैं। फिलिस्तीनी प्राधिकरण के प्रधानमंत्री, मोहम्मद शतयेह ने बाइडन की टिप्पणियों की आलोचना की और कहा कि वेस्ट बैंक में उनके स्वास्थ्य प्राधिकरण का मानना है कि गाजा में मृतकों को लेकर जारी की गई संख्या सटीक है। उन्होंने गुरुवार को अल जजीरा के साथ एक इंटरव्यू में कहा, कुछ नेता ऐसे हैं जो वास्तविकता नहीं देखना चाहते हैं। वे केवल यह देखना चाहते हैं कि इजरायली पक्ष में क्या हो रहा है। वे यह नहीं देखना चाहते कि फिलिस्तीनी पक्ष में क्या हो रहा है। उन्होंने कहा, आंकड़े सही हैं। वे हमारे नंबर हैं। ये नंबर हमें हर दिन गाजा के अस्पतालों से दिए जाते हैं जो हमारे स्वास्थ्य मंत्रालय को प्राप्त होते हैं। पिछले सप्ताह डब्ल्यूएचओ के स्वास्थ्य आपातकालीन कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक माइकल रयान ने संवाददाताओं से कहा कि हमारा मानना है कि इजरायल और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में बताई जा रही संख्याएँ। मिनट-दर-मिनट के आधार पर पूरी तरह से सटीक नहीं हो सकती हैं, लेकिन वे उस संघर्ष के दोनों पक्षों की मृत्यु और चोट के स्तर को दर्शाती हैं।

इजरायली हवाई हमले में 500 लोगों की मौत- किर्बी

गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए नंबर ऐतिहासिक रूप से विवादास्पद नहीं रहे हैं और अमेरिकी विदेश विभाग की रिपोर्टों में उनकी सटीकता पर कोई चेतावनी दिए बिना उद्धृत किए गए हैं। लेकिन मौजूदा संघर्ष ने आंकड़ों पर अंतरराष्ट्रीय निर्भरता पर अधिक ध्यान आकर्षित किया है और 17 अक्टूबर को गाजा शहर के अल-अहली अरब अस्पताल में विस्फोट में मारे गए लोगों की संख्या पर परस्पर विरोधी दावों ने विवाद को और गहरा कर दिया है। मंत्रालय ने अंतिम संख्या 471 बताई है। प्रारंभिक अमेरिकी खुफिया आकलन यह था कि विस्फोट में 100 से 300 के बीच लोगों के मारे जाने की संभावना थी। अन्य विश्लेषकों ने कहा है कि साइट पर प्रभाव क्रेटर के आकार के आधार पर, संख्या दोहरे आंकड़ों में काफी कम हो सकती है। किर्बी ने कहा कि मंत्रालय ने शुरू में बताया था कि इजरायली हवाई हमले में 500 लोग मारे गए थे।

कौन हैं डीन फिलिप्स जिन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के खिलाफ चुनाव लड़ने का किया ऐलान

वॉशिंगटन, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में 2024 के चुनाव को लेकर रिपब्लिकन पार्टी की ओर से छह उम्मीदवार ऐसे हैं जो राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से अब तक जो बाइडेन के अलावा किसी और उम्मीदवार का नाम सामने नहीं आया था, लेकिन अब मिनेसोटा के डेमोक्रेटिक पार्टी नेता और बिजनेसमैन डीन फिलिप्स ने जो बाइडेन के खिलाफ चुनाव लड़ने का फैसला किया है। डीन फिलिप्स डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। इसलिए अब प्राइमरी चुनाव के दौरान पार्टी के भीतर ही चुनाव होगा। डीन फिलिप्स अमेरिका स्थित बिजनेसमैन हैं और डेमोक्रेटिक पार्टी के तीन बार हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के सदस्य हैं।वह स्मॉल बिजनेस और विदेश मामलों की समिति के सदस्य भी हैं। वह मिनेसोटा के मूल निवासी हैं। एक्स पर किए पोस्ट में डीन फिलिप्स ने कहा, मैं 2024 में डेमोक्रेट के रूप में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रहा हूं। मेरा अभियान चार मुख्य चीजों के बारे में होगा। उन्होंने लिखा, सबसे अव्वल अर्थव्यवस्था, हमें मध्यम वर्गीय परिवार के जीवन को आसान बनाना होगा। जीवन यापन के लागत को कम करना होगा। दूसरा लक्ष्य सुरक्षा पर केंद्रित होगा। दूसरा, यदि लोग अपने समुदायों में सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं तो बहुत कुछ मायने नहीं रखता है। हमारे पास इस देश में एक दवा संकट और मानसिक स्वास्थ्य संकट है। यह व्यक्ति के साथ-साथ उनके समुदायों पर भी एक भयानक प्रभाव डाल रहा है।

जयपुर की पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल बीजेपी में शामिल

कांग्रेस के तीन नेताओं समेत दो रिटायर्ड आईपीएस और छात्र नेता रवींद्र भाटी ने भी जॉइन की बीजेपी

जयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के तीन सीनियर नेता पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए हैं। जयपुर की पूर्व मेयर और कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ चुकीं ज्योति खंडेलवाल बीजेपी में शामिल हो गईं हैं। साथ ही तारानगर से पूर्व विधायक और कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे चंदनमल बैद के बेटे चंद्रशेखर बैद, पूर्व विधायक नंदलाल पूनिया बीजेपी में शामिल हो गए हैं। जोधपुर यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष रवींद्र सिंह भाटी भी बीजेपी से जुड़ गए।

रिटायर्ड आईपीएस केसर सिंह शेखावत और भीम सिंह बीका, राजस्थान धरोहर प्रोन्नति परिषद के उपाध्यक्ष सांवरमल महिया और मंडावा से निर्दलीय उम्मीदवार रहे डॉ. हरिसिंह ने भी बीजेपी जॉइन की है।

रवींद्र भाटी को शिव से टिकट दे सकती है बीजेपी

रवींद्र सिंह भाटी लंबे समय से वेस्टर्न राजस्थान में सक्रिय हैं। वे शिव से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। उन्हें बीजेपी शिव सीट से टिकट दे सकती है।

ज्योति खंडेलवाल को किशनपोल से उम्मीदवार बना सकती है बीजेपी

ज्योति खंडेलवाल जयपुर में कांग्रेस का प्रमुख महिला चेहरा रही हैं। जयपुर की मेयर रहने के साथ लोकसभा चुनाव लड़ चुकी हैं। वे सचिन पायलट खेमे में थीं। किशनपोल सीट से टिकट की दावेदार थीं। बीजेपी उन्हें किशनपोल सीट से टिकट दे सकती है।

अरुण सिंह बोले- गहलोत सरकार जाने वाली है

बीजेपी प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने बीजेपी मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा- गहलोत सरकार जाने वाली है। मुख्यमंत्री के बयान साफ इशारा कर रहे हैं कि यह सरकार गई। उन्होंने ईडी के लिए जिस तरह के शब्दों का प्रयोग किया। उनकी बौखलाहट को ही दिखा रहा है।

राजेंद्र राठौड़ बोले- गारंटियां देकर आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे सीएम

राजेंद्र राठौड़ ने कहा- मुख्यमंत्री आचार संहिता लगने के बावजूद भी गारंटियां देकर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं। ईडी की कार्रवाई के बाद जिस तरह की भाषा बोल रहे हैं। उचित नहीं है। पेपर लीक में डीपी जारोली ने कहा था कि मेरा कसूर नहीं। ऊपर बैठे लोगों के कहने पर सब किया। बाबूलाल कटारा ने भी सब कबूल लिया है। पैसा देने की बात मानी है। नौजवानों के अरमानों को लूटने वालों पर जब ईडी की जांच हुई तो उसके लिए किस तरह के शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है।

सीपी जोशी ने कहा- जनता पीएम की गारंटी पर ही भरोसा करती है, गहलोत की गारंटी नहीं मानेगी

सीपी जोशी ने कहा- मुख्यमंत्री गारंटियों के नाम पर जनता को गुमराह कर रहे हैं। जनता पूछ रही है किसान कर्ज माफी की गारंटी का क्या हुआ, युवाओं के रोजगार की गारंटी का क्या हुआ? लोग अब उनकी गारंटी मानने वाले नहीं है। लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी मानते हैं।

जोशी ने कहा- भ्रष्टाचार रोकने का काम करने वाली एजेंसी ईडी के लिए मुख्यमंत्री ने कहा- यह कुत्ते हैं, यह कर्मचारियों का अपमान है। राजस्थान के कितने सरकारी कर्मचारी होंगे। कितने लोग भ्रष्टाचारी खिलाफ होते हैं। कोई गरीब किसान का बेटा दलित का बेटा लाखों युवाओं को न्याय दिलाने के लिए काम कर रहे हैं उनके लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग मुख्यमंत्री करते हैं मैं उसकी निंदा करता हूं।

आम आदमी पार्टी ने 21 सीटों पर घोषित किए उम्मीदवार

रिटायर्ड आईआरएस अफसर को भी दिया टिकट

जयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। आप ने दूसरी सूची में 21 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं।

आम आदमी पार्टी ने विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। आप ने दूसरी सूची में 21 सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं। गुरुवार को पहली सूची में 23 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की थी। आम आदमी पार्टी अब तक दो बार में 44 सीटों पर उम्मीदवार उतार चुकी है। झालावाड़ जिले की खानपुर सीट से रिटायर्ड आईआरएस अफसर आरपी मीणा को टिकट दिया है।

दूसरी सूची में इन चेहरों को मिली जगह

आप की दूसरी सूची में बीकानेर वेस्ट से मनीष शर्मा, रतनगढ़ से डॉ. संजू बाला, सीकर से झाबर सिंह खीचड़, शाहपुरा से रामेश्वर प्रसाद सैनी, चौमू से हेमतं कुमार कुमावत, सिविल लाइंस से अर्चित गुप्ता, बस्सी से रामेश्वर प्रसाद जाद को उम्मीदवार बनाया है। बहरोड़ से एडवोकेट हरदान सिंह गुर्जर, रामगढ़ से विश्वेंद्र सिंह, नदबई से रोहिताश चतुर्वेदी, करौली से हीना फिरोज बैग, सवाईमाधोपुर से मुकेश भूप्रेमी, खंडार से मनफल बैरवा को टिकट दिया है।

ज्यादातर चेहरे राजनीति में फ्रेशर्स

मारवाड़ जंक्शन से नरपत सिंह, बाली से लाल सिंह, जोधपुर से रोहित जोशी, सांचौर से रामलाल बिश्नोई, शाहपुरा से पूर्णमल खटीक, पीपलदा से दिलीप कुमार मीणा, छबड़ा से रिटायर्ड आईआरएस आरपी मीणा और खानपुर से दिपेश सोनी को टिकट दिया है। आम आदमी पार्टी ने 41 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की है, पार्टी ने नए चेहरों को टिकट दिए हैं, ज्यादातर राजनीति में फ्रेशर्स हैं।

आप बिना गठबंधन लड़ रही है चुनाव

आम आदमी पार्टी राजस्थान में अब तक बिना किसी गठबंधन के चुनाव लड़ रही है। अबतक किसी पार्टी से गठबंधन नहीं किया है। आप ने सभी 200 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है।

अब तक की दो लिस्ट में से आप ने किसी बड़े चेहरे को टिकट नहीं दिया है, सभी सीटों पर नए चेहरों को उतारा गया है।

हनुमान बेनीवाल खींवसर से चुनाव लड़ेंगे, भाई का टिकट काटा

आरएलपी ने 10 उम्मीदवारों की घोषणा की

मंत्री भाटी के सामने कोलायत से रेवतराम पंवार को टिकट

जयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। हनुमान बेनीवाल ने सरदारशहर से लालचंद मूंड को टिकट दिया है. वहीं, कोलायत से रेवतराम पंवार को चुनावी मैदान में उतारा है.

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए हनुमान बेनीवाल ने अपनी पार्टी रालोप (RLP) के 10 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है. इस बार नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल खुद विधानसभा चुनाव के मैदान में उतरे हैं और खींवसर से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं.

हनुमान बेनीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिस्ट जारी होने की जानकारी दी. उन्होंने लिखा, 'राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की चुनाव समिति ने राजस्थान में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव - 2023 के लिए निम्नलिखित उम्मीदवारों के नामों पर अपनी सहमति प्रदान की है! मैं सभी उम्मीदवारों को शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं.' यहां देखें लिस्ट-

इन 10 सीटों पर आरएलपी ने उतारे उम्मीदवार

राजस्तथान की खींवसर विधानसभा सीट से खुद हनुमान बेनीवाल चुनावी मैदान में उतर रहे हैं. वहीं, भोपालगढ़ सीट से पुखराज गर्ग, मेड़ता से इंदिरा देवी बावरी, परबतसर से लच्छाराम बडारड़ा और कोलायत से रेवतराम पंवार को टिकट दिया गया है.

इसके अलावा, सहाड़ा विधानसभा सीट से बद्रीलाल जाट, बायतू से उम्मेदराम बेनीवाल, सरदारशहर सीट से लालचंद मूंड, सांगानेर से महेश सैनी और जोधपुर (शहर) सीट से डॉ. अजय द्विवेदी पर रालोप ने भरोसा जताया है.

कोलायत इस बार भी है हॉट सीट

मालूम हो, बीकानेर जिले की कोलायत सीट इस बार भी हॉट सीट बनी हुई है. हनुमान बेनीवाल की नजर इस सीट पर लगातार रही है. पूर्व विधायक रेवतराम पंवार को अपनी पार्टी में शामिल कर ये संकेत पहले ही दे दिए गए थे कि यहां से उन्हें टिकट दिया जाएगा. पंवार इसी क्षेत्र के निवासी हैं और भले ही ये सामान्य सीट हो, लेकिन यहां एससी वोट बैंक बहुतायत में है. ऐसे में माना जा रहा है कि रालोपा यहां पर बड़े दलों के लिए मुश्किल खड़ी कर सकती है.

ईडी कार्रवाई पर बीजेपी को घेरने की तैयारी

सातों संभाग में कांग्रेस शुरू करेगी बस यात्रा

जयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर कांग्रेस जल्द ही प्रदेश के सातों संभागों में यात्राएं निकालना शुरू करेगी। इसके लिए संभाग प्रभारी भी बनाए जाएंगे। यात्रा की तिथि का एलान भी जल्द कर दिया जाएगा।

प्रदेश में विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस लगातार घोषणाएं करती जा रही है। अब इन घोषणाओं को घर-घर पहुंचाने के लिए सातों संभागों में यात्राएं शुरू की जाएगी। कांग्रेस वार रूम में हुई कांग्रेस कोर कमेटी की बैठक में यह निर्णय किया गया कि प्रदेश के सातों संभागों की हर विधानसभा में बस से यात्राएं निकाली जाएंगी। बैठक में सीएम अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, मेनिफेस्टो कमेटी के अध्यक्ष सीपी जोशी मौजूद थे।

जानकारी के मुताबिक, हर यात्रा के साथ कांग्रेस का कम से कम एक बड़ा नेता जुड़ेगा। यात्रा की तारीख जल्द घोषित कर दी जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले भाजपा भी प्रदेश में परिवर्तन यात्रा निकाल चुकी है। लेकिन यह यात्रा पार्टी में गुटबाजी के चलते विवादों में ज्यादा रही। वहीं, सीएम अशोक गहलोत भी ईआरसीपी और विजन 2030 को लेकर जो यात्रा निकालने वाले थे। वह भी एन वक्त पर स्थगित कर दी गई। प्लान के मुकाबले गहलोत को 42 विधानसभाओं में यात्रा निकालनी थी। यात्रा का रूट चार्ट भी तैयार हो गया था। लेकिन बाद में योजना पर ब्रेक लग गए। इसके बाद कुछ जगहों पर सांकेतिक यात्राएं जरूर निकाली गई।

डोटासरा बोले हर विधानसभा से निकलेगी यात्रा

गुरुवार को ईडी की कार्रवाई का सामना कर चुके गोविंद सिहं डोटासरा ने बताया कि हर संभाग में आने वाली विधानसभाओं से यह यात्रा निकलेगी। इसके लिए संभाग प्रभारी बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन यात्राओं में घर-घर जाकर कांग्रेस की योजनाओं का प्रचार करेंगे साथ ही भाजपा को एक्सपोज भी करेंगे। गौरतलब है कि राजस्थान में 25 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने है।

कांग्रेस अब तीन सूचियां जारी कर 95 प्रत्याशियों को मैदान में उतार चुकी है। टिकट जारी करने के साथ ही सीएम अशोक गहलोत 7 बड़ी गारंटियों का ऐलान भी कर चुके हैं। इनमें महिलाओं को 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, सरकारी कॉलेज में प्रथम वर्ष में दाखिला लेने वाले छात्रों को लैपटॉप, पशुपालकों से गौबर की खरीद, ओल्प पेंशन स्कीम तथा आपदा राहत में 15 लाख का बीमा कवर शामिल है।

5 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

हत्या का प्रयास, चोरी-लूट सहित कई मुकदमे दर्ज; स्पेशल टीम की कार्रवाई

करौली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिला स्पेशल पुलिस टीम और करौली कोतवाली पुलिस ने एक संयुक्त कार्रवाई में 5 हजार रुपए के इनामी गब्बर मीना को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर हत्या के प्रयास, चोरी, लूट सहित एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज है। आरोपी करौली सदर थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर है और करीब एक महीने पहले हुए फायरिंग मामले में फरार चल रहा था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

जिला स्पेशल पुलिस टीम प्रभारी कैलाश सामरी ने बताया कि एसपी ममता गुप्ता की निर्देशन में पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पुलिस ने गब्बर मीणा पुत्र हंसराम निवासी पाटौरन को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने करीब एक महीने पहले करौली सदर थाना क्षेत्र के आम का पुरा में एक ठेका पर फायरिंग की थी। पुलिस ने आरोपी को मुखबिर की सूचना पर पाटौरन से गिरफ्तार किया है।

प्रभारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस जब आरोपी को पकड़ने गांव पहुंची तो वो गिरफ्तारी से बचने के लिए पैदल ही भागने लगा। पुलिस टीम ने करीब 5 किलोमीटर से अधिक दूर तक पीछा करके आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी में कॉन्स्टेबल रन्नो सिंह, जय भारत और साइबर सैल के पुष्पेंद्र की विशेष भूमिका रही है। आरोपी पर हत्या का प्रयास, मारपीट, हथियार रखना, लूट जैसे करीब एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

9 जिलों में बादल छाए

तापमान में बढ़ोतरी होने से रात में सर्दी थोड़ी कम हुई, 3 डिग्री बढ़ा

जयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर दिखने लगा है। बीकानेर, जोधपुर संभाग के 9 जिलों में कल रात से आसमान में बादल बनने शुरू हुए। हालांकि नमी कम होने से बारिश नहीं हुई। वहीं, तापमान में बढ़ोतरी होने से रात में ठंडक थोड़ी कम हो गई। शेखावाटी के सीकर, चूरू, झुंझुनूं में रात का तापमान 3 डिग्री बढ़ गया है।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से जयपुर, सीकर, नागौर, चूरू, झुंझुनूं, अजमेर, जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर के एरिया में भी आज सुबह हल्के बादल छाए रहे। जयपुर में बादल छाने से धूप थोड़ी हल्की रही। बादलों के कारण सीकर, अलवर में न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया। कल इन शहरों का न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस से नीचे था, जो आज बढ़कर 16 डिग्री से ऊपर दर्ज हुआ। जयपुर, जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर में भी रात का न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान से आए इस सिस्टम में तीव्रता और नमी कम होने के कारण बारिश नहीं हुई। उन्होंने बताया कि इस सिस्टम का असर आज भी राज्य के उत्तर-पश्चिम हिस्से में रहेगा। कल से आसमान वापस साफ होने लगेगा। उत्तर-पश्चिमी हवाओं का असर बढ़ने लगेगा। इससे एक बार फिर शहरों में रात का तापमान गिरने लगेगा।

जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर में उत्तरी हवाओं का असर कम होने से यहां गर्मी फिर से बढ़ गई। कल इन शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। जैसलमेर में अधिकतम तापमान कल 37.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि बाड़मेर में 36.8, बीकानेर में 36.5 और जालौर 36.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

पीएम मोदी के दान पर प्रियंका गांधी ने बोला झूठ

देवनारायण मंदिर के पुजारी बोले- उनके बयान से भावनाएं आहत हुईं

जयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी के श्री देवनारायण मंदिर में चंदा देने और उसके खुलासे पर हुए विवाद को लेकर अब मंदिर समिति ने निंदा की है। पीएम मोदी के श्री देवनारायण मंदिर में चंदा देने और उसके खुलासे पर हुए विवाद को लेकर अब मंदिर समिति ने निंदा की है। मालासेरी स्थित गुर्जरों के आराध्य देव श्री देवनारायण जी भगवान के 1111 वे अवतार दिवस कार्यक्रम में पीएम मोदी भी शामिल हुए थे। इस अवसर पर उन्होंने दान पेटी में भेंट स्वरूप एक लिफाफा डाला था। इसी लिफाफे को लेकर अब विवाद हो रहा है। मंदिर के पुजारी ने पीएम के दान के मुद्दे पर झूठ बोलने के लिए प्रियंका गांधी की निंदा की है। उन्होंने बताया कि मंदिर कमेटी कभी भी दान के बारे में खुलासा नहीं करती। पुजारी ने कहा कि इससे भगवान में आस्था रखने वालों की भावनाएं आहत हुई हैं।

बीजेपी के वादे भी पीएम मोदी की तरह

पुजारी ने कहा कि पीएम के लिफाफे में 20-21 रुपए के दान वाली बात कहना गलत है। बता दें कि 20 अक्टूबर को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने दौसा में एक रैली को संबोधित किया था। इस रैली में उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधा।

प्रियंका गांधी ने कहा कि पीएम ने एक मंदिर में आकर दान किया और ढक्कन खोला तो 21 रुपये मिले। उन्होंने कहा कि बीजेपी के वादे भी पीएम मोदी के दान की तरह ही है।

दान का कभी नहीं होता खुलासा

गौरतलब है कि भगवान देवनारायण के 1111वें प्रकटोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी भी पहुंचे थे। उन्होंने यहां पूजा अर्चना भी की थी। इसके बाद एक बंद लिफाफा दान किया था। मंदिर का दानपात्र कुछ विशेष अवसरों पर ही खोला जाता है। 25 सितंबर को जब दानपात्र खोला गया था तो इसमें पीएम मोदी के नाम का लिफाफा भी था। उस लिफाफे में 21 रुपये मिले। हालांकि मंदिर प्रशासन ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि दान का कभी भी खुलासा नहीं किया जाता है।

झालरापाटन पुलिस ने तीन ठगों किया गिरफ्तार: रुपए दुगना करने का झांसा से देकर हड़पे थे 30 लाख, 21.90 लाख बरामद

झालरापाटन, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। झालरापाटन शहर थाना पुलिस ने नोट दुगना करने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने के मामले में एक महिला सहित तीन जनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से धोखाधड़ी कर हड़पी गई रकम में से 21 लाख 90 हजार रुपए भी बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक रिचा तोमर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि असनावर थाना क्षेत्र के गांव जूना खेड़ा निवासी राजेश सुथार ने 24 अक्टूबर को पुलिस को एक प्रार्थना पत्र दिया था कि भवानीमंडी निवासी कब्बू बेग नामक व्यक्ति ने उसे रकम दुगना करने का झांसा दिया। तथा रकम दुगनी करने के लिए राशि लेकर बुलाया। राजेश सुथार कब्बू बेग के झांसे में आ गया,और उसने अपने साथियों के साथ 30 लाख 30 हजार रुपए इकट्ठे किए और इस राशि को दुगना करवाने के लिए वह कब्बू बेग से झालरापाटन की पूर्वज होटल में मिले।

3 बच्चों के साथ खाया जहर, पिता-बेटी की मौत

कोटपूतली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। पत्नी के घर छोड़कर जाने से परेशान युवक ने बेटे, बेटी और भतीजे के साथ मंदिर में जहर खा लिया। चारों को गंभीर हालत में पावटा सीएचसी ले जाया गया, जहां से जयपुर रेफर कर दिया गया। जयपुर के निम्स हॉस्पिटल में इलाज के दौरान बेटी की मौत हो गई। वहीं, पिता ने तड़के इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रागपुरा थाना अधिकारी मुखराम ने बताया- कृष्ण (25) पुत्र अमीचंद पावटा क्षेत्र के ग्राम तुलसीपुरा का रहने वाला है। कृष्ण 4-5 दिन से मानसिक रूप से परेशान था। कृष्ण ने गांव के एक मंदिर में अपने दोनों बच्चों वंश (7), रुचि (4) और भतीजे विनीत (5) पुत्र घनश्याम को जहर खिला दिया। इसके बाद उसने भी जहर खा लिया। लाज के दौरान बेटी रुचि और पिता कृष्ण की मौत हो गई।

फूड पॉइजनिंग से 23 लोगों की बिगड़ी तबीयत

खोले के हनुमानजी में थी प्रसादी, कथा के बाद था भक्तजनों का खाना

जयपुर, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में फूड पॉइजनिंग से 23 लोगों की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया है। खोले के हनुमानजी में कथा के बाद भोजन-प्रसादी का कार्यक्रम रखा गया था। फूड पॉइनजिंग के शिकार भक्तजनों का तुरंत इलाज करवाया गया। गलता गेट थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है।

एएसआई बाबूलाल ने बताया कि लालसोट दौसा निवासी शिवशंकर चोपड़ा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि खोले के हनुमानजी में मुरलीधर महाराज रामकथा कर रहे है।कथा सुनने के लिए काफी संख्या में भक्त अलग-अलग जगहों से शामिल होने आए थे। बाहर से आए भक्तजनों के लिए भोजन-प्रसादी की भी व्यवस्था की गई थी। भोजन-प्रसादी का कार्यक्रम रखा गया था। खाने में गुलाब जामुन, मिश्री मावा, चपाती, दाल, पापड़, आलू-गोभी सब्जी और लोट्स का घी था।

एपी से 'अमृत कलश यात्रा' में लगभग 1100 स्वयंसेवक रवाना

छात्रों ने मानव श्रृंखला बनाकर 1.5 किमी लंबे तिरंगे झंडे के साथ रैली निकाली

विजयवाड़ा, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नई दिल्ली में मेरी माटी मेरा देश अभियान में भाग लेने के लिए आंध्र प्रदेश से लगभग 1100 स्वयंसेवक विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर 26 जिलों से 824 अस्थि कलश लेकर ट्रेन में चढ़े। विजयवाड़ा स्टेशन पर स्कूली छात्रों ने मानव श्रृंखला बनाकर 1.5 किमी लंबे तिरंगे झंडे के साथ रैली निकाली मेरी माटी मेरा देश अभियान के हिस्से के रूप में, दक्षिण मध्य रेलवे विजयवाड़ा मंडल ने विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन से अमृत कलश यात्रा विशेष ट्रेन की व्यवस्था की। अमृत कलश यात्रा विशेष ट्रेन में पवित्र मिट्टी, चावल और एकत्र किए गए पौधों से युक्त 824 कलश रखे गए। आंध्र प्रदेश के जिलों को विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 से हरी झंडी दिखाई गई। वेल्लमपल्ली श्रीनिवास राव, विधायक विजयवाड़ा पश्चिम, श्रीमती आर. भाग्यलक्ष्मी, महापौर, विजयवाड़ा शहर, एस. दिल्ली राव, जिला कलेक्टर, एनटीआर नरेंद्र ए. पाटिल, मंडल रेल प्रबंधक, स्वप्निल दिनाकर, नगर आयुक्त, वीएमसी, सुश्री अदिति सिंह, उपजिलाधिकारी, विजयवाड़ा ने अमृत कलश यात्रा स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह अमृत कलश यात्रा विशेष ट्रेन राज्य की राजधानी से राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली तक अमृत कलश की अंतिम चरण की यात्रा और मार्च 2021 में शुरू किए गए भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की परिणति को चिह्नित करेगी। एपी से लगभग 1100 स्वयंसेवक ट्रेन में सवार हुए।

नगर निगम और निजी स्कूलों, भारत स्काउट्स और गाइड्स के लगभग 750 छात्रों ने ध्वजारोहण समारोह में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। भारत माता की जय, एक भारत श्रेष्ठ, के नारों के बीच पूरा स्टेशन देशभक्ति के जोश से गूंज उठा। छात्रों द्वारा कुचुपुड़ी, लोकगीत और अन्य कला रूपों जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस शुभ अवसर को चिह्नित करने के लिए, विजयवाड़ा स्टेशन पर स्कूली छात्रों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर 1.5 किलोमीटर लंबे तिरंगे झंडे को रैली के रूप में निकाला गया। मीडिया समुदाय को संबोधित करते हुए, डीआरएम नरेंद्र ए. पाटिल ने इस ध्वजारोहण समारोह में भाग लेने के लिए विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों, राज्य सरकार के अधिकारियों को धन्यवाद दिया। नरेंद्र ए. पाटिल ने हमारे देश के नागरिकों के बीच एकता, भाईचारे और राष्ट्रवादी भावनाओं को बढ़ावा देने वाले आजादी का अमृत महोत्सव और मेरी माटी मेरा देश अभियान की भव्य पहल की सराहना की। डीआरएम ने जोर देकर कहा कि इस पहल का उद्देश्य देश के उन नायकों का सम्मान करना है जिन्होंने देश के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। वी. सूर्य नारायण राजू, उपाध्यक्ष, श्री वी. रामबाबू, सीनियर डीसीएम, श्री के. श्रीधर, डेन ईस्ट, श्री मोहम्मद अली खान, डीसीएम, श्री पी.बी. एन,। प्रसाद, एओएम कोचिंग, सुश्री नुसरत एम मंदरूपकर, पीआरओ, अन्य रेलवे अधिकारी, राज्य सांस्कृतिक विभाग के अधिकारी, वीएमसी कार्यालय और कर्मचारियों ने इस हरी झंडी दिखाने वाले कार्यक्रम में भाग लिया।

सैदाबाद में महिला की बेरहमी से हत्या

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सैदाबाद के आईएस सदन में शनिवार दोपहर अज्ञात व्यक्तियों ने एक 21 वर्षीय महिला की हत्या कर दी। महबूबनगर जिले की मूल निवासी स्वप्ना (21) पिछले कुछ वर्षों से आईएस सदन पुलिस स्टेशन क्षेत्र के तहत एनटीआर कॉलोनी, चंपापेट में एक इमारत की दूसरी मंजिल पर किराए के हिस्से में रह रही थी। पुलिस के मुताबिक, सुबह कुछ लोग स्वप्ना से मिलने उसके घर आए थे और दोपहर में स्थानीय लोगों ने इमारत से तेज आवाज सुनी और बाहर की ओर दौड़े तो देखा कि एक आदमी इमारत से कूद गया था और घायल अवस्था में मैदान में पड़ा था। राजू के रूप में पहचाने गए व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया और जब घर के मालिक ने स्वप्ना के कमरे की जाँच की, तो उन्होंने उसे खून से लथपथ मृत पाया।सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। पुलिस निगरानी कैमरों के फुटेज, स्वप्ना के फोन के कॉल डिटेल रिकॉर्ड और सोशल मीडिया अकाउंट की जांच कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अपराध स्थल का दौरा किया और जांच शुरू की।

नीदरलैंड ने वर्ल्ड कप में दूसरा मैच जीता

बांग्लादेश को 87 रन से हराया, मीकरन ने झटके 4 विकेट, कप्तान एडवर्ड्स की फिफ्टी

कोलकाता, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। नीदरलैंड ने वनडे वर्ल्ड कप में दूसरा मैच जीत लिया है। टीम ने कोलकाता में बांग्लादेश को 87 रन से हराया। नीदरलैंड ने इससे पहले साउथ अफ्रीका को भी हराया था। डच टीम दूसरी जीत के साथ टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड से ज्यादा मैच जीत चुका है। इंग्लैंड अब तक एक ही मैच जीत सका और पॉइंट्स टेबल में 10वें नंबर पर हैं।

ईडन गार्डन स्टेडियम में टॉस जीतकर नीदरलैंड ने पहले बैटिंग चुनी। टीम ने 50 ओवर में 229 रन बनाए, जवाब में बांग्लादेश की टीम 42.2 ओवर में 142 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने 68 रन बनाए, वहीं पॉल वान मीकरन ने 4 विकेट झटके। इस प्रदर्शन के लिए मीकरन को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला।

पॉइंट्स टेबल में 10वें नंबर पर पहुंचा डिफेंडिंग चैंपियन

साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश को हराने के बाद इस वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के 2 जीत से 4 पॉइंट्स हो गए। टीम को 4 हार भी मिली, इसलिए टीम पॉइंट्स टेबल में 8वें नंबर पर है। वहीं डच टीम की जीत से डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड 10वें नंबर पर पहुंच गया, उनके पास 5 मैचों में एक ही जीत है।

6 में से 5 मैच हार चुकी बांग्लादेश टीम 2 पॉइंट्स के साथ 9वें नंबर पर है। उनका रन रेट इंग्लैंड से बेहतर है। 10 पॉइंट्स के साथ साउथ अफ्रीका पहले और 10 ही पॉइंट्स के साथ मेजबान भारत दूसरे नंबर पर है। टीम इंडिया रन रेट बेहतर नहीं होने के कारण दूसरे नंबर पर है।

वर्ल्ड कप में नीदरलैंड की सबसे बड़ी जीत, 20 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा :

नीदरलैंड ने बांग्लादेश को 87 रन से हराते हुए अपना 20 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी जीत के मामले में डच टीम का पिछला रिकॉर्ड 64 रन का था। टीम ने 2003 के वर्ल्ड कप में नामीबिया को ब्लमफोन्टेन के मैदान पर हराया था।

डी लीडे ने 2 विकेट लिए :

नीदरलैंड से तेज गेंदबाज पॉल वान मीकरन ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। बास डे लीडे को 2 सफलताएं मिलीं, वहीं आर्यन दत्त, लॉगन वान बीक और कॉलिन एकरमैन को 1-1 विकेट मिला।

मारवाड़ी युवा मंच का रक्तदान शिविर संपन्न

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच मेडचल, सिकंदराबाद के तत्वावधान में मूसापेट हैदराबाद स्थित संकटमोचन हनुमान जी मंदिर में विशाल भजन संध्या के दौरान थैलेसिमिया पीड़ित बच्चो के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें "56" रक्तवीरो ने बाहें चढ़ाकर सुई की चुभन का मीठे अनुभव का अहसास किया।

इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच के महामंत्री मनीष नहार, प्रांतीय उपाध्यक्ष 2 के कैलाश प्रजापति , प्रांतीय रक्तदान संयोजक मनोज जैन, शाखा के रक्तदान संयोजक सुशील भायल, पुकराज भाटी, मुकेश चावड़ा, कैलाश वैस्नव,शंकरलाल प्रजापति, हनुमानलाल, शांतिलाललाल सुथार, दामोदर चौधरी व अन्य उपस्तित हुए।

नि:शुल्क सामूहिक श्री सत्यनारायण स्वामी व्रतम सम्पन्न

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री श्रीदेवी कल्याण ट्रस्ट, एल.बी.नगर के तत्वावधान में निःशुल्क सामूहिक श्री सत्यनारायण स्वामी व्रतम एवं गौपूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। संयोजक संगमेश्वर चारी ने बताया कि 516 जोडों के साथ आयोजित श्री सत्यनारायण स्वामी व्रतम एवं गौपूजा कार्यक्रम मे श्री दत्तगीरी पिठम के पूज्यश्री सीद्धेश्वरानंदगीरी स्वामी, विरधर्मराजु पीठम के पूज्य विरधर्मराज स्वामी, गायत्री पीठम के पूज्य कासेन्द्रा स्वामी, श्री गिरी शेषाद्री मठम के पूज्य गुरू सर्वेश्वरम्बीका शिवाचार्य स्वामी, पूजय् विशोक तीर्थ स्वामी, ब्रह्मऋषी सोमर्ला वेंकेटेश्वार्य, पूज्य योगेश प्रभुदास, पूज्य शिव नरसिम्हा स्वामी आदि पावन निश्रा प्रदान किया। कार्यक्रम में श्री श्रीदेवी कल्याण ट्रस्ट के चेयरमैन व कार्यक्रम संयोजक संगमेश्वर चारी को इस आयोजन से रेकार्ड बनाने पर वंटर बुक ओफ रेकोड्र्स के बिंगी नरेन्द्र गौड ने उन्हे रेकार्ड

कुमरम भीम की पुण्यतिथि धूमधाम से मनाई गई

कुमरम भीम आसिफाबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासियों के आदर्श अमरजीवी कोमुरम भीम की 83 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर बीआरएस पार्टी की विधायक प्रत्याशी कोवा लक्ष्मी, विधायक आत्रम सक्कू, बीआरएस के राज्य सचिव अरिगेला नागेश्वर राव ने कोमुराम भीम की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उनके समाधि घाट पर पुष्प अर्पित किये गये। कोवा लक्ष्मी ने कहा कि कोमुराम भीम जिले के आदिवासियों के प्यारे बच्चे, हम आशाय साधनाओं के नक्शेकदम पर चलकर उन्हें आगे बढ़ाएंगे। जल जंगल ज़मीन नारे के अधिकारों के लिए लड़ने वाले महान नायक कोमुराम भीम थे। पहले किसी सरकार ने आदिवासियों और कोमाराम भीम के बारे में परवाह नहीं की। जब हमारी तेलंगाना सरकार आई तो मुख्यमंत्री केसीआर ने अधिकारों के लिए लड़ने वाले योद्धा को मान्यता दी और जिले, एसपी कार्यालय और कलेक्टर कार्यालय में कोमुराम भीम का नाम रखा। जोड़ेघाट में 25 करोड़ से कोमुरम भीम कांस्य प्रतिमा एवं जनजातीय संग्रहालय स्थापित किया गया है। सीएम केसीआर को हमारे आदिवासियों की कला और परंपराओं को पहचानने और कई कल्याणकारी योजनाएं देने का श्रेय दिया जाता है। हर साल तेलंगाना सरकार आधिकारिक तौर पर पुण्यतिथि मनाती है और जोड़ेघाट में एक सार्वजनिक दरबार का आयोजन करती है। बीआरएस सरकार एकमात्र ऐसी सरकार है जिसने निम्न वर्ग को अनुमति दी है। उन्होंने कहा कि सरकार कोमुराम भीम के उत्तराधिकारियों और उनके परिवारों को हर तरह से समर्थन देगी।

बजरंग सेना के पदाधिकारियों ने पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ से मुलाकात की

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बजरंग सेना की टीम के सदस्यों ने अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव के नेतृत्व में प्रख्यात वक्ता व सामाजिक कार्यकर्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ से जगन्नाथ मंदिर, बंजारा हिल्स में मुलाकात की। भाग्यनगर शहर में पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ के साथ बजरंग सेना की टीम ने डॉ. मोहन गुप्ता का भी सम्मान किया। इस अवसर पर ए.के. बाजपेयी (सेवानिवृत्त एसीपी-इंटेलिजेंस), महिला मोर्चा के अध्यक्ष रजनी श्रीरामोजू, उपाध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल, हिमायतनगर मंडल अध्यक्ष अभिनय तिवारी, उप्पुगुड़ा अध्यक्ष वीरेंद्र अवस्थी, के. राघव कुमार, रामेश्वर मिश्रा, हिमांशु शुक्ला आदि उपस्थित थे।

सिकंदराबाद के टस्कर ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय ब्रह्मर्षि महासंघ के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न प्रांतों से भाग लेने पहुंचे प्रतिनिधि व लखनऊ के गोपाल राय।

अग्रवाल समाज हैदरगुड़ा, वैभवी नारी शक्ति एवं युवा शाखा का डांडिया एवं गरबा महारास कल

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज हैदरगुड़ा, शाखा वैभवी नारी शक्ति एवं युवा शाखा के द्वारा 29 अक्टूबर को लोअर टैंक बैण्ड स्थित जगदीश मंदिर में शरद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में डांडिया एवं गरबा महारास का आयोजन किया जा रहा है। पवन कुमार अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में उक्त जानकारी दी गई। हैदरगुडा शाखा कार्यक्रम के मुख्य सहयोगी हैं। वैभवी नारी शक्ति की अध्यक्ष सतवंती सराय वाला एवं केंद्रीय समिति सदस्य रितु अग्रवाल कार्यक्रम की संयोजिका हैं। नारी शक्ति की उपाध्यक्ष उर्मिला मोदी, मंत्री अनुपमा गुप्ता, सह मंत्री किरण अग्रवाल,कोषाध्यक्ष सपना अग्रवाल कार्यक्रम की सह संयोजिका हैं। अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय समिति के पधादिकारी बतौर विशेष अतिथि कार्यक्रम में भाग लेंगे। शाखा के अध्यक्ष गोपालदास अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जिन लोगों ने टिकट नहीं ली है उनके लिए आयोजन स्थल पर भी टिकट की व्यवस्था की गई है। शाखा में मंत्री महेश कनोडिया ने बताया कि बेस्ट ड्रेस, बेस्ट डांस, बेस्ट कपल आदि जैसे कई काटोगेरी में अवसर पर महिलाओं, बच्चों एवं पुरुषों के लिए आयोजित रंगारंग डांडिया एवं गरबा में चांदी के सिक्के, बेड शीट जैसे आकर्षक पुरस्कारों की व्यवस्था है। शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य CA मनोज अग्रवाल ने सभी अग्रबन्धुवो से कार्यक्रम में भाग लेने का अनुरोध किया है।

हैदराबाद में 4 नवंबर को होगा बाजरा महोत्सव

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक व्यक्तियों के लिए यहां कुछ रोमांचक खबर है। डेक्कन डेवलपमेंट सोसाइटी (डीडीएस) 4 नवंबर को हैदराबाद में बाजरा उत्सव का आयोजन कर रही है। यह कार्यक्रम लोगों को बाजरा किसानों और पैनलिस्टों के साथ जुड़ने और उनके बाजरा से संबंधित सवालों के जवाब प्रदान करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। उपस्थित लोग बाजरा बुफ़े का आनंद भी ले सकते हैं और बीज प्रदर्शनी में भाग ले सकते हैं। उत्सव में भाग लेने वालों को 10 से अधिक प्रकार के बाजरा व्यंजनों का स्वाद लेने का मौका मिलेगा। इसके अलावा, उन्हें विभिन्न बाजरा व्यंजनों को सीखने का अवसर मिलेगा। यह कार्यक्रम कॉलेज ऑफ होम साइंसेज, सैफाबाद में होगा।

दीक्षांत समारोह आयोजित

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वंतत्र वार्ता)। सॉलिटेर बिजनेस स्कूल अमीरपेट के तत्वावधान में सिकंदराबाद स्थित हरिहर कला भवन में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि उस्मानिया विश्वविद्यालय के बोर्ड आफ स्टडीज सदस्य प्रोफेसर नवीन कुमार के द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम में कालेज के चेयरमैन जनाब मिर्जा साहब के साथ साथ एचओडी श्रीदेवी जी कारेस्पांडेंट मोहम्मद अब्दुल्ला जी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर नवीन कुमार जी ने कहा कि आज की परिस्थितियों के अनुसार छात्रों को उच्च तकनीकी ज्ञान का अनुभव अत्यंत आवश्यक है इसलिए उस्मानिया विश्वविद्यालय के द्वारा नित नये कोर्सेज और शिक्षा के लिए उच्च से उच्च शिक्षा प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है इन सभी का लाभ छात्रों को लेकर आगे बढ़ना होगा। इस अवसर पर श्रीदेवी, मोहम्मद अब्दुल्ला और अन्यों ने भी समारोह में छात्र एवं छात्राओं को आगे भविष्य के लिए शुभकामनाएँ एवं आशीर्वाद दिया।

केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. एच. वेंकटेश्वरुलु का हैदराबाद में निधन

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एच वेंकटेश्वरुलु का शनिवार सुबह हैदराबाद में निधन हो गया। वह 63 वर्ष के थे। हैदराबाद में उस्मानिया विश्वविद्यालय में वाणिज्य विभाग के पूर्व एचओडी प्रोफेसर वेंकटेश्वरुलु ने 14 अगस्त, 2020 को केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति की भूमिका निभाई। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने नवाचार, समावेशिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक अटूट समर्पण प्रदर्शित किया। फेसबुक पर पोस्ट किए गए बयान में प्रोफेसर के.सी. प्रोफेसर वेंकटेश्वरुलु के एक सहयोगी बैजू ने कहा, "नवाचार, समावेशिता और शैक्षणिक उपलब्धि की संस्कृति को बढ़ावा देने की उनकी प्रतिबद्धता को हमारे शैक्षणिक समुदाय द्वारा हमेशा याद रखा जाएगा।"

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

महुआ मोइत्रा 2...

उन्होंने कहा कि जब भी वो मुंबई या दुबई में होती थीं दर्शन हीरानंदानी की कार उन्हें एयरपोर्ट से पिक और ड्रॉप करती थी। उन्होंने कहा, मैं ये स्वीकार करती हूं कि निजी रिश्ते चुनने के मामले में मैंने गलती की है, लोगों को चुनने के मामले में मेरा टेस्ट खराब है, मैं मानती हूं मैं इसकी दोषी हूं और मुझे इससे जल्द बाहर निकलना है।

मोइत्रा ने उन आरोपों से भी इंकार कर दिया जिसमें कहा गया था कि बंगले के रिनोवेशन के लिए हीरानंदानी ने उन्हें पैसे दिए थे। इस पर महुआ बोलीं, जब मुझे मेरा निजी सरकारी बंगला आवंटित किया गया था, तो यह पुराना सा था। मैंने दर्शन से पूछा कि क्या वह अपने आर्किटेक्ट को बुला सकते हैं जिससे दरवाजों को रि-डिजाइन किया जा सके ताकि लाइट अंदर आ सके।

अदाणी के खिलाफ सवाल पूछने के लिए हीरानंदानी से पैसे लेने के आरोप के बारे में उन्होंने कहा, आप बताएं पैसे कहां हैं? मुख्य बात साबित करनी होगी कि इसमें आपसी मिलीभगत थी। दर्शन ने अपने हलफनामे में लिखा कि वो नरेंद्र मोदी के बड़े फैन हैं, तो फिर उन्होंने अदाणी पर हमला क्यों किया? मेरे सवालों को लेकर देहाद्राई ने जो बयान दिया है वो मजाक है।

अडाणी समुह को लेकर महुआ ने माना कि संसद में पूछे गए उनके 9 सवाल अडाणी समूह से जुड़े हुए थे। वो सवाल वाजिब और देश हित में थे। महुआ मोइत्रा ने यह भी आरोप लगाया कि गौतम अडाणी ने उन्हें सवाल न करने के लिए पैसे देने की पेशकश की थी।

मोइत्रा ने दावा किया, अडाणी ने पिछले तीन सालों में दो लोकसभा सांसदों के माध्यम से मुझसे संपर्क किया है कि मैं उनके साथ बैठूं और एक सौदा करूं, लेकिन मैंने इनकार कर दिया है। मुद्दा यह है कि वह सवाल न करने के लिए कैश दे रहे थे।

मोइत्रा ने आगे कहा, पिछले हफ्ते उनसे दोबारा संपर्क किया गया और चुप रहने के लिए कहा गया। सांसद ने कहा, मेरे पास एक मैसेज आया कि इसे जल्द खत्म करो। चुनाव खत्म होने तक छह महीने तक चुप रहें। बाद में सब कुछ ठीक हो जाएगा। अगर आप अडाणी पर हमला करना चाहती हैं, तो करिए लेकिन पीएम का नाम मत लीजिए। तृणमूल कांग्रेस पार्टी से समर्थन न मिलने को लेकर उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, मैं पार्टी की वफादार सेवक हूं और मरते दम तक रहूंगी। जन्म देने वाली मां तो नहीं, लेकिन ममता बनर्जी मेरी मां की तरह हैं। इससे जुड़े सवाल निराधार हैं।

पुरुषों के लिए धोती- ...

उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं को ऐसे मर्यादित वस्त्र पहनकर आना चाहिए जो देखने में अच्छा लगे। पांडेय ने यह भी बताया कि पुरुषों के लिए धोती-कुर्ता और महिलाओं के लिए साड़ी पहन कर ही गर्भगृह में दर्शन पूजन करने को लेकर मंदिर न्यास की अगली बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि न्यास की बैठक में विचार-विमर्श के बाद ही इस पर फैसला लिया जाएगा।

काशी विश्वनाथ मंदिर के जनसम्पर्क अधिकारी पीयूष तिवारी ने बताया कि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शनार्थियों के लिए अभी कोई 'ड्रेस कोड' लागू नहीं है। उन्होंने बताया कि मात्र अर्चकों के लिए दो सेट पोशाक न्यास की तरफ से देने का निर्णय लिया गया है, जिसे लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंदिर में पुजारी अभी तक धोती पहनते हैं लेकिन अब उनके लिए जाड़े में चादर और गर्मी में दुपट्टा दिया जाएगा, इस पर न्यास का लोगो होगा, जो उनकी पहचान बताएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ धाम के नये स्वरूप के निर्माण में लगभग पौने तीन वर्ष लगे और इस पर सात सौ करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

आंकड़ों में वर्ल्ड कप 2023: शाहीन के नाम 13 विकेट
डी कॉक टॉप रन स्कोरर; टेबल टॉपर बना साउथ अफ्रीका

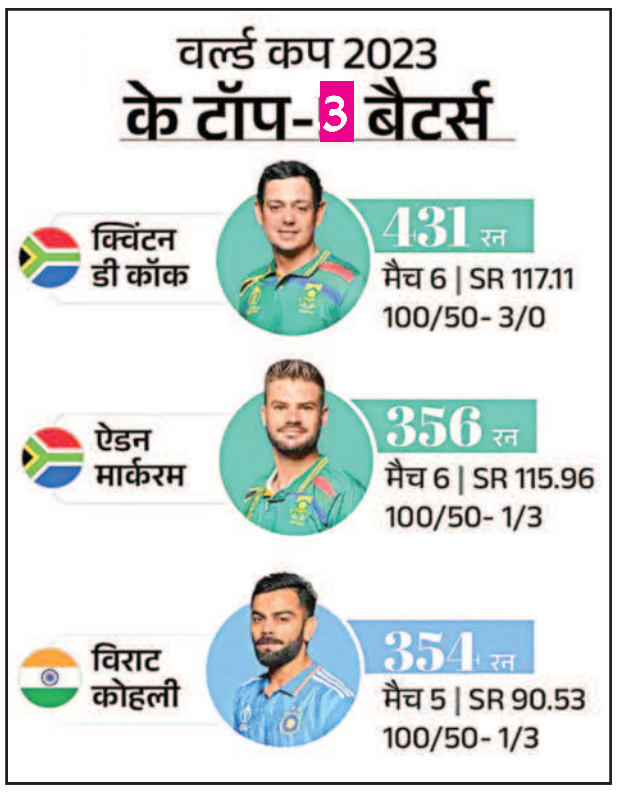

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप में इंग्लैंड और पाकिस्तान का हाल लगभग एक जैसा हो गया है। दोनों ही टीमें 4-4 मुकाबले हार चुकी हैं, बस पाकिस्तान ने डिफेंडिंग चैंपियन से एक मैच ज्यादा जीता है। पाकिस्तान इस वक्त 6 मैचों में 2 जीत के बाद 4 पॉइंट्स लेकर छठे स्थान पर है। वहीं एक विकेट से रोमांचक जीत के बाद साउथ अफ्रीका पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गया।

साउथ अफ्रीका के ही क्विंटन डी कॉक 431 रन के साथ टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर हैं। वहीं ऐडन मार्करम दूसरे नंबर पर हैं, उनके 356 रन हैं। टॉप विकेट टेकर में पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी और साउथ अफ्रीका के मार्को यानसन दूसरे और तीसरे नंबर पर है। दोनों के 13-13 विकेट हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा भी 13 विकेट के साथ टॉप पर हैं।

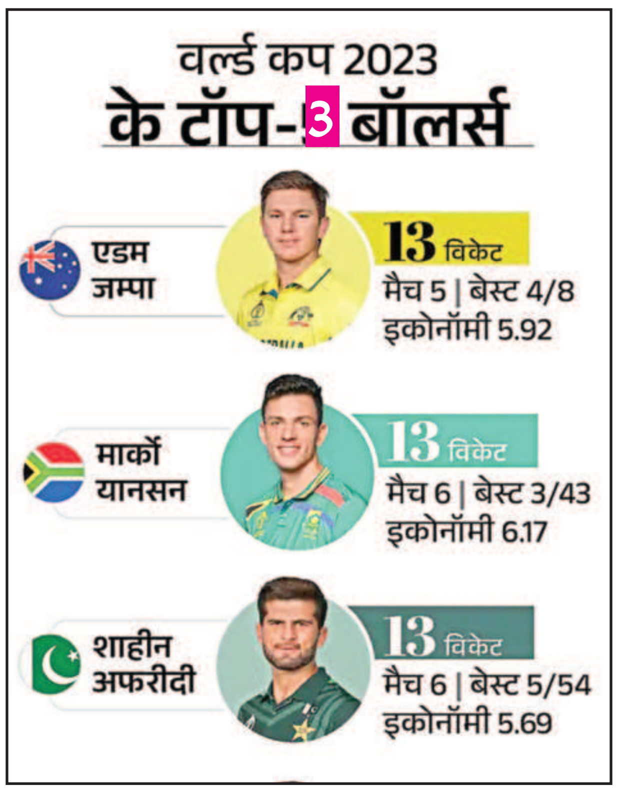

राहुल द्रविड़ ने इकाना की पिच से हटवाई घास
लाल मिट्टी पर ही खेला जाएगा मैच; टीम इंडिया से भिड़ने लखनऊ पहुंचे इंग्लैंड के खिलाड़ी

लखनऊ, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। 29 अक्टूबर को इंडिया के साथ होने वाले मैच के लिए इंग्लैंड की टीम भी लखनऊ पहुंच गई। वहीं, टीम इंडिया बुधवार को ही यहां पहुंच चुकी है। अटल बिहारी वाजपेयी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम (इकाना) में टीम इंडिया ने गुरुवार से ही प्रैक्टिस भी शुरू कर दी। प्रैक्टिस के दूसरे दिन कोच राहुल द्रविड़ शाम करीब 4:30 बजे खिलाड़ियों के साथ स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने पिच से घास हटवाई।

अब यह मैच भी बाकी तीन मैचों की तरह लाल मिट्टी पर खेला जाएगा। टीम ने फिटनेस से लेकर बैटिंग-बॉलिंग की प्रैक्टिस की।

खिलाड़ियों ने इकाना के ग्राउंड-बी में बैटिंग प्रैक्टिस की। यहां कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल के साथ टीम के स्टार गेंदबाज बुमराह नजर आए। बता दें कि लाल मिट्टी बैटिंग के लिए असरदार होती है।

इससे पिच में उछाल और स्पीड मिलती है, जिससे बल्ले पर गेंद आसानी से आती है।

राष्ट्रीय खेल : महाराष्ट्र की संयुक्ता ने जिमनास्ट में जीता तीसरा स्वर्ण, योगेश्वर ने पुरुषों में स्वर्ण जीता

पणजी, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की संयुक्ता काले और ओडिशा की परिणिति नायक ने 37 वें राष्ट्रीय खेलों की जिमनास्टिक स्पर्धा में तीन-तीन स्वर्ण जीतकर अपना दबदबा बना लिया। रिदमिक जिमनास्ट संयुक्ता ने महिलाओं की ट्रेंपोलाइन में स्वर्ण पदक जीता।

राष्ट्रीय खेलों की भारोत्तोलन स्पर्धा में राजस्थान के नितेक झांगिड ने अपने राज्य को पहला स्वर्ण दिलाया। उन्होंने 81 भारवर्ग में 317 वजन उठाकर पहला स्थान हासिल किया। मध्य प्रदेश के वी अजय बाबू ने 312 वजन के साथ रजत और महाराष्ट्र के अभिषेक (309) ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 71 किलो

भारवर्ग में पंजाब की हरजिंदर कौर ने 201 वजन उठाकर स्वर्ण, महाराष्ट्र की तृप्ति माने (190) और मणिपुर की पी उमेश्वरी दवी ने 189 भार उठाकर कांस्य पदक जीता।

महाराष्ट्र की संयुक्ता काले और ओडिशा की परिणिति नायक ने 37 वें राष्ट्रीय खेलों की जिमनास्टिक स्पर्धा में तीन-तीन स्वर्ण जीतकर अपना दबदबा बना लिया। रिदमिक जिमनास्ट संयुक्ता ने महिलाओं की ट्रेंपोलाइन में स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले उन्होंने रिदमिक टीम और ऑलराउंड में स्वर्ण पदक जीते थे।

परिणति ने व्यक्तिगत ऑलराउंड के अलावा वाल्टिंग टेबल और अनइवन बार में स्वर्णिम सफलता हासिल की थी।

हरियाणा के योगेश्वर ने पुरुषों की फ्लोर स्पर्धा में स्वर्ण जीता। मणिपुर में जिमनास्टिक में दो स्वर्ण जीते। गुजरात और उत्तर प्रदेश ने खेलों में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र ने मॉडर्न पेंटाथलान में पांच स्वर्ण पदक जीते। मयंक और डॉली पाटिल ने तीन स्वर्ण जीते।

भारत के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान
मैथ्यू वेड को सौपीं गई कप्तानी; टी-20 सीरीज का पहला मैच 23 नवंबर को खेला जाएगा

कैनबरा, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ खेले जाने वाले पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम का ऐलान कर दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को वर्ल्ड कप के बाद खेली जाने वाली सीरीज के लिए 14 खिलाड़ियों को चुन लिया है। टीम की कप्तानी मैथ्यू वेड को सौपीं गई है।

ऑस्ट्रेलिया टी-20 टीम

मैथ्यू वेड (कप्तान), जेसन बेहरेनडोर्फ, सीन एबॉट, टिम डेविड, नाथन एलिस, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर, एडम जम्पा।

वर्ल्ड कप के बाद कंगारुओं से

5 टी-20 मैचों की सीरीज होगी

वनडे वर्ल्ड कप के बाद भारत ऑस्ट्रेलिया के साथ टी-20 सीरीज खेलेगा, जो 23 नवंबर से शुरू होकर 3 दिसंबर तक चलेगी। इस सीरीज के मुकाबले वाइजैग, त्रिवेंद्रम, गुवाहाटी, नागपुर और हैदराबाद में खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप खेल रहे कुछ खिलाड़ियों को आराम दिया गया

वर्ल्ड कप खेल रहे कुछ खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने आराम देने का फैसला किया है, जिसमें मिचेल मार्श, पैट कमिंस आदि शामिल हैं।

भारतीय पैरा एथलीटों ने रचा इतिहास
हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में जीते 111 पदक

हांगझोऊ, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। पैरा एथलीटों ने 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य के साथ कुल 111 पदक जीते। यह पैरा एशियाई खेलों में भारत द्वारा जीते गए रिकॉर्ड पदक हैं।

भारतीय पैरा एथलीटों ने शनिवार को इतिहास रच दिया जब उन्होंने हांगझोऊ एशियाई पैरा खेलों में अपना अभियान अभूतपूर्व 111 पदकों के साथ समाप्त किया, जो किसी भी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल प्रतियोगिता में देश के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है।

पैरा एथलीटों ने 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य के साथ कुल 111 पदक जीते। भारतीय पैरा एथलीटों ने 23 सितंबर से आठ अक्तूबर तक आयोजित हांगझोऊ एशियाई खेलों में सक्षम एथलीटों द्वारा जीते गए 107 के रिकॉर्ड से चार पदक अधिक जीते।

पदक तालिका में भारत चीन (521 पदकः 214 स्वर्ण, 167 रजत, 140 कांस्य), ईरान (44 स्वर्ण, 46 रजत, 41 कांस्य), जापान (42 स्वर्ण, 49 रन, 59 कांस्य) और कोरिया (30 स्वर्ण, 33 रजत, 40 कांस्य) से नीचे पांचवें स्थान पर रहा, जो अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। पहला पैरा एशियाई खेल 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित किया गया था, जहां भारत एक स्वर्ण सहित 14 पदकों के साथ 15वें स्थान पर रहा था। 2014 और 2018 संस्करण में भारत क्रमशः 15वें और नौवें स्थान पर रहा था।

भारत ने किसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल प्रतियोगिता (ओलंपिक, एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल) में 100 पदक का आंकड़ा पार किया था, इसका एकमात्र उदाहरण 2010 के दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान जीते गए 101 पदक थे। भारतीय पैरालंपिक समिति की अध्यक्ष दीपा मलिक ने पीटीआई से कहा, ₹हमने इतिहास रचा है, हमारे पैरा एथलीटों ने देश को गौरवान्वित किया है। हम पेरिस पैरालंपिक में टोक्यो से भी अधिक पदक जीतेंगे।₹

उन्होंने कहा, ₹हालांकि, यह हमारे लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है। हमने 110 से 115 पदकों की उम्मीद की थी और हम 111 पर समाप्त हुए, जो शुभ संख्या (एंजेल नंबर) है।₹ गुरुवार को भारत 2018 संस्करण में हासिल किए गए पैरा एशियाड में सबसे ज्यादा 72 पदक (15 स्वर्ण, 24 रजत, 33 कांस्य) के संख्या को पार गया था। भारत ने 2018 संस्करण की तुलना में 39 अधिक पदक जीते, जिसमें एथलेटिक्स में भारत के कुल 111 में से 55 (18 स्वर्ण, 17 रजत, 20) का योगदान रहा।

भारतीय शटलरों ने चार स्वर्ण सहित 21 पदकों के साथ दूसरा सबसे बड़ा योगदान दिया। शतरंज और तीरंदाजी ने क्रमशः आठ और सात पदक जीते, जबकि निशानेबाजी ने छह पदक जीते। शनिवार को आखिरी दिन भारत ने चार स्वर्ण सहित 12 पदक अपने नाम किए। सात पदक शतरंज से, चार एथलेटिक्स से और एक रोइंग से आया।

ऑस्ट्रेलिया ने न्यूज़ीलैंड को 5 रनों से हराया

धर्मशाला, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप 2023 में लगातार चौथी जीत हासिल की है। टीम ने 27वें मुकाबले में न्यूजीलैंड को 5 रन से हराया। इस जीत से ऑस्ट्रेलियाई टीम सेमीफाइनल के और करीब आ गई है। टीम ने खाते में 6 मैच के बाद 4 जीत के बाद 8 अंक हैं।

धर्मशाला के मैदान पर शनिवार को न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम 49.2 ओवर में 388 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 9 विकेट पर 383 रन ही बना सकी।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से पहला वर्ल्ड कप मैच खेल रहे ट्रैविस हेड (109 रन) ने शतक जमाया। न्यूजीलैंड की ओर से रचिन रवींद्र (116 रन) शतकीय पारी खेली। वे 23 साल की उम्र में दो वर्ल्ड कप शतक जमाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बने हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर यह कारनामा कर चुके हैं।

रचिन रवींद्र ने 89 बॉल पर 116 रन की पारी खेली। उन्होंने 77 बॉल पर सेंचुरी पूरी की। यह उनके वनडे करियर की दूसरी सेंचुरी है। दोनों शतक वर्ल्ड कप में आए। रचिन वर्ल्ड कप में 24 साल से कम उम्र में दो शतक जमाने वाले दुनिया के दूसरे बैटर बने। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर ही ऐसा कर सके हैं।

मैच से पहले न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र ने कहा- 'वो अपने खेल को अच्छा करने के लिए अक्सर भारत आते रहते हैं। स्टार स्पोर्ट से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि स्पिन के खिलाफ बल्लेबाजी करने के लिए उन्हें भारतीय कंडीशंस ने काफी मदद की है। पिता क्रिकेट के बहुत बड़े फैन हैं। उन्हें देखकर ही रचिन ने क्रिकेट खेलना शुरू किया। शुरुआत में वो टेनिस बॉल से क्रिकेट खेलते थे।'

389 रन का टारगेट चेज करने उतरे न्यूजीलैंड के ओपनर्स ने तेज शुरुआत की। डेवोन कॉन्वे और विल यंग की जोड़ी ने जोश हेजलवुड के पहले ओवर में 21 रन निकाले, हालांकि पावरप्ले समाप्त होते-होते हेजलवुड ने दोनों को पवेलियन की राह दिखा दी। कीवी टीम ने 10 ओवर में दो विकेट पर 73 रन बनाए।

वर्ल्ड कप की व्यूअरशिप में 43% इजाफा
स्टेडियम आने वाले दर्शकों की संख्या भी 2019 के मुकाबले 1.90 लाख ज्यादा

मुंबई, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप की टीवी व्यूअरशिप में 43% इजाफा हुआ है। यह डेटा वर्ल्ड कप 2023 के ऑफिशियल स्पॉन्सर स्टार स्पोर्ट्स और ICC ने जारी किया है। वर्ल्ड कप के शुरुआती 18 मैचों में ब्रॉडकास्टर को कुल 12 हजार 380 करोड़ मिनट का वॉचटाइम मिला है। 2019 वनडे वर्ल्ड कप के पहले 18 मैचों की तुलना में यह 43% ज्यादा है।

इस बार पहले 18 मैचों को कुल 5.42 लाख लोगों ने स्टेडियम जाकर देखा। यह इंग्लैंड में हुए पिछले वर्ल्ड कप की तुलना में 1.90 लाख अधिक है।

भारत-न्यूजीलैंड मुकाबले ने तोड़ा व्यूअरशिप का रिकॉर्ड

टूर्नामेंट के शुरुआती 18 मैचों को 36.4 करोड़ दर्शकों ने टीवी पर लाइव देखा। डिजिटल प्लेटफॉर्म डिज्नी हॉटस्टार पर किसी भी एक मैच में एक समय पर सबसे ज्यादा व्यूअरशिप 22 अक्टूबर को भारत-न्यूजीलैंड के मैच के दौरान दर्ज की गई थी। इसे 4.3 करोड़ लोगों ने एक ही समय पर लाइव देखा।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में एक समय पर यह अब तक का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मुकाबला है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 14 अक्टूबर को हुए भारत-

पहला टी-20	23-11-2023	शाम 7:00	वाइजैग
दूसरा टी-20	26-11-2023	शाम 7:00	त्रिवेंद्रम
तीसरा टी-20	28-11-2023	शाम 7:00	गुवाहाटी
चौथा टी-20	01-12-2023	शाम 7:00	नागपुर
पांचवां टी-20	03-12-2023	शाम 7:00	हैदराबाद

पाकिस्तान मैच के दौरान बना था। इसे एक समय पर 3.5 करोड़ लोगों ने देखा था। इस मुकाबले की टोटल व्यूअरशिप 7.6 करोड़ थी।

हॉटस्टार पर फ्री में देख सकते हैं वर्ल्ड कप के मैच

वर्ल्ड कप मैचों के ब्रॉडकास्ट राइट्स स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के पास हैं। इसके अलावा डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर लाइव स्ट्रीमिंग देख सकते हैं। हॉटस्टार ने 9 जून को ऐलान किया था कि यूजर्स ऐप पर एशिया कप और ICC मेंस क्रिकेट वनडे वर्ल्ड कप के सभी मैच फ्री में देख सकेंगे। हॉटस्टार अपनी व्यूअरशिप बढ़ाने के लिए मुकेश अंबानी के जियो सिनेमा का तरीका आजमा रहा है। ऐसा करके डिज्नी+हॉटस्टार जियो सिनेमा की ग्रोथ को चैलेंज करना चाहता है। जियो सिनेमा ने IPL 2023 के सभी मैच फ्री में दिखाए थे, जिससे कंपनी को रिकॉर्ड व्यूअरशिप मिली थी।

2027 तक के आईसीसी टूर्नामेंट के राइट्स स्टार के पास

मेंस ICC टूर्नामेंट की बात करें स्टार के पास 2027 तक के डिजिटल राइट्स हैं। मौजूदा डील में 2024 और 2026 का टी-20 वर्ल्ड कप, 2027 का वनडे वर्ल्ड कप, 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी शामिल हैं। इनके अलावा 2025 और 2027 में होने वाली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले भी इसी डील का हिस्सा हैं। महिला टूर्नामेंट में 2024 और 2026 के टी-20 वर्ल्ड कप, 2025 का वनडे वर्ल्ड कप और 2027 की टी-20 चैंपियंस ट्रॉफी शामिल हैं।

भारत ने महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में थाईलैंड को 7-1 से हराया, संगीता की हैट्रिक

रांची, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की तरफ से संगीता (29वें, 45वें, 45वें मिनट), मोनिका (7वें), सलीमा टेटे (15वें), दीपिका (40वें) और लालरेम्सियामी (52वें मिनट) ने गोल किए।

संगीता कुमारी की हैट्रिक की मदद से भारत ने महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट के अपने शुरुआती मैच में यहां

थाईलैंड को 7-1 से पराजित किया।

भारत की तरफ से संगीता (29वें, 45वें, 45वें मिनट), मोनिका (7वें), सलीमा टेटे (15वें), दीपिका (40वें) और लालरेम्सियामी (52वें मिनट) ने गोल किए। थाईलैंड की ओर से एकमात्र गोल सुपांसा सामांसो ने 22वें मिनट में किया। भारतीय टीम अपने अगले मैच में शनिवार को मलयेशिया का सामना करेगी।

अर्जुन एरिगेसी ने फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज में एंटोन गुइजारो को हराया, नारायणन ने ड्रॉ खेला

नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (एजेंसियां)। रौनक साधवानी ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अमेरिका के हिकारू नकामूरा को ड्रॉ पर रोका। महिला वर्ग में पूर्व विश्व चैंपियन झों

गयी ने दिव्या देशमुख को हराया जबकि बी सविता को पूर्व विश्व चैंपियन एंतोआनेता स्टेफानोवा ने मात दी। अपने पारंपरिक आक्रामक अंदाज में खेलते हुए ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज में स्पेन के एंटोन गुइजारो

को हराया जबकि एस एल नारायणन ने ग्रैंडमास्टर अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक से ड्रॉ खेला। अर्जुन ने 40 चालों के बाद बाजी जीती। वहीं, कतर मास्टर्स में तीसरे स्थान पर रहे केरल के नारायणन ने 33 चालों के बाद ड्रॉ खेला।

रौनक साधवानी ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अमेरिका के हिकारू नकामूरा को ड्रॉ पर रोका। यह मुकाबला 25 चालों तक ही चला। महिला वर्ग में पूर्व विश्व चैंपियन झोंगयी ने दिव्या देशमुख को हराया जबकि बी सविता को पूर्व विश्व चैंपियन एंतोआनेता स्टेफानोवा ने मात दी।

केटीआर ने बीआरएस सरकार के रिकॉर्ड रोजगार सृजन पर विपक्ष के दावों को चुनौती दी

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस धारणा का खंडन करते हुए कि तेलंगाना सरकारी क्षेत्र में रोजगार प्रदान करने में पिछड़ गया है, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने जोर देकर कहा कि बीआरएस सरकार ने प्रति वर्ष औसतन 13,000 सरकारी नौकरियां भरकर अपने पूर्ववर्तियों से बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने इसकी तुलना कांग्रेस शासन के प्रदर्शन से की, जो सालाना लगभग 1,000 नौकरियां ही भरने में कामयाब रही। 2004 और 2014 के बीच की गई भर्ती के रिकॉर्ड का हवाला देते हुए, रामा राव ने कहा कि संयुक्त आंध्र प्रदेश में तत्कालीन कांग्रेस प्रशासन ने 23 जिलों में कुल 24,000 नौकरियां भरीं। उन्होंने विस्तार से बताया कि तेलंगाना की 42 फीसदी हिस्सेदारी की गणना करते हुए, यह कुल मिलाकर केवल 10,000 है और तेलंगाना में प्रति वर्ष 1,000 भर्तियाँ होती हैं। 2014 में तेलंगाना के गठन के बाद से, बीआरएस सरकार ने 2.20 लाख रिक्तियों को भरने का काम शुरू किया है। इनमें से 1.32 लाख पद भरे जा चुके हैं, यानी हर साल 13,000 नौकरियां। उन्होंने बताया कि विभिन्न राज्यों में 90,000 विषम नौकरियों को भरने की कवायद चल रही है। क्या कांग्रेस या भाजपा के नेतृत्व वाली कोई सरकार इतने बड़े पैमाने पर और इतनी तेजी से भर्ती करने का दावा कर सकती है?, उन्होंने शनिवार को यहां तेलंगाना यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स द्वारा आयोजित मीट-द-प्रेस कार्यक्रम के दौरान जानना चाहा। टीएसपीएससी पंजीकरण के आंकड़ों का उदाहरण लेते हुए, मंत्री ने विपक्षी दलों के दावों का खंडन करने की कोशिश की कि राज्य में 30 लाख युवा बेरोजगार है। उन्होंने विभिन्न रोजगार समूह परीक्षाओं के उपस्थिति आंकड़ों का हवाला देते हुए निष्कर्ष निकाला कि पंजीकरण कराने वालों की बड़ी संख्या में वर्तमान में बेहतर अवसरों की तलाश में कार्यरत व्यक्ति भी शामिल हैं। उदाहरण के लिए, जब ग्रुप-I परीक्षा पहली बार आयोजित की गई थी, तो 3.5 लाख लोग उपस्थित हुए थे और दूसरी बार 2.30 लाख लोग उपस्थित हुए थे। उन्होंने तर्क दिया कि समूह II, समूह III और समूह IV की संचयी उपस्थिति 12.5 लाख उम्मीदवारों की थी। यह एक गलत धारणा है कि 30 लाख युवा बेरोजगार हैं। कई निजी कर्मचारी टीएसपीएससी परीक्षा में शामिल हुए। इसमें कुछ भी गलत नहीं है और प्रवृत्ति बदल गई है। बहुप्रचारित कर्नाटक मॉडल पर

कटाक्ष करते हुए, सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष ने कर्नाटक में बिजली और पानी की कमी से चल रहे संघर्ष पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कर्नाटक में किसान चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने में कांग्रेस सरकार की विफलता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। तेलंगाना कांग्रेस नेताओं की इस टिप्पणी पर कि कोडंगल, गडवाल और अन्य स्थानों पर कर्नाटक के किसानों का विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है, मंत्री ने इन टिप्पणियों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने तेलंगाना कांग्रेस नेताओं को कर्नाटक जाने के लिए बस की व्यवस्था करने की पेशकश की. "आइए किसानों से बात करें और वोट मांगें कि क्या वे बिजली आपूर्ति का कर्नाटक मॉडल चाहते हैं या तेलंगाना मॉडल।" चलो! देख लेंगे!, उन्होंने टिप्पणी की। मेद्दीगड्डा बैराज की संरचनात्मक अखंडता के मुद्दे पर एक सवाल उठाते हुए उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण का मूल्यांकन लंबित था। रामा राव ने दोहराया कि मरम्मत का खर्च दोष देयता अवधि के खंड के तहत संबंधित एजेंसी द्वारा कवर किया जाएगा, जिससे राज्य के वित्त पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। इसके अलावा, बैराज ने पिछले साल 28 लाख क्यूसेक के प्रवाह सहित सबसे भारी बाढ़ का सामना किया था।

अपहरण करने व धमकी देने के आरोप में पांच गिरफ्तार

मारेडपल्ली पुलिस ने कमिश्नर टास्क फोर्स के साथ मिलकर की कार्रवाई

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मारेडपल्ली पुलिस ने कमिश्नर टास्क फोर्स के साथ मिलकर पांच लोगों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने कथित तौर पर दो लोगों का अपहरण किया और धमकी दी। उन पर एक मामले में समझौता करने और अदालत के सामने झूठे सबूत देने का दबाव डाला। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों एस सनी यादव (21), सी कृष्णा यादव (47), बी विस्वेंदर (25), के रविंदर रेड्डी (32) और चंद्र प्रभु (47) ने वीरबाबू के साथ मिलकर कथित तौर पर दो व्यक्तियों संदीप और अजय का अपहरण कर लिया था और उनकी पिटाई की थी। उन पर एक मामले में समझौता करने का दबाव बनाया। इस साल की शुरुआत में, सन्नी को संदीप की शिकायत पर हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार किया गया और रिमांड पर लिया गया। तभी से सनी और उसके साथी चाहते थे कि मामले का समझौता कोर्ट में हो जाए। अजय इस मामले में गवाह है। विशेष सूचना पर पुलिस ने मामला दर्ज कर उन पांच लोगों को हिरासत में ले लिया, जिनके खिलाफ अलग-अलग थानों में उपद्रवी मामले दर्ज है। कथित तौर पर फरार वीरबाबू को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

विजयवाड़ा में 209 नये रंगरूटों को मिला नियुक्ति पत्र

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित किया

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित किया और विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त भर्तियों को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए। देश भर से चुने गए रंगरूट रेल मंत्रालय, डाक विभाग, गृह मंत्रालय, राजस्व विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग और शिक्षा मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में सरकार में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान देशभर के 37 स्थान मेले से जुड़े रहे। सभा को संबोधित करते हुए, प्रधान मंत्री ने कहा कि रोजगार मेलों की यात्रा एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर पर पहुंच गई है क्योंकि रोजगार मेले पिछले साल अक्टूबर में शुरू हुए थे और केंद्र और एनडीए शासित राज्यों में विभिन्न रोजगार मेलों में लाखों युवाओं को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए थे।

प्रधान मंत्री ने रेखांकित किया कि विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित रोजगार मेले युवाओं के भविष्य के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का संकेत हैं जहां मिशन मोड में काम चल रहा है। श्री मोदी ने भर्ती प्रक्रियाओं में युवाओं के बढ़ते भरोसे पर जोर देते हुए कहा, "हम न केवल रोजगार प्रदान कर रहे हैं बल्कि एक पारदर्शी प्रणाली भी बनाए रख रहे हैं।" मंडल रेलवे सभागार में स्थानीय कार्यक्रम में सभा को संबोधित करते हुए, नरेंद्र ए. पाटिल, मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा ने चयनित उम्मीदवारों को सफलतापूर्वक सरकारी नौकरियां हासिल करने के लिए हार्दिक बधाई दी।

डीआरएम ने युवाओं से जुनून, समर्पण, सेवा को आदर्श वाक्य के रूप में काम करने का आग्रह किया और कहा कि शक्ति के साथ बहुत सारी जिम्मेदारी भी आती है। डीआरएम नरेंद्र ए. पाटिल ने इन रोज़गार मेलों के माध्यम से इस देश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों पर जोर देने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदीजी के भव्य दृष्टिकोण की सराहना की।

प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद, मल्लदी विष्णु, विधायक, विजयवाड़ा सेंट्रल, नरेंद्र ए. पाटिल, डीआरएम, रवींद्र बाबू जोनल मैनेजर, यूबीआई, सैयद अंसारी, सहायक निदेशक, डाक विभाग, डॉ. राजशेखर मोहन, संकाय प्रभारी, भर्ती, एम्स, मंगलागिरी, डॉ. ई. वी. शिव राम कृष्ण, सीनियर डीएफएम, एम. बाला मुरलीधर, सीनियर डीपीओ ने डिविजनल ऑडिटोरियम, विजयवाड़ा में बैंकों, डाक विभाग, चिकित्सा सेवाओं और रेलवे में चयनित लगभग 172 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे।

जूते की दुकान में आग लगने से लाखों की संपत्ति जलकर खाक

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार रात शमशाबाद में एक जूते की दुकान सह गोदाम में आग लगने से कई लाख की संपत्ति जलकर खाक हो गई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अग्निशमन अधिकारियों के मुताबिक, आग सुबह करीब तीन बजे शमशाबाद स्थित देव फुटवियर में लगी और तेजी से दुकान में फैल गई। सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और इसकी सूचना अग्निशमन अधिकारियों को दी. आसपास के अग्निशमन केंद्रों से दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। अधिकारियों को आशंका है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी होगी। हालांकि सही कारण का पता लगाया जा रहा है। दुकान मालिकों ने बताया कि दुकान और गोदाम में 30 लाख रुपये का स्टॉक रखा हुआ था।

कालेश्वरम परियोजना विवरण के लिए तेलंगाना को एक दिन का समय

राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण ने समय सीमा निर्धारित की

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण ने तेलंगाना राज्य को एक दिन की समय सीमा तय की है और रविवार, 28 अक्टूबर तक कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) पर पूरा विवरण जमा करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण ने शनिवार को तेलंगाना राज्य को एक पत्र लिखकर केएलआईपी पर विवरण तुरंत जमा करने का निर्देश दिया। रोजेक्ट के संबंध में रविवार 28 अक्टूबर तक जानकारी देने की समय सीमा तय की गई है। पत्र में कहा गया है, अन्यथा यह माना जाएगा कि राज्य सरकार को कोई जानकारी नहीं है। बांध सुरक्षा प्राधिकरण ने कहा कि तेलंगाना सरकार कालेश्वरम परियोजना का विवरण देने से इनकार कर रही है और जानबूझकर तथ्यों को छिपा रही है। मेदिगड्डा बराज के निर्माण को लेकर प्राधिकरण ने 20 तरह की जानकारी मांगी थी, लेकिन राज्य सरकार ने सिर्फ चार विषयों से संबंधित जानकारी दी है, जबकि अन्य 16 विषय अभी भी लंबित हैं। राज्य सरकार ने परियोजना की गुणवत्ता, भूवैज्ञानिक अध्ययन, ठेकेदार दायित्व आदि से संबंधित कोई जानकारी नहीं दी है। पत्र में कहा गया है कि यदि निर्धारित अवधि के भीतर जानकारी नहीं दी जाती है, तो बांध सुरक्षा प्राधिकरण यह मान लेगा कि राज्य सरकार के पास परियोजना के संबंध में कोई जानकारी नहीं है और अधिनियम के अनुसार आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

कर्नाटक के किसानों का तांडूर में विरोध-प्रदर्शन

डिप्टी सीएम शिव कुमार के अभियान से पहले प्रदर्शन

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गदवाल, कोडंगल और अन्य स्थानों के बाद, कर्नाटक के किसानों ने शनिवार को कृषि क्षेत्र को बिजली की आपूर्ति करने में कांग्रेस सरकार की विफलता के खिलाफ पारिगी में अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। तख्तियां लिए हुए पड़ोसी राज्य के लगभग 50 किसानों ने शहर में कोडंगल चौरस्ता से गांधी प्रतिमा तक रैली निकाली। बस स्टैंड पर उस समय हल्का तनाव उत्पन्न हो गया जब स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने कर्नाटक के किसानों की रैली का विरोध किया और उन्हें रोकने की कोशिश की। कांग्रेस नेताओं का तर्क था कि उन्हें तेलंगाना में इस तरह का विरोध प्रदर्शन नहीं करना चाहिए। पुलिस के समय पर हस्तक्षेप से स्थिति नियंत्रित हो गई। रिपोर्टों के मुताबिक, कांग्रेस नेताओं की आपत्तियों के बावजूद, कुछ किसानों ने गांधी प्रतिमा तक अपनी रैली निकाली। इस बीच, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिव कुमार दिन में तांडूर, पारिगी और चेवेल्ला में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए हैदराबाद पहुंचे। पिछले कुछ दिनों से कर्नाटक के किसान तेलंगाना के विभिन्न सीमावर्ती जिलों में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वे कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर कृषक समुदाय को धोखा देने का आरोप लगाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के चुनाव घोषणापत्र में कांग्रेस ने 10 घंटे गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति का वादा किया था, लेकिन मुश्किल से तीन घंटे बिजली की आपूर्ति की जा रही है। कर्नाटक के किसान तेलंगाना के किसानों से अपील कर रहे थे कि वे कांग्रेस को वोट न दें क्योंकि इससे कृषि क्षेत्र को नुकसान होगा।

हाईटेक सिटी में 'पुरमनै विरुंधु' वनभोजनम का आयोजन किया जाएगा

केले के पत्तों पर तमिल व्यंजनों की एक विशाल सूची परोसी जाएगी

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के तमिल, तेलंगाना तमीज़ संगम (टीटीएस) के सदस्य, 29 अक्टूबर को फीनिक्स एरिना, एचआईटीईसी सिटी में 'पुरमनई विरुंधु', वनभोजनम 2023 के लिए बड़ी संख्या में एकत्र होंगे। केले के पत्तों पर तमिल व्यंजनों की एक विशाल सूची परोसी जाएगी और आयोजकों द्वारा पारंपरिक नृत्य, संगीत, खेल सहित मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संगम के अध्यक्ष एम. के. बोस के मार्गदर्शन में तमिल संगम के पदाधिकारी और समिति के सदस्य इस वार्षिक कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए एक महीने से अधिक समय से काम कर रहे हैं। हर साल कार्तिगाई के महीने के दौरान टीटीएस द्वारा तमिलों का एक विशाल मिलन समारोह आयोजित किया जाता है और वनभोजनम के लिए, केले के पत्ते पर प्रामाणिक तमिल शाकाहारी भोजन परोसा जाता है। यह आयोजन पूरे तेलंगाना में तमिलों की युवा पीढ़ी को उनकी सांस्कृतिक विरासत, क्लासिक व्यंजनों के संपर्क में आने और सबसे पुरानी भाषा तमीज़ या तमिल के प्रति प्रेम विकसित करने और अपनी जड़ों के साथ एक मजबूत बंधन स्थापित करने के लिए प्रेरित करता है। वनभोजनम तेलुगु लोगों द्वारा कार्तिक महीने में मनाया जाता है और यह प्रकृति के प्रति उनके प्रेम और प्राकृतिक परिवेश के बीच परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने की इच्छा को दर्शाता है, विज्ञप्ति में कहा गया है कि तमिल और तेलुगु संस्कृति का एकीकरण पुरमनई विरुंधु द्वारा आयोजित किया जाता है।

'अमृत कलश यात्रा' ट्रेन की सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से यात्रा शुरू

विभिन्न जिलों से अस्थि कलश लेकर सिकंदराबाद स्टेशन पर स्वयंसेवक ट्रेन में चढ़े

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नई दिल्ली में 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान में भाग लेने के लिए तेलंगाना के लगभग 195 स्वयंसेवक विभिन्न जिलों से अस्थि कलश लेकर सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़े। 20 मिनट तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए और अंत में सभी प्रतिभागियों और जनता को शपथ दिलाई गई। भारत माता की जय, एक भारत श्रेष्ठ, के नारों के बीच पूरा स्टेशन देशभक्ति के जोश से गूंज उठा। मेरी माटी मेरा देश अभियान के हिस्से के रूप में, दक्षिण मध्य रेलवे सिकंदराबाद डिवीजन ने आज यानी 28 अक्टूबर, 2023 को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से अमृत कलश यात्रा विशेष ट्रेन की व्यवस्था की। अमृत कलश यात्रा विशेष ट्रेन में विभिन्न स्थानों से एकत्र की गई पवित्र मिट्टी, चावल और पौधे वाले कलश ले जाए गए। तेलंगाना के जिलों को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 10 से हरी झंडी दिखाई गई। इस कार्यक्रम में सिकंदराबाद मंडल के विभिन्न अधिकारी और नेहरू युवा केंद्र के प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह अमृत कलश यात्रा विशेष ट्रेन राज्य की राजधानी से राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली तक अमृत कलश की अंतिम चरण की यात्रा और मार्च 2021 में शुरू की गई भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की परिणति को चिह्नित करेगी। लगभग 195 स्वयंसेवक और नेहरू के 5 अधिकारी नई दिल्ली में मेरी माटी मेरा देश अभियान में भाग लेने के लिए तेलंगाना से युवा केंद्र सिकंदराबाद में ट्रेन में चढ़े।

सड़क दुर्घटना में तकनीशियन की मौत हो गई

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में टीसीएस में काम करने वाले एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई, जब वह जिस कार को चला रहा था वह आदिबाटला के पास ओआरआर पर टायर फटने के बाद पलट गई। तकनीकी विशेषज्ञ की पहचान 51 वर्षीय मुरली कृष्ण वरप्रसाद राव के रूप में हुई है, जो दुर्घटना के समय विजयनगरम से वापस आ रहा था। हादसे में उनके पिता, पत्नी और बेटे सहित परिवार के सदस्य घायल हो गए।

5जी यूज केस लैब के लिए आईआईआईटी-हैदराबाद शीर्ष 100 संस्थानों में शामिल

प्रधानमंत्री ने पुरस्कार प्रदान किया

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) के 7 वें संस्करण में एक उल्लेखनीय क्षण देखा गया जब प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने वस्तुतः आईआईआईटी हैदराबाद को प्रतिष्ठित 5जी लैब पुरस्कार प्रदान किया। यह मान्यता संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसने भारत के शीर्ष 100 संस्थानों में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है। आईआईआईटीएच तेलंगाना राज्य से चुने गए तीन शीर्ष संस्थानों में से एक है। पुरस्कार समारोह उत्साही छात्रों, समर्पित संकाय सदस्यों और उत्साही कर्मचारियों की उपस्थिति में मनाया गया। इस कार्यक्रम ने उपस्थित लोगों को सम्मानित अतिथियों के साथ यादगार पलों को कैद करने, नवीन स्मार्ट सिटी लिविंग लैब का पता लगाने और 5जी यूज़ केस लैब के पीछे समर्पित टीम के साथ बातचीत करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया। डीओटी 5जी लैब्स के लिए लगभग 50 लाख रुपए तक के बुनियादी ढांचे का वित्त पोषण करेगा। एसपीआरसी, सीवीईएसटी, एसईआरसी, सीएसजी, आरआरसी के संकाय आईआईआईटीएच की 5जी लैब का हिस्सा होंगे, जिसे इसके स्मार्ट सिटी अनुसंधान केंद्र द्वारा संचालित किया जा रहा है। आईआईआईटीएच हैदराबाद में स्मार्ट सिटी लिविंग लैब की लीड आर्किटेक्ट अनुराधा वट्टेम द्वारा 5 जी यूज़ केस लैब पर एक विशेष प्रस्तुति आयोजित की गई। इस प्रस्तुति का उद्देश्य छात्रों को 5 जी तकनीक के विभिन्न व्यावहारिक अनुप्रयोगों और उन चुनौतियों के बारे में शिक्षित करना है जो इसे हल करने में मदद कर सकती हैं। इसने यह सुनिश्चित करने में प्रयोगशाला की भूमिका पर जोर दिया कि छात्र 5 जी अनुप्रयोगों के विविध क्षेत्रों को व्यापक रूप से समझें। डीओटी से दीप्ति और श्रवण कुमार ने स्थानीय बीएसएनएल टीम के साथ आवश्यक समन्वय और सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी से 5जी तकनीक के माध्यम से भारत में तकनीकी परिवर्तन लाने का आग्रह किया। उन्होंने आईएमसी 2023 के उद्घाटन के लिए मंच तैयार करते हुए, आगामी 6जी तकनीक में दुनिया का नेतृत्व करने की भारत की क्षमता को रेखांकित किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.